RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 121
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मार्च, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

विनेश फोगाट ने जीता स्वर्ण पदक
स्पोर्ट्स-10

बंगाल में होगा असली बदलाव: मोदी

● कोलकाता में ब्रिगेड ग्राउंड में अपनी पहली चुनावी रैली का किया आगाज, ममता बनर्जी पर जमकर बोला हमला

● कहा-जनता की दीदी बनने के बजाये अपने भतीजे की बुआ बनना ज्यादा पसंद किया

सौगर सेनगुप्ता । कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में पश्चिम बंगाल में असली पोरिबोर्तन का नारा देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने रविवार को अपनी मेगा रैली में सीधा आरोप लगाया कि बंगाल ने वाम शासन के बाद परिवर्तन लाने के लिए 2011 में बनर्जी पर भरोसा जताया था लेकिन उन्होंने राज्य के लोगों को धोखा दिया और उनका अपमान किया। मोदी ने ममता पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जनता की दीदी बनने के बजाय अपने भतीजे की बुआ बनना पसंद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब ऐसा नहीं होगा, राज्य में असली परिवर्तन देखने को मिलेगा। भाजपा ममता बनर्जी पर आरोप लगाती रही है कि वह डायमंड हार्बर से सांसद और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला मुख्यमंत्री बनाने के प्रयास में जुटी हैं।

मोदी ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख पर हमला करते हुए कहा कि आपने बंगाल के उन लोगों को धोखा दिया और अपमान किया, जिन्होंने भरोसा किया था कि वाम षासन के बाद आप परिवर्तन लाएंगी। आपने उनकी उम्मीद और सपनों को चकनाचूर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बनर्जी ने उन लोगों को नजरअंदाज कर, भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया, जोकि उन्हें प्यार से दीदी कहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और बनर्जी जैसे प्रतिद्वंद्वी नेताओं पर पलटवार करते हुए मोदी ने कहा कि वह मित्रता का मूल्य समझते हैं। कई विरोधी नेता मोदी पर कुछ खास उद्योगपति मित्रों का पक्ष लेने का आरोप लगाते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सभी 130 करोड़ लोग मेरे मित्र हैं। मैं उनके लिए कार्य करता हूं। उन्होंने अंदरूनी-बाहरी की बहस को बढ़ावा देने के लिए भी ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह पष्चिम बंगाल में असली परिवर्तन लाने को प्रतिबद्ध हैं, जहां हर वर्ग का विकास हो और घुसपैठ रोकी जाए। मोदी ने कहा कि असली परिवर्तन तभी होगा, जब युवाओं एवं युवतियों को नौकरियां और बेहतर शिक्षा मिलेगी। साथ ही निवेष आएगा और राज्य के लोगों को काम करने के लिए अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत माता के आशीर्वाद से हम राज्य को सोनार बांग्ला बनाएंगे। तृणमूल कांग्रेस के चुनावी नारे खेला होबे पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि अब तृणमूल कांग्रेस का खेल खत्म और विकास शुरू होगा।

मिथुन भाजपा में शामिल, कहा वंचितों की सेवा को मिला मंच

पायनियर समाचार सेवा । कोलकाता

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती रविवार को यहां ब्रिगेड परेड मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली से पहले भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष एवं अन्य ने मिथुन चक्रवर्ती का पार्टी में स्वागत किया। घोष ने चक्रवर्ती को पार्टी का झंडा सौंपा। इसके बाद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता ने कहा कि वह हमेशा से वंचितों के (शेष पेज 9)

ममता का पलटवार, मोदी-शाह को सबसे बड़ा तोलाबाज बताया

पायनियर समाचार सेवा । सिलीगुड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नए सिरे से मोर्चा खोलते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह सबसे बड़े लुटेरे हैं और जानना चाहा कि किस तरह सार्वजनिक उपक्रम के विनिवेश के माध्यम से धन जुटाया गया। एलपीजी मूल्य में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन मार्च के बाद यहां एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि मोदी-शाह के शासनकाल में एक सिंडिकेट फल-फूल रहा है और उनकी देखरेख में धन का हेरफेर हो रहा है।

कोलकाता में एक रैली के दौरान वास्तविक बदलाव के मोदी के बयान पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, परिवर्तन दिल्ली में होगा, बंगाल में नहीं। प्रधानमंत्री पर राज्य में मतदाताओं को गुमराह करने के लिए झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपए क्यों नहीं जमा किए, जैसा कि उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों से पहले वादा किया था। बनर्जी ने पूछा, रेल, एअर इंडिया और कोल इंडिया लिमिटेड को बेचकर कितना धन इकट्ठा किया गया? पूरा देश मोदी-शाह सिंडिकेट के बारे में जानता है। वह भाजपा के इन आरोपों का जवाब दे रही थीं कि उनके शासन में राज्य में कट मनी की संस्कृति को संस्थागत रूप दिया गया है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में पूरी दुनिया में कमी आई है लेकिन भारत में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इतने वर्षों में कई खोखले वादे किए और लोगों को अब उन पर विश्वास नहीं है। बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा, आपने कई खोखले वादे किए हैं। लोग हमेशा आपके झूठ को स्वीकार नहीं करेंगे। हम मांग करते हैं कि आप एलपीजी सिलेंडर देश के हर नागरिक के लिए सस्ता करिए। आपने एलपीजी सिलेंडर आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है। ममता ने राज्य में अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। टीएमसी के खेला होबे नारे पर मोदी द्वारा कटाक्ष किए जाने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, इसका मतलब है कि हम आपकी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। और हम हैं... चुनावों से पहले खेल होगा। मैं आमने-सामने चर्चा के लिए तैयार हूं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मोदी को झूठ बोलने की अपनी आदत पर शर्मिंदा होना चाहिए। उन्होंने कहा, वह बंगला में भाषण देते हैं जबकि स्क्रिप्ट हमेशा गुजराती में लिखा होता है और उनके सामने पारदर्शी शीशे के अंदर रखा होता है। वह बहाना करते हैं कि वह अच्छी तरह बांग्ला भाषा जानते हैं। उन्होंने कहा, आपकी पार्टी ने विद्यासागर की प्रतिमा तोड़ी। आपकी पार्टी ने बिरसा मुंडा का अपमान किया। आपकी पार्टी ने गलत तरीके से कहा कि रबिंद्रनाथ टैगोर का जन्म शांतिनिकेतन में हुआ।

सिलीगुड़ी में एलपीजी मूल्यवृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन मार्च को संबोधित करतीं ममता बनर्जी

मवेशी तस्करी मामला
सीबीआई ने बंगाल के दो अफसरों को किया तलब

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

विधानसभा चुनावों की सरगर्मियों के बीच पश्चिम बंगाल में सीमा पार से अवैध पशु तस्करी के एक मामले में सीबीआई ने दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को नोटिस भेजा है। सूत्रों ने कहा कि डीआईजी रैंक के आईपीएस अधिकारी कल्लोल गनाई और एसपी रैंक के अधिकारी अंशुमान साहा से जांच एजेंसी सोमवार को कोलकाता स्थित में अपने कार्यालय में पूछताछ करेगी। गनाई पहले मुर्शिदाबाद रेंज के डीआईजी के रूप में तैनात थे, जबकि साहा मुर्शिदाबाद जिले के एडिशनल एसपी थे; यहीं कथित सरगना मोहम्मद इनामुल हक अवैध पशु व्यापार को चलाता था। सीबीआई ने पिछले साल 21 सितंबर को चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इनमें कुछ सीमा सुरक्षा बल और सीमा शुल्क अधिकारी भी शामिल थे। आरोप है कि इन अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय मवेशी तस्करों ने कथित रूप से रिश्वत दी थी, ताकि वे उनके पशुओं को (शेष पेज 9)

भारत में विकसित किए गए कोरोना के टीके ने दुनिया को महामारी से बचाया

● शीर्ष अमेरिकी वैज्ञानिक ने कहा

भाषा । ह्यूस्टन

दुनिया के शीर्ष संस्थानों के साथ मिलकर भारत में निर्मित कोविड-19 के टीके ने दुनिया को खतरनाक महामारी से बचाया है और देश के योगदान को कमतर नहीं समझा जाना चाहिए। यह बात अमेरिका के एक शीर्ष वैज्ञानिक ने कही।

महामारी के दौरान दवा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव एवं ज्ञान के कारण भारत को फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड कहा गया। दुनिया में सबसे बड़ा दवा निर्माता देश भारत है और ज्यादा संख्या में देशों ने कोरोना वायरस का टीका खरीदने के लिए इससे संपर्क किया है। ह्यूस्टन में बायलोर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के नेशनल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन के डीन डॉ. पीटर होटेज ने हाल में एक वेबिनार के दौरान कहा कि एमआरएनए के दो टीकों का दुनिया के कम एवं मध्यम आय वाले देशों पर प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन भारत के टीके ने दुनिया को बचाया है और इसके योगदान को कमतर नहीं समझा जाना चाहिए। वेबिनार कोविड-19 : वैक्सीनेशन एंड पोटेंशियल रिटर्न टू नॉर्मल्सी - इफ एंड व्हेन में डॉ. होटेज ने कहा कि कोविड-19 के टीके का विकास वायरस से लड़ने में दुनिया को भारत का तोहफा है।

जनवरी के बाद पहली बार 18 हजार के पार कोरोना मामले

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

● महाराष्ट्र, केरल, पंजाब और गुजरात समेत छह राज्यों से 84.71 फीसदी केस

देश में लगातार दूसरे दिन कोरोना वायरस संक्रमण के 18,000 से अधिक नए मामले सामने आए और इसी के साथ अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,12,10,799 हो गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक महाराष्ट्र, केरल, पंजाब और गुजरात सहित छह राज्यों में कोविड-19 के रोजाना नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि 18,711 नए मामलों में से 84.71 फीसदी मामले इन्हीं राज्यों से हैं। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 10,187 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद केरल में 2791 मामले जबकि पंजाब में 1159 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार उन राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के संपर्क में है जहां कोरोना वायरस के उपाचाराधीन मरीजों की संख्या ज्यादा है और जहां कोविड-19 के नए मामले बढ़ रहे हैं। इसने महाराष्ट्र और पंजाब में उच्चस्तरीय टीम तैनात की है जहां रोजाना नए मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। कोविड-19 के रोजाना मामले जिन अन्य राज्यों में बढ़ रहे हैं उनमें कर्नाटक और तमिलनाडु भी हैं।

मंत्रालय ने बताया कि रोजाना नए मामलों में आठ राज्यों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मंत्रालय के मुताबिक उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार पांचवें दिन बढ़ोतरी देखी गई है और देश में अभी l,84,523 लोगों का इलाज चल रहा है जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.65 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि संक्रमित हुए लोगों के स्वस्थ होने की दर गिरकर 96.95 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 18,711 नए मामले सामने आए तथा 100 और लोगों की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,57,756 हो गई। इससे पहले, 29 जनवरी को संक्रमण के नए मामलों की संख्या 18,855 थी। देश में संक्रमित हुए 1,08,68,520 लोग स्वस्थ हो चुके हैं, यानी देश में संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर 96.95 प्रतिशत है, जबकि मृत्युदर 1.41 प्रतिशत बनी हुई है।

देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख और 19 दिसम्बर को एक करोड़ के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में छह मार्च तक 22,14,30,507 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है। इनमें से 7,37,830 नमूनों (शेष पेज 9)

कांग्रेस का द्रमुक से समझौता 25 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

चेन्नई में समझौता पत्र के साथ डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केएस अलागिरी।

कुमार चेलप्पन । चेन्नई

● कन्याकुमारी लोकसभा सीट भी मिली, जहां होना है उपचुनाव

तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कई दिन की रस्साकशी के बाद आखिरकार रविवार को कांग्रेस और डीएमके के बीच सीटों को लेकर समझौता हो गया।

डीएमके जहां राज्य की 234 में से 180 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, वहीं कांग्रेस 25 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेता दिनेश गुंडू राव की उपस्थिति में डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केएस अलागिरी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

दिनेश गुंडू राव ने कहा कि दोनों दलों के बीच विधानसभा सीटों का बंटवारा हो गया है। साथ ही कांग्रेस कन्याकुमारी लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	50,405	
निफ्टी	14,938	
सोना	43,887	/10g
चांदी	64,805	/kg

क्विक न्यूज

श्रीलंका की तीन नौकाएं पकड़ी गईं, मादक पदार्थ जब्त

तिरुवनंतपुरम। भारतीय तटरक्षक बल ने लक्षद्वीप के मिनीकोय द्वीप के निकट अनधिकृत संचार उपकरण और नशीले पदार्थ ला रही तीन श्रीलंकाई नौकाओं को पकड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस घटना के बाद संबंधित एजेंसियों ने संयुक्त और विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि तीन नौकाओं में कुल 19 लोग सवार थे। तटरक्षक बल के पोत वराह ने पांच मार्च को मिनीकॉय से सात नॉटीकल मील दूर संदिग्ध रूप से घूमते हुए इन्हें पकड़ लिया। इन नावों को जांच के लिए तिरुवनंतपुरम के विझिनजाम लाया गया। उन्होंने कहा कि जब्त नौकाओं के एक कैप्टन ने पाकिस्तानी नौका से 200 किलोग्राम हेरोइन और 60 किलोग्राम हशीश प्राप्त होने की बात स्वीकार की। ए सभी पदार्थ पांच थैलियों में पैक थे।

सीमा पर शत्रु की प्रत्येक गतिविधि पर रहेगी दृष्टि

● भारत की 28 मार्च को पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण करने की योजना

पायनियर समाचार सेवा । बेंगलुरु

भारत की 28 मार्च को एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण करने की योजना है जो उसे अपनी सीमाओं की वास्तविक समय की तस्वीरों को उपलब्ध कराएगा और इससे प्राकृतिक आपदाओं की त्वरित निगरानी भी की जा सकेगी। जीसैट-1 आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केन्द्र से जीएसएलवी-एफ 10 के जरिए प्रक्षेपित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि हम 28 मार्च को इस जियो इमेजिंग उपग्रह को प्रक्षेपित करना चाहते हैं, हालांकि यह मौसम की स्थितियों पर निर्भर करेगा। यह उपग्रह 36,000 किलोमीटर की ऊंचाई वाली कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

जीएसएलवी-एफ 10 के जरिए जीसैट-1 का प्रक्षेपण तकनीकी कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया है। इसका प्रक्षेपण पिछले साल पांच मार्च को होने वाला था। अंतरिक्ष विभाग के एक अधिकारी ने कहा, यह भारत के (शेष पेज 9)

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से आरंभ होगा। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चल रहे प्रचार के बीच यह चरण महीने भर चलेगा। सत्र के दूसरे चरण में सरकार का ध्यान मुख्य रूप से वित्त विधेयक और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान की अनेक अनुपूरक मांगों को पारित कराने पर होगा। इन अनिवार्य एजेंडा के अलावा, सरकार ने इस सत्र में कई विधेयकों को भी पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया है। इस सत्र का समापन आठ अप्रैल को होगा। सरकार ने जिन विधेयकों को सूचीबद्ध किया है उनमें पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, राष्ट्रीय वित्त पोषण अवसंरचना और विकास बैंक विधेयक, विद्युत (संशोधन) विधेयक, क्रिप्टो करेंसी एवं आधिकारिक (शेष पेज 9)

घाटी में स्टिकी बम पहुंचने की आशंका, सुरक्षा बल सतर्क

● नए सिरे तैयार कर रहे हैं एसओपी, लोगों को वाहनों को लावारिस न छोड़ने की हिदायत

पायनियर समाचार सेवा । श्रीनगर

सुरक्षा बलों को संदेह है कि स्टिकी बम घाटी में आ चुके हैं और उन्होंने इसी आशंका के चलते अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को नए सिरे से तैयार करना शुरू कर दिया है। सुरक्षा बलों ने साथ ही आम जनता को सलाह दी है कि वे अपने वाहनों को लावारिस न छोड़ें।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले महीने के बीच में हथियारों की एक खेप बरामद की थी जिसमें एक आईईडी शामिल था जिसके भीतर एक चुंबक लगा हुआ था जिसे किसी भी वाहन पर लगाया जा सकता था और टाइमर या रिमोट की मदद से विस्फोट किया जा सकता था। चुंबक वाले आईईडी या स्टिकी बम या चिपकाए जाने वाले आईईडी का सबसे अधिक इस्तेमाल युद्ध-प्रभावित अफगानिस्तान में किया गया है। अफगानिस्तान में तालिबान ने इन बमों का इस्तेमाल अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के खिलाफ किया है। वहीं इराक और सीरिया में आईएस के आतंकवादियों ने इसका इस्तेमाल सरकारी बलों के खिलाफ किया है।

इन बमों को पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों द्वारा ड्रोन की मदद से गिराया गया था। इन बमों को 14 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे जम्मू क्षेत्र के सांबा सेक्टर में बरामद किया गया था। इसकी बरामदगी के तत्काल बाद सीमा पार से सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें इसके उपयोग और इसमें विस्फोट करने के तरीके के बारे में निर्देश दिए गए थे। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को फिर से तैयार करने का प्रयास शुरू किया। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने, स्टिकी बम की बरामदगी के बाद से आम लोगों से अपील की है कि वे अपने वाहन को लावारिस नहीं छोड़ें।

भारत में, स्टिकी बम का इस्तेमाल संदिग्ध ईरानी आतंकवादियों द्वारा फरवरी 2012 में एक इजरायली राजनयिक की पत्नी को निशाना बनाने के लिए किया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब करीब दो साल पहले जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी ने विस्फोटक से भरे वाहन को सुरक्षाबलों की एक बस से टकरा दिया था जिसमें हुए विस्फोट में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। इसके जवाब में, भारत ने सीमा पार स्थित आतंकवादी शिविरों पर हवाई हमले किए थे।

प्रतीकात्मक फोटो

एनडीआरएफ की महिला विंग ने दिखाए हैरतअंगेज कारनामे

● अग्रिम मोर्चे पर भी रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान देंगी अपनी सेवाएं

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इस वर्ष महिला दिवस एनडीआरएफ से जुड़ी महिलाओं के लिए बेहद खास होगा। इसी को लेकर शनिवार को उन्होंने गाजियाबाद में दांतो तले उंगली दबा देने वाले करतब दिखाए। अब तक एनडीआरएफ में तैनात महिलाएं सिर्फ दफ्तरी काम या मेडिकल कार्य देखती थी। लेकिन अब यह अग्रिम मोर्चे पर तैनात रहकर लोगों की जान भी बचाएंगी। इसको लेकर एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन में महिलाओं के सम्मान में 'हमारा देश हमारे जवान' नामक ट्रस्ट द्वारा केक भी काटा गया और महिला दिवस मनाया गया।

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर करतब दिखातीं एनडीआरएफ की महिला जवान।

बेशक महिला दिवस 8 तारीख का है लेकिन गाजियाबाद में एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन में यह रविवार को ही सेलिब्रेट किया। इसको सेलिब्रेट करने का कारण भी बेहद बड़ा था। अब तक आपने देखा होगा कि कहीं भी आई आपदा में एनडीआरएफ के जवान बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और लोगों की जान बचाते हैं उनकी तत्परता के चलते कई लोगों की जान बची है और काफी नुकसान होने से भी बचा है। अब तक एनडीआरएफ में तैनात महिलाएं सिर्फ दफ्तरी कार्य देखती थी या मेडिकल कार्य में थी लेकिन इस महिला दिवस से एनडीआरएफ में तैनात महिलाएं अग्रिम मोर्चे पर रहेंगी और रेस्क्यू कार्य में भी हाथ बटाएंगी।

एनडीआरएफ की महिला टुकड़ी भी अब एकदम तैयार है उन्हें आज बेहद रोमांच महसूस हुआ। इस खुशी के मौके को साझा करने वहां 'हमारा देश हमारे जवान' नामक संस्था की कुछ महिलाएं भी पहुंची वहां उन्होंने सभी को केक और लड्डू खिलाकर उनको बधाई दी और एनडीआरएफ की महिला जांबाजों को महिला दिवस की बधाई दी। यहां एनडीआरएफ की महिला टुकड़ी ने जो करतब दिखाए, उससे सभी ने दांतो तले उंगली दबा ली और एनडीआरएफ की जांबाज महिलाओं की यही क्षमता यह दर्शा भी रही है कि महिलाएं किसी भी सूरत में पुरुषों से पीछे नहीं है।

सेफ सिटी योजना के तहत महिला सुरक्षा के लिए बनाई रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन ने रणनीति तैयार कर ली है। इसी कड़ी में पुलिस प्रशासन ने जिले के 83 संवेदनशील स्थानों का चयन किया है। जिन पर पिंक बूथ या पिंक आउटपोस्ट की स्थापना की जाएगी ताकि महिला संबंधी अपराधों पर तुरंत अंकुश लगाया जा सके। इसके अलावा पिंक पेट्रोलिंग के लिए 30 दोपहिया वाहन तथा जनपद में 21 थानों के लिए अलग से 42 यूवी वाहन की मांग भी शासन से की गई है।

यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि जिले में कुल 301 स्थानों का चयन भी किया गया है। इन स्थानों को डार्क जोन की संज्ञा दी गई है। यहां प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए नगर निगम, नगर पालिका और विद्युत विभाग को पत्र लिखकर उचित प्रकाश व्यवस्था की मांग की जा रही है। उन्होंने बताया कि शहर के 168 सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। कैमरे स्थापित होने के बाद इनकी मॉनिटरिंग हेतु एक इंटीग्रेटेड स्मार्ट कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

एसएसपी-कलानिधि नैथानी

पुलिस कप्तान ने बताया कि गाजियाबाद देश की राजधानी दिल्ली से सटा हुआ है और यहां अपराधिक घटनाएं भी तेजी के साथ घटित होती है। इसलिए उत्तर प्रदेश शासन के आदेश पर गाजियाबाद को सेफ सिटी का दर्जा दिलाने के लिए यह सभी कदम उठाए गए हैं।

कलाकृतियां उकेरकर दिया स्वच्छता का संदेश

विलोपित कूड़ाघरों की दीवारों पर स्कूली बच्चों ने बनाई सुंदर पेटिंग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देश की राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद को साफ सुथरा और सुंदर बनाने के लिए अब स्कूली बच्चे भी आगे आ गए हैं। हिंडन पार क्षेत्र की दर्जनभर कॉलोनियों में जहां पहले बड़े पैमाने पर कूड़ा घर थे। अब उन्हें नगर निगम ने कूड़े से विलोपित कर दिया है। पिछले कई वर्षों से इन कूड़े के ढेरों से स्थानीय निवासी परेशान थे, लेकिन अब इन विलोपित कूड़ा स्थलों पर स्कूली बच्चे यहां की दीवारों पर मनमोहक कलाकृतियां बना रहे हैं।

खास बात यह है कि हिंडन पार क्षेत्र की सूर्य नगर, चंद्रनगर, झंडापुर, रामपुरी, मकनपुर करहैड़ा , अर्थला, भोवापुर, मेन एंट्री प्रहलाद गढ़ी से कई अन्य स्थानों से वसुंधरा जोन से कूड़ा घर विलोपित किए गए हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि विलोपित कूड़ा घरों की दीवारों पर कॉलोनियों के निवासियों, आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों तथा निगम कर्मचारियों ने स्कूली बच्चों के साथ रविवार को दीवारों पर पेंटिंग बनाई और लोगों को सफाई का संदेश दिया।

विलोपित कूड़ाघर की दीवार पर कलाकृतियां बनाते स्कूली बच्चे।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कई स्थानों पर नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तवर ने बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए खुद कूची उठाकर दीवारों पर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों को उकेरा।

महिलाओं के लिए मुफ्त ई-रिक्शा सेवा

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोमवार को एक कंपनी गाजियाबाद में दो मेट्रो स्टेशन पर महिला यात्रियों को मुफ्त ई-रिक्शा सेवाएं प्रदान करेगी। ई-रिक्शा निर्माण कंपनी ओम बालाजी ऑटोमोबाइल इंडिया के मालिक विकास देशवार ने कहा कि मोहन नगर और मेजर मोहित शर्मा राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशनों पर 20 ई-रिक्शा उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने एक बयान में कहा, कोई भी देश महिलाओं के योगदान के बिना प्रगति के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। आज हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। देश के लिए महिलाओं का योगदान अतुलनीय है।

फ्लैट खरीदारों के लिए बनेगा स्पेशल फोरम : मुख्य सचिव

जनपद के बड़े पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक और प्राधिकरण अफसर निपटाएंगे मामले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी ने कहा है कि फ्लैट खरीदारों की समस्याओं का समाधान करने के लिए एक फोरम गठित किया जाए। जिसमें प्राधिकरण के अलावा जिला पुलिस और प्रशासन के अधिकारी शामिल होने चाहिए। फोरम के अधिकारी बिल्डर-खरीदारों के साथ बैठक करके समस्याओं को चिन्हित करेंगे और समाधान कराएंगे।

सेक्टर-6 इंदिरा गांधी कला केंद्र में फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री के विषय पर आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि जिन परियोजनाओं में जमा पैसों के अनुपात में रजिस्ट्री की अनुमति मिल गई है, उन सोसाइटी में शिविर लगाकर रजिस्ट्री करवाई जाए। बिल्डर-खरीदारों से संबंधित ऐसे बिंदुओं की सूची बनाई जाए जिनका निस्तारण प्राधिकरण और शासन स्तर से किया जाना है।

उन्होंने कहा कि लोगों के साथ संवाद के लिए वर्चुअल संवाद पोर्टल जैसी व्यवस्था विकसित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी समस्याओं के समाधान चरणबद्ध तरीके से निर्धारित समय-सीमा में किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि नोएडा को वर्ल्ड क्लास सिटी और ईज ऑफ लिविंग जीवन जीने की आसानी मामले में सबसे बेहतर शहर बनाएंगे। प्राधिकरण, प्रशासन और पुलिस की मदद से लोगों को हर बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इसको लेकर उन्होंने लोगों से सुझाव और मदद भी मांगी।

आम्रपाली न बन जाएं कहीं बंद पड़ी परियोजनाएं

खरीदारों की संस्था नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा कि कई परियोजनाओं में सालों से काम बंद है। कहीं यह दूसरा आम्रपाली न बन जाएं। आम्रपाली मामले की दर्जन भर से अधिक परियोजनाओं में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। बंद पड़ी परियोजनाओं के खिलाफआवाज उठाने पर खरीदारों के खिलाफदूसरे राज्यों में एफआईआर हो रही हैं। ऐसे में सरकार को सख्ती करनी चाहिए। नेफोमा की महासचिव रश्मि पांडेय ने कहा कि फ्लैट के कवर्ड एरिया को सर्टिफाईकर उस पर रजिस्ट्री कराई जानी चाहिए। इससे खरीदारों को 25 प्रतिशत तक स्टांप ड्यूटी कम देनी पड़ेगी। नेफोवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि रेरा के आदेशों का बिल्डर पालन नहीं कर रहे हैं। आदेश के बावजूद तय समय में बिल्डर कब्जा नहीं दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कथा संवाद कार्यक्रम में रचना सुनाती लेखिकाएं।

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कथा संवाद आयोजित

गाजियाबाद। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कथा संवाद में महिला कथाकारों की रचनाएं मील का पत्थर साबित हुई। आयोजन को संबोधित करते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष आलोक यादव ने कहा कि गल्प, कथा, किस्सा, कहानी मानव सभ्यता की पुरातन विरासतों में से एक हैं। कथा कहानी आज भी समाज में गहरे तक पैठ बनाए है। नेहरू नगर स्थित सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में आयोजित मीडिया 360 लिटरेरी फाउंडेशन के 'कथा संवाद' में बतौर अध्यक्ष बोलते हुए यादव ने कहा कि यह जरूरी नहीं कि कहानी हर बार समाज का आईना ही नजर आए। यह भविष्य की चुनौतियों को भी सामने रख सकती है और सामाजिक जटिलताओं से मुक्ति का मार्ग भी दिखाती है।

सेक्टर-34 के केबी-4 पार्क में ओपन जिम का फीता काटकर उद्घाटन करते सांसद महेश शर्मा व विधायक पंकज सिंह।

सेक्टरवासियों को मिला ओपन जिम का तोहफा

नोएडा। शहरवासियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए प्राधिकरण अलग-अलग सेक्टरों में ओपन जिम खोल रहा है। शनिवार शाम नोएडा के विधायक पंकज सिंह और सांसद डॉ महेश शर्मा ने सेक्टर 34 के बी-4 पार्क में ओपन जिम का उद्घाटन किया। इस दौरान इंदु प्रकाश सिंह, योगेंद्र शर्मा, केके जैन, धर्मेन्द्र शर्मा, देवेंद्र कुमार, पवन शर्मा और एसपी चमोली आदि उपस्थित रहे। डॉ महेश शर्मा ने बताया कि इस ओपन जिम में 15 उपकरण लगाए गए हैं। जिसमें टहलने के लिए वॉकर, सेटअप बेंच, एयर स्वग, स्टेयर स्टेपर, लेग प्रेस, पुल अप समेत कई उपकरण लगाए गए हैं। इस जिम में व्यायाम करने वाले लोगों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। जिस कंपनी द्वारा जिम बनाने के साथ उपकरण लगाने का कार्य किया गया है, ओपन जिम की पांच वर्ष तक रखरखाव और देखरेख की पूरी जिम्मेदारी भी कंपनी की ही होगी।

पुरुषों ने निभाई जिम्मेदारी, 11 ने कराई नसबंदी

गाजियाबाद। नसबंदी के मामले में अक्सर पीछे रहने वाले पुरुष भी अब अपनी जिम्मेदारी का अहसास करने लगे हैं। दो दिन में जनपद में हुईं 11 एनएसवी (पुरुष नसबंदी) कुछ ऐसा ही संदेश दे रही हैं। जनपद के एकमात्र एनएसवी स्पेशलिस्ट डा. जीपी मथूरिया ने यह नसबंदी की हैं। बता दें कि डा. मथूरिया एनएसवी के लिए तीन बार स्टेट अवार्ड जीत चुके हैं और उनकी गिनती देश में सबसे ज्यादा एनएसवी करने वाले सर्जनों में होती है। डा. मथूरिया का कहना है कि एनएसवी एक मामूली सी शल्य क्रिया है। इससे डरने की जरूरत नहीं है। एनएसवी कराने वाले पुरुष को बहुत ज्यादा दर्द होता हो, ऐसी भी कोई बात नहीं है। लोगों में एनएसवी को लेकर यह भ्रम है कि इसे कराने के बाद शारीरिक कमजोरी आ जाती है, यह बात बिल्कुल निराधार है।

संस्था ने चलाई पॉलीथिन हटाओ मुहिम

नोएडा। नारी प्रगति संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सेक्टर-51 होशियारपुर में पॉलीथिन मुक्त अभियान चलाया गया है। जिसमें पॉलीथिन हटाओ, कपड़े के थैले लाओ और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाओ का संदेश दिया गया है। संस्था की उपाध्यक्ष नीशू गुप्ता ने बताया कि इस अभियान में नोएडा अथॉरिटी के एससी मिश्रा डीजीएम पब्लिक हेल्थ ने भी लोगों को कपड़े के थैले बाटकर उन्हें पोलीथीन के दुष्परिणाम बताते हुए इस्तेमाल नहीं करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कूड़े का ढेर हटाने के लिए जीडीए ने दिए 50 लाख

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कॉलोनी से कूड़े के ढेर को हटाने के लिए पूरा पैसा करीब साढ़े तीन करोड़ रुपया जीडीए देगा। प्राधिकरण ने इसकी पहली किश्त के तौर पर निगम को पचास लाख रुपया भेज दिया है। इसके साथ ही कूड़े का बायोरेमेडिएशन करना और भी तेज होने की संभावना है।

एनजीटी ने एक केस की सुनवाई के दौरान कूड़े के ढेर को हटाने का आदेश निगम को दिया था। शर्त लगाई थी कि इसके लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया निगम को पूरी करनी है। इस पर आने वाले खर्च की भरपाई जीडीए को करने के निर्देश दिए थे। निगम के चीफ इंजीनियर मोइनुद्दीन खां के मुताबिक निगम कूड़े के ढेर का निस्तारण करने की शुरूआत पहले ही कर चुका है। इस पर करीब तीन करोड़ पांच लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। कंपनी ने हाल ही में निगम से पैसे की डिमांड की थी। उनका कहना है कि जीडीए ने इसके लिए पचास लाख रुपये रिलीज कर दिए हैं बाकी पैसा जीडीए बाद में रिलीज करेगा।

लूटपाट करने वाले गिरोह का सरगना साथी समेत धरा गया

● लिफ्ट देने के बहाने करते थे वारदात

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने शुक्रवार देर रात लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले एक गिरोह का खुलासा किया है। इस गैंग के सरगना सहित तीन लूटेरों को गिरफ्तार किया है।

थाना एक्सप्रेसवे पुलिस सेक्टर-168 के छपरौली गोल चक्कर के पास अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को तीन बदमाशों का पता चला तभी उन्हें दबोच लिया। ये तीनों लोगों को लिफ्ट देने के बहाने लूट लेते थे। एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि ये गैंग नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर लोगों को लिफ्ट देकर उन्हें लूट लेते थे। इस गिरोह के बदमाश एक्सप्रेसवे पर खास जगह से लोगों को लिफ्ट देते थे, जहां सवारी गाड़ियों का इंतजार करती है। गाड़ी में इनके 2-3 लोग पहले से मौजूद रहते है। लिफ्ट देने के बाद ये एक्सप्रेसवे पर सुनसान जगह पर गाड़ी में बैठे व्यक्ति से लूट किया करते थे और फरार हो जाते थे।

प्रदूषण से निजात के लिए लगाए जाएं पेड़

मांग को लेकर विधायक से मिले सेक्टरवासी, दिया आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर 76, 77, 78 और इनसे सटे सेक्टर के निवासियों ने नोएडा प्राधिकरण से करीब 69 एकड़ खाली जमीन में घने पेड़ लगाने की मांग की है। इस संबंध मे निवासियों ने विधायक पंकज सिंह से भी मुलाकात कर उन्हें अपनी मांगों से अवगत कराया है। अधिकारियों और विधायक ने लोगों की मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

दिल्ली-एनसीआर, खासकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण के बढ़ते खतरे के लिहाज से भी यह मांग बेहद अहम है। क्योंकि 69 एकड़ में फैले जंगल से वायु की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा। साथ ही इस जमीन पर अवैध अतिक्रमण का खतरा समाप्त हो जाएगा। शहर के सेक्टर-74, 75, 76, 77, 77, 78 और दूसरे सेक्टर के निवासियों के सामाजिक समूह प्रोग्रेसिव कम्यूनिटी फाउंडेशन के सदस्यों ने इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण को एक ज्ञापन दिया है।

इस संगठन के सदस्य अमित गुप्ता ने कहा, हमने नोएडा अथॉरिटी को एक पत्र सौंपा है। इसमें हमने सोसायटी में खाली पड़ी जमीनों पर घने पेड़ लगाने की मांग की है ताकि, लोग इसका फायदा उठा सकें। उन्होंने बताया कि हमने नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारियों और विधायक पंकज सिंह को अपनी मांगों से अवगत करा दिया है।

बताते चलें कि नोएडा की 7एक्स सोसायटी शहर की विकसित की जा रही सोसाइटी में से हैं। इस क्षेत्र में दर्जनों हाउसिंग सोसायटी हैं। हालांकि पार्क और पेड़ के नाम पर निवासियों को कुछ खास सुविधा नहीं है। इसलिए लोग अपने आसपास के खाली जगहों में ज्यादा संख्या में पेड़ लगाने की मांग कर रहे हैं।

ज्योतिष के नाम पर धोखाधड़ी, 7 गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद थाने की पुलिस ने रविवार को राजेंद्रनगर से सात ऐसे ठगों को गिरफ्तार किया है जो लोगों से ज्योतिष के नाम पर ठगी करते थे। यह लोग ओम नम: शिवाय वैदिक ज्योतिष केंद्र के नाम पर लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें धार्मिक बात करके सम्मोहन कर फीस के नाम पर रुपए ठग लेते थे। उनका भविष्य अच्छा बनाने के नाम पर धार्मिक अनुष्ठान करने के नाम पर भी ये लोगों का बेवकूफ बनाते थे।

साहिबाबाद थाना प्रभारी विष्णु कौशिक ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्त बिहार राज्य के रहने वाले हैं। इनके नाम शैलेश कुमार, संदीप यादव, पिंटू कुमार प्रसाद, आशीष कुमार, विजय कुमार, रंजन कुमार सिंह व अमित कुमार हैं।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी और बरामद सामान।

उन्होंने बताया कि इन लोगों के कब्जे से तीन सीपीयू,18 मॉनिटर, 11 कीबोर्ड , 9 माउस और 13 फोन रिसीवर के अलावा ग्राहक डाटा पता करने व फीस वसूलने सम्बन्धी प्रपत्र बरामद किए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि ये लोग बाहर से आने वाली कॉल रिसीव करते थे और फोन करने वाले लोगों को सम्मोहित कर लेते थे।

पांच हजार कर्मचारियों को दूसरे विभागों में भेजेगा जल निगम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जल निगम से करीब पांच हजार फील्ड कर्मचारियों की छुट्टी होने वाली है। पैसे की तंगी से परेशान चल रहे जल निगम से इन कर्मचारियों को हटाकर दो विभागों में भेजने की योजना है। इस संबंध में प्रबंध निदेशक अनिल कुमार की ओर से एक पत्र भी जारी किया गया है।

पत्र में प्रबंध निदेशक ने बताया कि जल निगम में काफी ऐसे कर्मचारी हैं जो फील्ड में कार्य करते है। इन सब कर्मचारियों को संबंधित एरिया के नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत या पंचायती राज विभाग में भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जल निगम के मुताबिक पूरे प्रदेश में विभाग में करीब पांच हजार के आसपास ऐसे कर्मचारी हैं जो फील्ड में तैनात हैं।

यह जल निगम की अलग-अलग डिविजन में तैनात है। इन सब कर्मचारियों के कारण जल निगम को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

ढिलाई बरतने पर दारोगा समेत तीन लाइन हाजिर

नोएडा। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने एक दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। नोएडा के एलिवेटेड रोड से सेक्टर-71 की तरफ जाने वाली सड़क पर अक्सर जाम की समस्या बनी रहती है। इन तीनों पुलिस कर्मियों पर काम में ढिलाई का आरोप लगा है।

शनिवार की शाम एलिवेटेड रोड पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। सेक्टर-60 चौराहे से होते हुए सेक्टर-71 रोड़ की तरफ ट्रैफिक कई घंटे बाधित रहा। इसका संज्ञान लेते हुए कमिश्नरेट ने चौकी मामूरा पर नियुक्त दरोगा जितेंद्र त्रिपाठी, कॉन्स्टेबल राहुल कुमार और रूपक कुमार को लाइन हाजिर कर दिया।

नोएडा की कंपनी में रोबोट ही बनाएंगे रोबोट

किया दावा-ये घरों और कारखानों में भी करेंगे काम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में रोबोट बनाने वाली कंपनी ने निर्माण शुरू कर दिया है। यह रोबोट घरों, कंपनियों और कारखानों में काम करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल मशीनों से लैस, कंपनी का दावा है कि यह एक तरह का एक विनिर्माण हब है जो 450 मजबूत कार्यबल को रोजगार देगा। इस कंपनी की एक और खासियत यह है कि यहां रोबोट बनाने का काम रोबोट ही करेंगे।

रोबोटिक कंपनी ने अपनी पहली विनिर्माण इकाई शुरू की है। कंपनी कारखानों और गोदामों में रोबोट और स्वचालन समाधान तैयार करती है। करीब 2.5 एकड़ भूमि में फैली इस नई विनिर्माण इकाई में एक वर्ष में 5,000 से अधिक विभिन्न प्रकार के रोबोटों की विनिर्माण क्षमता है। इस नए कारखाने में सभी प्रकार के रोबोट निर्मित किए जाएंगे। इसमें सॉर्टेशन रोबोट और डायनेमो रोबोट शामिल हैं, जो परिवहन रोबोट हैं। बॉट, पैलेट शटर और कार्टन शटल का निर्माण किया जाएगा। कंपनी के सीईओ ने कहा, यह सुविधा एक अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा है, जहां हम अपने स्वयं के रोबोट का उपयोग अधिक रोबोट बनाने के लिए करेंगे। उन्होंने बताया कि जिन उत्पादों का जो हम उत्पादन करते हैं, इन्हें डिजिटल जुड़वां कह सकते हैं। यह एक आभासी प्रतिलिपि होगी, जिसे संग्रहीत किया जाएगा और जब निर्माण प्रगति होगी, यह आभासी प्रतिलिपि भौतिक प्रणाली में परिवर्तित हो जाती है। जब यह ग्राहक के पास जाता है, तो हम यह सुनिश्चित करने के लिए डेटा भी लेते रहते हैं कि हमारे उत्पाद हमारे ग्राहकों की जगह पर मजबूती से चलते रहें।

उन्होंने आगे कहा, हम एक बहु-विषयक इंजीनियरिंग कंपनी हैं, इसलिए हमारे पास मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर विजन, आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और एम्बेडेड सिस्टम इंजीनियर हैं। इसलिए यह कॉलेज जैसा है, लेकिन एक कॉलेज जो वास्तव में उत्पाद बनाता है। जो हमारे ग्राहक के लिए उपयोगी है। उन्होंने बताया कि कंपनी की दूसरी मंजिल पर रिसर्च एंड डेवलपमेंट शाखा है, जहां हमारे रोबोट को चलाने के लिए विभिन्न प्रकार कि सुविधाएं हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल मशीनों से लैस कंपनी का दावा है कि यह एक तरह का विनिर्माण हब है, जो 450 मजबूत कार्यबल को रोजगार देगा।

चालक रहित पॉड टैक्सी चलाने पर हो रहा विचार : धीरेंद्र सिंह

● जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आवागमन होगा सुगम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में बनने जा रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रियों के आवागमन के लिए चालक रहित व्यक्तिगत त्वरित परिवहन (पीआरटी) या पॉड टैक्सी चलाने पर विचार किया जा रहा है। जेवर से विधायक धीरेन्द्र सिंह ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक वाली पॉड टैक्सी का कई पश्चिमी देशों में इस्तेमाल किया जाता है और यह किफायती, पर्यावरण के अनुकूल तथा सुविधाजनक होती हैं। एक दिन पहले सिंह ने पॉड टैक्सी चलाने वाली कंपनी अल्ट्रा पीआरटी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि जेवर से ग्रेटर नोएडा के बीच टैक्सी पॉड चलाने के विचार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत करा दिया गया है।

सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री भविष्योन्मुखी परिवहन माध्यमों के इस्तेमाल पर जोर दे रहे हैं और इस मार्ग पर टैक्सी पॉड चलाना मेट्रो के मुकाबले अधिक व्यावहारिक है क्योंकि यह पर्यावरण के अनुकूल है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मार्च, 2021

ये है हौसले की उड़ान...

*अपने वजूद को लेकर महिलाओं का संघर्ष सदियों पुराना है। जब भी मौका मिला उन्होंने क्षमता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। सारी वर्जनाओं को तोड़ वे हर उस क्षेत्र में कामयाबी हासिल कर रही हैं जिसमें पुरुषों का ही वर्चस्व था। सफलता की ये उड़ान जमीन से आसमां तक नजर आती है। कभी मां, तो पत्नी तो कभी बहन की भूमिका निभाने वाली आज की महिला घर से बाहर निकलकर नई भूमिका में है। उनके संघर्ष और हौसले की कहानियां लिखी जाए तो अखबार के पन्ने कम पढ़ जाएंगे। लेकिन **हमारे वरिष्ठ संवाददाता जाहिद अली** ने ऐसी कुछ कामयाब महिलाओं के जज्बे और जनून की दास्तां को साझा करने का प्रयास किया है।*

पूरा परिवार है खिलाड़ी

महिला क्रिकेट को अपने ऊंचाइयों तक पहुंचाने व वाली अंजुम चोपड़ा का नाम हर खेल प्रेमी की जुबान पर है। अंजुम खुद ही नहीं बल्कि उनका पूरा परिवार ही खिलाड़ी है। पिता जहां गोल्फ और बैडमिंटन के खिलाड़ी रहे वहीं मां कार रेसर हैं। परिवार में भाई और मामा भी खेल से जुडे रहे है। चोपड़ा उन खिलाड़ियों में शामिल है उनसे प्रेरणा लेकर ही आज की महिला युवा क्रिकेटर उच्च स्तर तक पहुंची है। अंजुम अपने जीवन का सबसे चमकीला पल भारतीय टीम के कप्तान बनने का बताती है। यह वक्त 2001 के आखिरी महीनों का। हालांकि उनकी कप्तानी में पहली सीरिज उन्हें 2002 में खेली। 2012 में जब उन्हें रिटायरमेंट लिया तब तक भारती महिला टीम एक ऐसी ऊंचाई तक पहुंचा चुकी थी जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखरनी शुरू कर दी। उनकी उपलब्धि को देखते हुए भारत सरकार की तरफ से कई अवार्ड से नवाजा गया।

अंजुम चोपड़ा (पूर्व भारतीय कप्तान)

उपलब्धियां:
भारत सरकारकी तरफ से पदश्री अवार्ड, अर्जन अवार्ड भी मिला व खतरों के खिलाड़ी शो में भागेदारी।

पढ़ाई पर समाज ने बैठाया पहरा

नाजिश बेगम (असिस्टेंट प्रोफेसर)

एटा के जिले के अलीगंज कस्बे में पैदा हुई डा. नाजिश बेगम का असिस्टेंट प्रोफेसर बनने तक का सफर बेहद प्रेरक है। एक साधारण परिवार जन्मीं नाजिश के पिता की आर्थिक स्थिति कुछ खास नहीं थी, परिवार पर मुश्किलें आईं लेकिन डॉ. नाजिश ने हार नहीं मानी। अपनी हिम्मत से देश की नामी अलीगढ़ विश्वविद्यालय में अपनी जगह बनाई। वर्तमान में एएमयू वीमेंस कॉलेज के हिंदी विभाग में पिछले 10 साल से पढ़ा रहीं हैं। मदरसे से स्कूल और फिर स्कूल से यूनिवर्सिटी का सफर बेहद कठिनाइयों भरा रहा। नाजिश के अनुसार समाज और रिश्तेदारों ने पढ़ाई का पुरजोर विरोध किया पर पिता साथ खड़े रहे। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह से ट्यूशन पढ़ाई और अपनी पढ़ाई का खर्चा खुद उठाया, किसी तरह से पीएचडी। एएमयू में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर नियुक्ति हो गई।

उपलब्धियां: *सर सैयद एवार्ड दिंसबर 2020, 2.बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन पर साहित्यिक पुरस्कार , हिन्दी पखवाड़ा समारोह के दौरान सम्मान, एएमयूके कुलपति द्वारा सम्मानित 2019।*

आयुष और यूनानी में बनाया नाम

कई वर्जनाओं को तोड़ते हुए गज़ाला जावेद ने अपने लिए नया मुकाम हासिल किया है। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन में गज़ाला जावेद सीनियर रिसर्च ऑफिसर है।

24 साल के लंबे सफर में कई मुकाम हासिल किए। पिता नूर अहमद दिल्ली पुलिस में वरिष्ठ अधिकारी के पद पर कार्यरत थे इसलिए स्कूली शिक्षा दिल्ली में हुई। पिता की इच्छा थी गजाला डॉक्टर बन समाज की महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए काम करें। गज़ाला ने जामिया हमदर्द में दाखिला लिया और यूनानी मेडिसीन में डॉक्टरी की और अपने बैच में अव्वल रही। गज़ाला इस बात से खुश है कि आज वो एक सक्षम भारतीय मुस्लिम महिला है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर आयुष एवं यूनानी चिकित्सा का प्रतिनिधित्व कर देश के नाम को आगे बढ़ाने का मौका मिला। ट्रेडिशनल हेल्थ नॉलेज की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर काम किया आयुष और यूनानी चिकित्सा को वैश्विक मंच तक पहुँचाने में गजाला ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों कीं लीडरशीप और नेतृत्व में अहम भूमिका निभाई है।

गज़ाला जावेद
(सीनियर रिसर्च ऑफिसर)

गजाला को मोस्ट पावरफूल वूमन नामक किताब की सूची में फ़ेस ऑफ यूनानी के नाम से जगह मिली। इस उपलब्धि के लिए राष्ट्पति भवन में तत्कालीन राष्ट्पति प्रणव मुखर्जी ने उनकी हौसला अफजाई भी की थी।

उपलब्धियां: *यूनानी मेडिसिन एक्सपर्ट, 'मेक इन इंडिया' अवार्ड, 'एनसीआर दिल्ली रत्न' अवार्ड' डॉ अब्दुल रज्जाक' अवार्ड,'डॉ सरोजनी नायडू इंटरनेशनल अवार्ड फॉर वर्किंग विमेन'*

बेसहारों को सहारा

रचना सचदेवा बेघरों को मदद करने के लिए रातों में निकलती है। 2009 में उन्होंने तीन शेल्टर होम की स्थापना की है आज भी यह शेल्टर होम नंद नगरी, जीटीवी चौक और न्यू संजय कॉलोनी में चल रहे है। सचेदवा रात होते ही अपने साथी संग राजीव गांधी अस्पताल से निकल पड़ती और उनकी यात्रा कॉनेट प्लेस पर जाकर खत्म होती। एमए और बीएड करने के बाद भी शिक्षा जगत से दूर समाजसेवा को अपना जनून बनाया। स्कूली दिनों को बेस्ट तैराक और शूटर रहीं। जीवन में 59 लोगों को खून दे चुकी है।

रचना सचेदवा (समाजसेवी)

उपलब्धि: दिल्ली सरकार की रोगी कल्याण समिति की सदस्य।

11 माह तक कपल एक दूसरे से दूर रहा

डॉ खुशबू मेहता मध्यवर्गीय परिवार से आती है। इनकी शादी को ज्यादा वक्त नहीं बीता है। वह दिल्ली सरकार के एनसी जोशी अस्पताल में कार्यरत है। कोविड काल में वह काम करती रही। कपल 11 माह तक एक दूसरे से दूर रहा। डॉ मेहता कभी घर तो जाती है लेकिन पति से केवल फोन पर ही बात होती। मूल रूप से गुजरात की रहने वाली मेहता ने 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद रूस से एमबीबीएस किया।

डॉ खुशबू मेहता

मोर्चरी की निभाई जिम्मेदारी

छवि गुप्ता राजीव गांधी अस्पताल में ब्लड बैंक इंचार्ज है। कोरोना काल में इनके नेतृव्य में मोर्चरी तैयार की गई थी और साथ ही मृतकों का दाहसंस्कार कराने की जिम्मेदारी भी इनके कंधे आ गई। छवि बताती है कि एक वक्त ऐसा भी आया, जब बीस घंटे तक काम करते और चार घंटे की नींद लेने के बाद फिर से काम में जुट जाते।

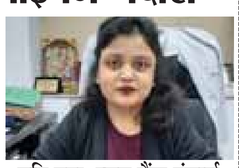
छवि गुप्ता, ब्लड बैंक इंचार्ज

उपलब्धियां: *दो वर्ष डिप्टी एमएस रही, मैक्स पटपटगंज में इबहास कई वर्ष कार्यकरत।*

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नारी सशक्तिकरण का संदेश देती दिल्ली पुलिस की जाबाज महिला पुलिस कर्मी।

महामारी पर भारी पड़ा ड्यूटी का जज्बा

लाकडॉउन के दौरान दिल्ली पुलिस ने करीब एक हजार गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित अस्पताल तक पहुंचाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के जवानों के हौसले को कोविड-19 महामारी के कारण पैदा हुई चुनौतियां और संक्रमण का खतरा भी नहीं डिगा सका। उन्होंने इन चुनौतियों का सामना करते हुए वर्ष 2020 में लॉकडाउन के दौरान 997 गर्भवती महिलाओं को समय पर राजधानी के विभिन्न अस्पतालों में पहुंचा कर भर्ती कराया।

इनमें से नौ ने पीसीआर वैन में ही बच्चों को जन्म दिया। पुलिस द्वारा आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में ये महिलाएं विशेष मेहमान होंगे और पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव इन लोगों को सम्मानित करेंगे। पुलिस उपायुक्त डॉ. ईश सिंघल के अनुसार पिछले साल लॉकडॉउन के दौरान जब सभी तरह की परिवहन सेवाएं बंद थी। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते एंबुलेंस सेवा भी ठप थी। ऐसे समय में दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन में तैनात कर्मियों ने आगे आए और बेखौफ होकर प्रसव पीड़ा से तड़प रहीं अहसाय महिलाओं को अस्पतालों में पहुंचाया जहां पर उन्होंने बच्चे को जन्म दिया। ऐसी कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि 4 मार्च 2020 को शाम पौने आठ बजे पीसीआर कर्मियों को मंडी पार्क पालम से जानकारी मिली कि एक महिला प्रसव पीड़ा से तड़प रही है उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाने की जरूरत है।

स्थिति की नजाकत को भांपते हुए पीसीआर कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि तीन बच्चों के साथ एक गर्भवती दर्द से बेहाल हो रही थी। व्यावसायिकता को प्रदर्शित करते हुए एमपीवी स्टाफ ने चाय की दुकान से एक महिला को बुलाया उसने गर्भवती की जाँच की और कर्मचारियों को बताया कि प्रसव निकट क्योंकि बच्चा गर्भ से बाहर था। उन्होंने जरूरी इंतजाम किए और एक बच्ची यानी सोनिया का जन्म हुआ। दूसरी घटना निठारी गांव स्थित झुग्गी की है जहां 16 मई 2020 को प्रसव दर्द से बेहाल महिला को पीसीआर कर्मी उसकी मदद की।

महिला सशक्तीकरण : साइकिल रैली निकाली

नई दिल्ली। जिला पुलिस ने दिल्ली राइडर क्लब के साथ मिलकर महिला सशक्तिकरण के लिए साइकिल रैली निकाली। इस रैली को संयुक्त आयुक्त जसपाल सिंह की पत्नी शिवानी सिंह ने झंडी दिखाकर रवाना किया। महिला साइकिल सवारों में दिल्ली पुलिस की सभी रैंकों के अधिकारी व जवानों ने शिरकत की। इस रैली का मकसद महिलाओं के मुद्दों को लेकर जागरूकता फैलाने वाली महिलाओं को और भी सशक्त बनाना था। यह रैली नई दिल्ली से शुरू होकर विजय चौक पर समाप्त हुई।

● नौ महिलाओं ने पीसीआर वैन में दिया था बच्चों को जन्म, जिनको आज पुलिस आयुक्त करेंगे सम्मानित

परिवर्तन सेल ने पेश किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिल्ली पुलिस की परिर्वतन सेल ने गैर सरकारी संगठनों, समूहों के साथ मिलकर राजीव चौक, सेंट्रल पार्क में महिला सशक्तिकरण पर नुक्कड़ नाटक, शास्त्रीय नृत्य आदि मनोरंजक कार्यक्रम पेश कर महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रशिक्षित महिला कर्मचारियों ने आत्मरक्षा से जुड़ी तकनीकों पर प्रदर्शन कर सभी को चकित कर दिया।

देशभक्ति बजट पेश करेगी सरकार, विपक्ष मांगेगा हिसाब

विस बजट सत्र आज से

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आजादी के 75वें साल को देखते हुए दिल्ली सरकार के बजट में इस बार देशभक्ति की झलक दिखेगी। साथ ही दिल्ली के आर्थिक सुधार से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजिक सुधारों को लेकर बजट में कई अहम घोषणा भी होंगे। जानकानों के अनुसार सरकार आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी कैसी होगी उसका खाका भी सरकार पेश करेगी। जिससे दिल्ली वालों की आय सिंगापुर की प्रति व्यक्ति आय के बराबर किया जा सके।

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से उपराज्यपाल अनिल बैजल के भाषण के साथ शुरू होगा। इसके बाद वित्तमंत्री मनीष सिसोदिया आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगे।

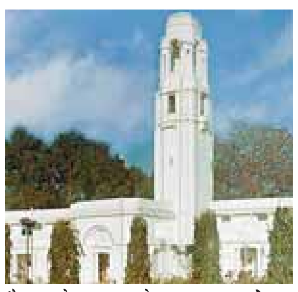

सदस्यों को फेस मास्क पहनते समय अपने पहचान पत्र दिखाने को कहा गया है, ताकि विधानसभा परिसर में उन्हें पहचानने में मदद मिले। नौ मार्च सिसोदिया ने दिल्ली का बजट करेंगे। सरकार ने पहले ही साफ कर दिया है कोरोना महामारी के बीच राजस्व घटने के बाद भी बजट का आकार बढ़ेगा। पुरानी जनहित की योजनाएं चलती रहेगी। वहीं सरकार कुछ नई योजनाओं की घोषणा भी रखेगी।

विपक्ष ने बनाई रणनीति

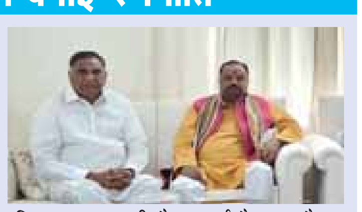

नई दिल्ली। विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार होने की संभावना है। भाजपा ने दिल्ली सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। नेता प्रतिपक्ष रामबीर सिंह बिधुड़ी की अगुवाई में सोमवार को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई है। इस बैठक में पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल सरकार जनता के साथ झूठे वादे करती है। उन वादों को बजट में शामिल करती है, उनका प्रचार करती है और फिर उन वादों को भूल जाती है। सोमवार से शुरू होने वाले बजट सत्र में भाजपा नेता सरकार के झूठे प्रचार की पोल खोलने और जन विरोधी नीतियों को सदन में जोर-शोर से उठाने का फैसला किया गया।

प्रदर्शनकारी एक और किसान ने दी जान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान ने रविवार को टीकरी बॉर्डर विरोध स्थल से लगभग सात किलोमीटर दूर एक पेड़ से फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि केन्द्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाले 49 वर्षीय किसान ने कथित तौर पर एक सुसाइड नोट छोड़ा है। बहादुरगढ़ शहर पुलिस थाने के एसएचओ विजय कुमार ने बताया, मरने वाला राजबीर हिसार जिले के एक गांव का रहने वाला था।

कुछ किसानों ने उनका शव फंदे से लटकते हुए देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। राजबीर द्वारा कथित तौर पर छोड़े गए सुसाइड नोट में जिक्र किया है कि उसके द्वारा उठाए गए इस कदम के लिए तीन कृषि कानून जिम्मेदार हैं। नोट में उसने यह भी कहा है कि केन्द्र को इन कानूनों को रद्द करके उसकी आखिरी इच्छा को पूरा करना चाहिए। ज्ञात हो कि टिकरी बॉडर पर पहले एक आत्महत्या हो चुकी है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का निशुल्क डायलिसिस अस्पताल शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने रविवार को कहा कि यहां गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में गुर्दे के रोगी अब अपना निशुल्क डायलिसिस करा सकेंगे। कमेटी ने यहां गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में भारत की सबसे बड़ी गुर्दा डायलिसिस सेवा की शुरुआत की।

कमेटी ने एक बयान में कहा कि गुरु हरकिशन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च किडनी डायलिसिस अस्पताल 101 रोगियों को एक साथ डायलिसिस की सुविधा देगा और इसमें प्रतिदिन 500 मरीजों की डायलिसिस की जा सकती है। अस्पताल अपनी सेवाएं मरीजों को पूरी तरह से मुफ्त में देगा।

कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इस सबसे तकनीकी रूप से उन्नत अस्पताल में सभी सेवाएं पूरी तरह से मुफ्त दी जा रही हैं। कोई बिलिंग या भुगतान काउंटर नहीं है। इसकी क्षमता जल्द ही मौजूदा 101 बिस्तरों से बढ़ाकर एक हजार बिस्तरों की कर दी जाएगी।

कोविड-19: स्थिति नियंत्रण में, डरने की जरूरत नहीं: जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने का कि दिल्ली में कोविड-19 महामारी नियंत्रण में है। लोगों को किसी तरह से डरने की जरूरत नहीं है। कोरोना वायरस का पैंडेमिक फेज खत्म हो रहा है और हम सब सुरक्षित जोन में जा रहे हैं। किसी संक्रमण को तब एंडेमिक फेज कहा जाता है जब वह किसी भौगोलिक क्षेत्र में एक स्तर पर लगातार बना रहता है।

स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार विशेषज्ञों का कहा है कि एंडेमिक फेज में कुछ मामले आते रहते हैं। दिल्ली में लगभग 10 साल पहले स्वाइन फ्लू का प्रकोप देखा गया था, लेकिन अभी भी हर साल कुछ मामले सामने आते हैं। कोरोना वायरस पूरी तरह से समाप्त नहीं होने जा रहा है। कोविड-19 संक्रमण की दर एक प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा कि पिछले साल नवम्बर में यह दर 15 प्रतिशत थी। पिछले दो महीनों से संक्रमण की दर एक प्रतिशत से कम बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कोविड-19 संक्रमण की दर पांच प्रतिशत से कम रहनी चाहिए।

कोरोना वायरस के 286 नए मामले

नई दिल्ली। राजधानी में रविवार को कोविड-19 के 286 नए मामले सामने आए तथा दो संक्रमित व्यक्तियों की मौत हुई। वहीं दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यहां संक्रमण की दर 0.31 फीसदी है। इससे पहले, शनिवार को संक्रमण के 321 नए मामले सामने आए थे जो करीब डेढ़ माह में एक दिन में सामने आने वाले सर्वाधिक मामले थे। इस दिन एक व्यक्ति की मृत्यु भी हुई थी।

जेलों के 85 प्रतिशत कर्मचारियों को लगा टीका

नई दिल्ली। *दिल्ली के कारागार विभाग ने कहा है कि उसके अधीन आने वाली तीन जेलों के लगभग 85 प्रतिशत कर्मचारियों और 58 प्रतिशत सुरक्षा कर्मियों को कोविड-19 का टीका लगाया जा चुका है। दिल्ली कारागार विभाग के अधीन तिहाड़, रोहिणी और मंडोली जेल आती हैं। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जेल में लगभग दो हजार कर्मचारी काम करते हैं जिनमें से 1700 को टीका दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कारागार में तैनात 1700 सुरक्षा कर्मियों ने को-विन पर पंजीकरण कराया था जिनमें से एक हजार कर्मियों को टीका लगा है।*

पत्थरों की दीवारों को औरत ही बनाती है घर...

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष प्रस्तुति

समाज में महिलाओं को कामयाब बनाने वाली महिलाओं को सेल्यूट

निजी और सरकारी क्षेत्र में मजबूती के साथ काम कर रही हैं महिलाएं

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

हर दुख-दर्द को सहकर वो मुस्कुराती है-पत्थरों की दीवारों को औरत ही घर बनाती है। नारियों को समर्पित कविता की इन लाइनों के मायने बहुत गहरे हैं। बात हम चाहे पुराने समय की करें या फिर आज 21वीं सदी की। महिलाओं ने हर दौर में दीवारों को घर बनाया है। उसे स्वर्ग जैसा बनाया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2021 के मौके पर आज सोमवार को हम कुछ ऐसी औरतों से आपको रूबरू करा रहे हैं, जिन्होंने जीवन में खुद के लिए नहीं, बल्कि चूल्हा-चौके में अपने जीवन को गुजार रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की ठानी और कामयाबी हासिल की।

चांदनी बेदी।

कविता सरकार।

ज्योति वर्मा।

दीप्ति ढींढसा।

चांदनी बेदी ने किया ग्रामीण महिलाओं का जीवन रोशन

देश की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी की संस्था नवज्योति फाउंडेशन से जुड़कर महिला उत्थान में लगी हैं चांदनी बेदी। चांदनी बेदी इस संस्था के उन्नति प्रोजेक्ट में प्लानिंग से लेकर उसे जमीनी स्तर पर मजबूती के साथ उतारने में मुख्य सूत्रधार होती हैं। संस्था में बतौर निदेशक 18 साल से काम कर रही चांदनी बेदी के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं ने अब तक जो हासिल किया है, वह अपने आप में एक माइल स्टोन है। गुरुग्राम के खंड सोहना के 65 गांवों में चांदनी बेदी के प्रयासों से संस्था ने पैर फैलाए और महिला उत्थान में काम शुरू किया। क्षेत्र के 32 गांवों की 1500 महिलाओं को तो सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के काबिल बना दिया गया है। इसके अलावा सैंकड़ों महिलाओं को उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह बड़े सम्मान की बात है कि आज गांव की इन महिलाओं के उत्पादों को स्पेन जैसे देश में निर्यात किया जाता है।

चांदनी बेदी बताती हैं कि कोरोना महामारी के बीच जब लोगों के काम-धंधे बंद हो गए, नौकरियां चली गई, जब ये महिलाएं ही घर की तारनहार बनी। यानी इनकी मेहनत से घरों में कमाई आई। दमदमा गांव में तो विजय रानी महिला की सास ने कोरोना काल में बड़े सम्मान के साथ अपनी बहु को घर चलाने का श्रेय दिया। चांदनी कहती हैं कि संस्था का यही प्रयास है कि महिलाएं चूल्हे-चौके से बाहर निकलें और खुद की पहचान बनाएं। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अब महिलाएं अच्छी खासी कमाई करके घर चला रही हैं। डिजिटल के दौर में अब ऑनलाइन प्लेटफार्म भी तैयार कर दिया गया है, जिसके माध्यम से इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद ऑनलाइन ऑर्डर मिलने पर भेजे जा रहे हैं। चांदनी बेदी कहती हैं कि रोजगार के लायक बनाने के साथ महिलाओं को घरेलू हिंसा से निपटने को कानूनी जानकारियां भी दी गई।

एनसीआर में 20 साल से सेवा को समर्पित कविता सरकार

कविता सरकार, कविता सिर्फ नाम से सरकार नहीं है, बल्कि उनके काम भी प्रभावशाली हैं। निजी क्षेत्र हो या सरकारी, वे जहां भी जाती हैं अपनी अलग पहचान बना लेती हैं। वर्षों तक उन्होंने शहर में महावीर इंटरनेशनल संस्था के साथ जुड़कर समाजसेवा में मन से काम किया। अब वह जिला रेडक्रॉस सोसायटी के साथ जुड़कर समाजसेवा के साथ महिलाओं के जीवन में भी बदलाव लाने में जुटी हैं। उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें यहां सरकारी कामकाजी महिला आवास की वार्डन का दायित्व सौंपा गया है।

कविता सरकार ने इससे पहले 1999 से 2003 तक 4 साल दिल्ली के लाजपत नगर स्थित एक अनाथालय में बतौर वार्डन सेवाएं दी। इसके बाद 2003 से 2011 तक रिषभ कम्युनिकेशन में सेवाएं दी। इसके बाद लगातार 2019 तक जानी-मानी संस्था महावीर इंटरनेशनल के साथ वे वर्षों तक जुड़ी रही। शहर में लगाए जाने वाले स्वास्थ्य शिविरों में उन्होंने एक-एक व्यक्ति को परिवार का सदस्य मानते हुए उनकी जांच हो दवाएं, सब में आगे आकर काम किया। वंचित बच्चों की शिक्षा के लिए संस्था द्वारा संचालित स्कूल में भी कविता सरकार की भूमिका रही। महावीर इंटरनेशनल की ओर से उन्हें विशेष रूप से सम्मान दिया गया। वर्ष 2019 से उन्होंने अपनी सेवाएं जिला रेडक्रॉस सोसायटी गुरुग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता, परामर्शदाता के रूप में शुरू की।

मार्च 2020 के अंत में जब कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन लगा तो उनकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई। अलसुबह रेडक्रॉस में पहुंचना, लेकिन वापस घर कब तक जाना है, यह उन्हें नहीं पता होता था। रात के 10-11 बजे तक उन्होंने लॉकडाउन में काम करते हुए अपना फर्ज समझकर कार्य किया। इसके बाद जैसे ही अनलॉक हुआ तो कविता को और भी जिम्मेदारियां दी गई। पूर्व में टारगेट इंटरवेंशनल प्रोजेक्ट के तहत एचआईवी/एड्स के लिए जागरुक करना उनके कार्यों की सूची में था। कविता सरकार की कार्यकुशलता को देखते हुए ही रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा उन्हें कामकाजी महिला आवास का दायित्व बतौर वार्डन दिया गया।

10 हजार महिलाओं के जीवन में उजियारा करना है ज्योति वर्मा का संकल्प

नाम है ज्योति वर्मा, अपने नाम के मुताबिक ज्योति दूसरी महिलाओं के जीवन में उजियारा लाने का काम कर रही है। उम्र भले ही कम हो, लेकिन सोच किसी उम्रदराज से कहीं अधिक सकारात्मक रखते हुए समाज में महिलाओं के जीवन को बदलने का बीड़ा ज्योति ने उठाया है।

ज्योति वर्मा ने जीवन में 10 हजार महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रण लिया है। ज्योति ने इस काम के लिए फ्लोरा फ्लाई नामक संस्था बनाई है। इस संस्था के बैनर तले वे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में जुटी हैं। उन्हें विशेष प्रशिक्षण दे रही हैं। सभी महिलाओं के लिए ज्योति वर्मा प्रेरणा स्रोत्र हैं। ज्योति वर्मा के मुताबिक महिलाएं आत्मनिर्भर हों। यह उनका प्रयास है। वे अपनी संस्था के माध्यम से महिलाओं को शिक्षित करने के साथ उन्हें रोजगार के काम की दिशा कम्पयूटर, सिलाई, कढ़ाई, अंग्रेजी बोलना समेत कई प्रशिक्षण देती हैं। उन्होंने शहर के भीमगढ़ खेड़ी व सूरत नगर में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत कर रखी है।

ज्योति वर्मा कहती हैं कि आज भी समाज में महिलाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। उन्होंने बहुत ही नजदीक से महिलाओं की दयनीय हालत देखी है। महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए उन्होंने फ्लोरा फ्लाई के माध्यम से इस काम की शुरुआत की है। वे चाहती हैं कि महिलाएं परिवार में सिर्फ चूल्हे तक सीमित ना रहे, बल्कि परिवार को आर्थिक मजबूती देने को खुद भी कमाई करें। वे महिलाओं को यही सीख देती है कि परिवार को जोड़े रखना उनका कर्तव्य है। परिवार में कोई भी खराब स्थिति होने पर घबराएं नहीं, बल्कि उस स्थिति से निपटने को धैर्य दिखाएं।

गांव-गांव जाकर महिला सशक्तिकरण के दीप जला रही दीप्ति ढींढसा

आम तौर पर यह धारणा बनी होती है कि सरकार दफ्तरों में अधिकारी, कर्मचारी काम को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन दीप्ति ढींढसा ने इस धारणा को पूरी तरह से बदल रखा है। वे सरकारी काम को, महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने को गांव-गांव जाकर महिलाओं से सांझा करती हैं। वे महिला सशक्तिकरण का दीप जलाती हैं। यहां अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) कार्यालय में वर्ष 2014 से बतौर प्रोजेक्ट मैनेजर काम करने वाली दीप्ति ढींढसा का मानना है कि किसी दूसरे की सहायता करने के लिए जरूरी नहीं है कि हम सब साधन संपन्न हों। हम अपने प्रयासों से भी बहुत कुछ कर सकते हैं। सरकार की योजनाओं को वे अपने प्रयासों से ही महिलाओं की दहलीज तक लेकर जाती हैं और उनके सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर उन्हें उनकी रुचि के हिसाब से काम का प्रशिक्षण दिलाती हैं।

दीप्ति ग्रामीण आजिविका मिशन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में जुटी हैं। उनका कहना है कि गुरुग्राम जिले में 13773 परिवारों की महिलाओं के 1236 सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर उनके उत्थान में काम जारी है। इनके द्वारा बनाए गए उत्पादों में बेकरी उत्पाद, मसाले, रोस्टिड बाजरा, नमकीन, जूट के बैग समेत अनेकों उत्पाद बड़े-बड़े होटलों संस्थानों में सप्लाई होते हैं। कोरोना काल में तो यहां से 5 लाख मास्क और भारी मात्रा में सेनिटाइजर भी इन महिलाओं ने बनाया।

क्योंकि उस समय सब कुछ बंद था और मांग काफी थी। यह दौर हमारे लिए मुसीबतों के साथ मौके भी लेकर आया। दीप्ति कहती हैं कि वे अपनी टीम के साथ गांवों के दौरे पर निकलती हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

इस बुआ ने किडनी दानकर दी भतीजे को जिंदगी

एन रोहिल्ला। सोहना

राजवती।

सोहना के गांव खेड़ला निवासी 52 वर्षीय महिला ने अपने 28 वर्षीय इंजीनियर भतीजे को किडनी देते हुए जीवनदान था। पीड़ित इंजीनियर चार बहनों का इकलौता भाई है। 21 जुलाई को फरीदाबाद के मेट्रो अस्पताल में किडनी प्लांटेशन हुआ था। ऑपरेशन के 6 माह बीत गए है। बुआ घरेलू महिला होते हुए अपने परिवार में तथा भतीजे ने अपना इंजीनियरिंग से जुड़ा रोजगार को फिर से पटरी दिनचर्या शुरू कर दी है। खेड़ला निवासी 52 वर्षीय राजवती पत्नी रोहताश सिंह को जैसे ही 8 जनवरी को मालूम हुआ कि उसके भाई का लड़का 28 वर्षीय हंसपाल की किडनियों से काम करना बंद कर दिया है। यह समाचार सुनते ही सभी के पैरों के नीचे की जमीन हिल गई थी। 28 वर्षीय हंसपाल जिला फरीदाबाद का गांव अटेरना का रहने वाला है। जो चार बहनों के बीच में इकलौता भाई है। वह चारों बहनों में सबसे बड़ा है। जिसने मैकेनिकल से इंजीनियर करने के बाद परिवार के पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर लेते हुए पिता जीतसिंह का हौसला बढ़ाया। लेकिन जैसे ही हंसपाल जीवन खतरे में पड़ा। वैसे ही उसके जीवन को सुरक्षित करने के लिए उपचार कराना शुरू कर दिया था। हंसपाल को हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हिमाचल तक ले जाकर दवाइयां दिलाने का काम किया लेकिन हंसपाल को इसका स्वास्थ्य लाभ नहीं मिला। हंसपाल के पिता पहले से ही बीमार रहते है। परिवार में अन्य कोई ऐसा सदस्य नहीं जो उसके जीवन का बचा सके। ऐसे में हंसपाल की 52 वर्षीय भुआ राजवती ने अपनी एक किडनी हंसपाल को देना तय किया। किडनी प्लांटेशन के लिए टेस्ट कराने अपना हौसला बढाते हुए डाक्टरी कार्रवाई में आगे आ गई थी। करीब दो माह में हुए 60 से 70 टेस्टों में भुआ राजवती व भतीजा हंसपाल के सभी टेस्ट मिलते हुए चले गए। टेस्टों की सफलता ने यह साबित भी कर दिया कि खून का रिश्ता अटूट होता है। जो जीते जी कभी भी समाप्त नहीं होता। 21 जुलाई 2020 को फरीदाबाद स्थित निजी अस्पताल में राजवती ने अपनी एक किड़नी दान करते हुए भतीजे हंसपाल को नया जीवन दान दिया था।

10 गांवों को गुरुग्राम खंड में मिला देने से ग्रामीण खफा, दिया ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

फर्रूखनगर खंड के 10 गांवों को गुरुग्राम ब्लॉक में मिलाये जाने की भनक लगते ही ग्रामीणों में सरकार के खिलाफ भारी रोष है। रोष स्वरूप गुरुवार को ग्रामीणों ने अनाज मंडी में सुल्तानपुर के नम्बरदार सुशील चौहान की अध्यक्षता में पंचायत करके एसडीएम पटौदी प्रदीप कुमार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, विधायक राकेश दौलताबाद के नाम ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी सुनवाई नहीं हुई तो वह लोकसभा, विधानसभा, जिला परिषद, पंचायत समिति, सरपंच, पंच के चुनाव का भी बहिष्कार करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक महा पंचायत बुलाकर आगामी कार्रवाई पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

बीजेपी मंडल अध्यक्ष दौलतराम गुर्जर, नम्बरदार सुशील चौहान, सुंदर प्रधान धानावास, सोनू सैनी सुल्तानपुर, राकेश सरपंच सुल्तानपुर, सरपंच प्रीतम यादव कालियावास, विकास सरपंच, बिट्टू सरपंच, राकेश प्रधान मोहम्मदपुर, रणबीर सरपंच इकबालपुर, सुनील प्रधान मोहम्मदपुर, वेदप्रकाश नम्बरदार, पूर्व सरपंच बिरेंद्र यादव खैंटावास, बबीता, राव महेंद्र सिंह डाबोदा प्रधान, प्रदीप पूर्व सरपंच, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, रमेश पंच, सुरेंद्र पंच, जयवीर पंच, पवन कुमार आदि ने बताया कि फर्रूखनगर ब्लॉक के गांव सुल्तानपुर, खेडा झांझरोला, इकबालपुर, कालियावास, बुढेड़ा, खेंटावास, पातली, हाजीपुर, धानावास, सैदपुर मोहम्मदपुर आदि गांवों का ब्लॉक बदल कर गुरुग्राम ब्लॉक मिलाया जा रहा है। अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है तो ग्रामीणों को गुरुग्राम, पटौदी, फर्रूखनगर के दफ्तरों ही चक्कर काटने पढेंगे। पंचायत सम्बंधित कार्यों, चरित्र प्रमाण पत्र आदि के लिए गुरुग्राम ब्लॉक, रजिस्ट्रियों, इंतकाल, डोमोसाइल, जाति प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस आदि के लिए फर्रूखनगर तहसील, थाना सम्बंधित शिकायतों के लिए फर्रूखनगर तथा उप मंडल स्तरीय कार्यों के लिए उन्हें पटौदी के चक्कर लगाने पड़ेंगे। अगर ग्रामीणों की करण पुकार पर कोई सुनवाई नहीं की गई तो वह धरना-प्रदर्शन व महापंचायत करने के लिए मजबूर हो सकते है। साथ ही सभी चुनावी प्रक्रिया का बहिष्कार भी करेंगे।

गुरुग्राम के खंड फर्रूखनगर के गांवों को गुरुग्राम में मिलाए जाने की सूचना के विरोध में पटौदी के एसडीएम को ज्ञापन देते ग्रामीण।

महिला से दुष्कर्म के आरोप में एक नामजद समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

पलवल। खेतों में गन्ना लेने गई 30 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म करने व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर एक नामजद व दो अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी मुन्नी के अनुसार पीड़िता महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीती दो मार्च की शाम चार बजे वह घर से खेतों में गन्ना लेने के लिए गई थी।

पीड़ित गन्ना तोड़ने के लिए जैसे ही खेत के अंदर गई तो पीछे से आए तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया। पीड़िता ने शोर मचाया तो दो युवकों ने मुंह बंद कर दिया और एक युवक ने दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने वाले युवक को पीड़िता ने पहचान लिया है। जिसका नाम उमेश उर्फ कोटा निवासी गांव चंड़ीगढ़ का नगला (हसनपुर) है। पीड़िता द्वारा विरोध करने पर आरोपी तीनों युवक जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घर आकर पीड़िता ने आपबीती अपने पति व बहन को बताई।

फर्जी ज्वाइनिंग लैटर भेजकर छात्र से ठगे हजारों रुपये

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

बीए की पढ़ाई कर रहे छात्र को ड्यूटी ज्वाइनिंग का फर्जी लैटर भेज कर हजारों रुपये ठग लिए। कैंप थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इकोनोमिक सैल इंचार्ज सत्यनारायण के अनुसार गांव चिरावटा निवासी योगेश शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह बीए की पढ़ाई कर रहा है। पीड़ित ने नौकरी की तलाश में वर्ष 2019 में पलवल जिला एवं सत्र न्यायलय चपरासी के पद पर आवेदन किया था। ऑनलाइन रोल नंबर चेक करने के बाद सत्र न्यायलय में इन्टरव्यू भी दिया था लेकिन सिलेक्शन नहीं हुआ था।

इन्टरव्यू के कई महीने बाद 16 फरवरी वर्ष 2020 को डाक द्वारा ज्वाइनिंग लैटर प्राप्त हुआ। जिस पर सरकारी चिन्ह अंकित थे और मोहर के साथ-साथ एक संपर्क सूत्र मोबाइल नंबर भी लिखा हुआ था। पीड़ित ने जब उस मोबइल नंबर संपर्क किया तो बताया गया कि आपको ज्वाइनिंग लैटर भेजा गया है। आप एक खाते में 25 हजार रुपये जमा करा दो आपका काम हो जाएगा। पीड़ित ने जब लैटर का कापी जिला एवं सत्र न्यायलय में जमा कराई तो पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट और कार क्षतिग्रस्त करने के आरोप में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत कार सवार युवकों के साथ मारपीट कर कार को क्षतिग्रस्त करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी संदीप कुमार के अनुसार गांव धतीर निवासी गौरव शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह बल्लभगढ़ स्थित उपमंडल अधिकारी कार्यालय में नौकरी करता है। पीड़ित गत 4 मार्च को अपने साथी राजू निवासी गांव जलालपुर के साथ सिफ्ट कार में सवार होकर अपने घर आ रहा था।

संक्षिप्त समाचार

नर्सिंग होम के हेल्पर की बिजली का करंट लगने से हुई मौत

पलवल। जिंदल नर्सिंग होम मे हैल्परी का काम करने वाले 25 वर्षीय युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। शहर थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर नर्सिंग होम के नामजद डाक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सुबे सिंह के अनुसार गांव बिछपुरी निवासी रविंद्र ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका भाई मनीष जिंदल नर्सिंग होम में डाक्टर की हैल्परी का काम करता था। पांच मार्च की शाम छह बजे मनीष घर से नर्सिंग होम में अपनी ड्यूटी पर आया था। उसी रात 9 बजकर 25 मिनट पर पीड़ित को नर्सिंग होम से सूचना प्राप्त हुई कि आपके भाई मनीष को बिजली का करंट लग गया है। पीड़ित सूचना मिलते ही जिंदल नर्सिंग होम पहुंचा तो पता चला कि मनीष को गुरुनानक अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया है। पीड़ित गुरुनानक अस्पताल पहुंचा तो वहां जिंदल नर्सिंग होम का डाक्टर प्रदीप मिला। पीड़ित ने जब पता किया तो पता चला कि डाक्टर प्रदीप ने मनीष से बिजली की तार ठीक करने को कहा था। डाक्टर प्रदीप की लापरवाही के कारण मनीष की बिजली का करंट लगने से मौत हुई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

फर्रूखनगर तहसील परिसर में सर्वर बना शो पीस

फर्रूखनगर। स्थानीय तहसील में आए दिन सर्वर डाऊन होने की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोग अपने काम के लिए पूरे दिन बैठकर यहां चले जाते हैं। उनका समय और धन अधिक बर्बाद हो रहा है। ऊपर से फसल कटाई का समय चल रहा है। ऐसे में लोग सरकार के ऑनलाईन सिस्टम को कोसने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहे है। कई बार लोगों को कम्प्यूटर खराब होने और सर्वर डाऊन की झूठी बात कहकर लोगों को गुमराह भी किया जाता है। सुविधा शुल्क मिल जाने पर तुरन्त ठीक हो जाते हैं। मनोज यादव एडवोकेट डाबोदा, रोहताश नम्बरदार, राजू जुडौला, प्रदीप,संदीप, सोनू आदि का कहना है कि ट्रांसफर डीड के अलावा अन्य तरह के पंजीकरण के कार्य भी बार बार चक्कर लगाने के बाद हो पा रहे हैं। जनता द्वारा चुने हुए नुमाइन्दों से इस समस्या बारे लोगों ने कई बार कहा और उन्होनें आश्वासन भी दिया कि सर्वर डाऊन की समस्या का जल्दी समाधान करा दिया जाएगा, किन्तु यह समस्या और भी गम्भीर होती जा रही है। तहसीलदार सुशील कौशिक का कहना है कि यह समस्या पूरे जिले में है। उच्चाधिकारियों के भी संज्ञान में कई बार लाया गया है, किन्तु हल नहीं निकला।

विवाहिता ने पति के खिलाफ कराया मामला दर्ज

सोहना। भोंडसी निवासी विवाहिता ने पति के खिलाफस्थानीय पुलिस थाना में मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने पति पर गर्दन दबाकर जान से मारने का प्रयास व मारपीट करने का आरोप लगाया है। विवाहिता अनुराग पत्नी सुशील कुमार ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात दस बजे उसका पति शराब पीकर आया था। जो पहले तो उसे गोलियां देने लगा। उसके बाद उसके साथ मारपीट करने लगा। पीटते-पीटते हुए जमीन पर गिरा दिया। जमीन पर गिराने के बाद उसकी गर्दन को दबाने लगा। जो उसे जान से मारने का प्रयास करने लगा। लेकिन वह जैसे ही अपनी जान बचाकर भागने लगी। उसके बचाव में उसकी बेटी प्रीया व देवर अशोक आ गए। जिन्होने उसके पति सुशील से बचा लिया। आखिर सुशील जोर-जोर से चिल्लाते हुए उसे किसी दिन जान से मार देने की धमकियां दे रहा था। पीडिता ने बताय गर्दन दबाने से उसकी हालत गंभीर हो गई थी। जो परिजनों ने गुरुग्राम के सेक्टर-10 में स्थित नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल कराया। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद उसने रविवार को अपनी ब्यान पुलिस को दर्ज करा दिए। जांच अधिकारी एसआई जयप्रकाश ने आरोपी पति के खिलाफविभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। लेकिन आरोपी पति अभी घर से फरार होने के कारण गिरफ्तार नहीं हो सका है।

छेड़छाड़ कर कपड़े फाड़ने के आरोप में नामजद पर मुकदमा दर्ज

पलवल। घर के बाहर गेट के पास खड़ी बालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ कर कपड़े फाड़ने का मामला प्रकाश में आया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सविता के अनुसार 18 वर्षीय पीड़िता लड़की ने शिकायत दर्ज कराई है कि 24 फरवरी को वह घर के बाहर गेट के पास खड़ी हुई थी। उसी दौरान गांव थंथरी निवासी किशनपाल आया और जबरन खींचकर अपने घर की तरफ ले जाने लगा। पीड़िता ने विरोध किया तो किशनपाल ने उसके (पीड़िता) कपड़े फाड़ दिए। परिजनों की मदद से पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी।

नंबरदार पर रंजिश में जानलेवा किया हमला

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गांव दमदमा में पुरानी रंजीश के चलते यहां के निवासी नंबरदार को बीच रास्ते में रोककर लोहे की रॉढ और देशी कट्टा के बट से हमला करके गंभीर रुप से घायल कर दिया। हमलावर नंबरदार को मृत समझ रास्ते में छोड़ अपने घरों को चले गए। पीड़ित को परिजनों ने पहले सोहना तथा बाद में दिल्ली के सफ्दरजंग अस्तपाल में दाखिल कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

दमदमा निवासी ओमबती ने सोहना सदर थाना में एक नामजद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ पति पर जान लेवा हमला करने का मामला दर्ज कराया है। ओमबती ने पुलिस को बताया कि गांव का निवासी सुरजन के परिवार से उनके परिजनों से करीब 20 साल पुरानी रंजिश चल रही है। इसी रंजिश को रखते हुए शनिवार को उसके पति किरोड़मल को सुरजन व दो अन्य ने मिलकर योजना बनाकर गांव के बीच चौक में पहले रोक लिया। उसके बाद किरोड़ीमल पर देशी कट्टा की बट तथा लोहे की रॉढ़ से हमला करते हुए लहूलुहान कर दिया। आरोपियों ने सिर और माथे पर बट तथा रॉढ से कई वार किए। जिससे सिर में काफी चोटें आई। किरोड़मल को पहले सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। उसके बाद गुरुग्राम था गुरुग्राम से दिल्ली के सफ्दरजंग अस्पताल में रेफर करने पर दाखिल कराया गया। जहां पर किरोड़ीमल की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़िता की पत्नी ने बताया कि हमले के दौरान किरोड़ीमल के पास से आरोपी 4250 रुपये लूटकर ले गए। जो उसे मारपीट के दौरान जाति सूचक शब्दों गालियां दे रहे थे।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने बताया कि पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर एक नामजद समेत तीन के खिलाफमामला दर्ज किया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हाजीपुर गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं देने को खुलेगा पीएचसी

गुरुग्राम। फर्रूखनगर खंड के गांव-गांव हाजीपुर में ही अब ग्रामीणों को सरकारी तौर पर नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवायें मिलेंगी। हरियाणा सरकार ने राज्यपाल की स्वीकृति के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को मंजूरी दी है।

सरपंच धर्मपाल समेत ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, विधायक राकेश दौलताबाद का आभा जताया है। प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारी, महिला चिकित्सा अधिकारी, दंत सर्जन, फार्मेसिस्ट, दो स्टाफ नर्स, एमपीएसडब्ल्यू पुरुष, एमपीएसडब्ल्यू महिला, आउट सोर्सिंग के 3 पदों सहित 12 पदों को स्वीकृत किया गया है। ग्रामीण पंडित पातली, चौधरी बलराज सिंह, ईश्वर पहलवान, खेमराम लम्बरदार, आजाद सिंह, मूलचंद, धर्मचंद, मास्टर दयाराम शर्मा, बुधराम यादव, तेजराम यादव, नरेश पंच, कैलाश पंच, अरुण पंच, रवि पंच, सुनील पंच, हेमंत पांच, राकेश पंच, तेजराम पंच आदि ने आभार प्रकट करते कहयह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाजीपुर, फर्रूखनगर जैसे पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

महिला दिवस पर प्लेटिनम इवारा 'शीलीड्स विद हार्ट' भावना वाली महिला लीडर्स को कर रहा है सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत यह कहना कम होगा कि 2020 ने आत्मविश्लेषण के लिए मजबूर कर दिया और हमारे जीवन में काफी व्यवधान डाला। इसने हमारे जीवन के हर पक्ष का स्वरूप बदल दिया। हर अनुमानित परिवर्तन बहुत तेजी से हुआ। इसमें नेतृत्वकर्ता भी शामिल थे। एक अच्छा नेतृत्वकर्ता कैसे बनता है, इसका पुर्नमूल्यांकन करने की तीव्र पुकार उठी। इसका मतलब था कि अतीत की निरंकुश नेतृत्व की शैली से हटकर ज्यादा सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए। अब काम ऊपर से नहीं, बल्कि अंदर से संचालित किया जाता है।

इस अवसर पर मिस सुजला मार्टिस, डायरेक्टर- कंज़्यूमर मार्केटिंग, प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल, इंडिया ने कहा, ''शुरू में दिल से नेतृत्वकर्ता नेतृत्व का नारीत्वपूर्ण संस्करण लगता था, लेकिन दुनिया ने आज इसे अपना व इसका विकास कर लिया है। ये गुण अधिकांश महिलाओं में स्वाभाविक होते हैं और हमारा मानना है कि इन्हें इंगित करने के लिए और इनकी खुशी मनाने के लिए महिला दिवस से अच्छा अवसर कोई नहीं। यह हमारा प्रतिनिधित्व एक मैटल की भांति करता है, क्योंकि इस तरह का मूल्य काल से परे व दुर्लभ है।'' इस खूबसूरत डिजाइन के मुकाबले दिल से नेतृत्व का उदाहरण और कुछ नहीं।

दुर्लभ प्लेटिनम में इंटरकनेक्टेड मेश के साथ बना यह डिज़ाईन इस बात का प्रतीक है कि आप अपने सफर में किस प्रकार सदैव लोगों को साथ लेकर चलती हैं। यह उन मूल्यों को प्रदर्शित करता है, जो आप आपके हृदय के नज़दीक रखते हैं। केंद्र में हीरों से जड़े और कोणीय रूप से बढ़ता हुआ यह डिज़ाईन दृढ़ता प्रदर्शित करता है। चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़नी की आपकी क्षमता दर्शाता है। प्लेटिनम की आंतरिक शक्ति भी इसी मूल्य के अनुरूप है। हीरों से जड़े केंद्र में स्थित यह खूबसूरत पीस उन मूल्यों को प्रदर्शित करता है, जो आप अपने साथ रखती हैं। करुणा, सहानुभूति, दृढ़ता के ये मूल्य आपके हर सफर में आपका मार्ग तय करते हैं। बीतते समय के बाद भी चमक बरकरार रखने वाले मैटल में बना हीरों से जड़ा यह बैंड, जिसमें सबसे ऊपर प्लेटिनम है, और दूसरी तरफ रोज़ गोल्ड, यह आपके द्वारा अपनी व्यक्तिगत अद्वितीय का सम्मान करने वाले लोगों को साथ लेकर चलने के मार्ग को प्रतिबिंबित करता है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मार्च, 2021

जागरुकता के बिना महिलाओं का सुरक्षित रहना मुश्किल

कविता। फरीदाबाद

महिला दिवस से पहले जिले में एक ऐसी घटना सामने आई, जिसे सूनकर रूह कांप जाएगी। किशोरी को डरा धमका कर युवक अपने साथ ले गया। जहां दो बार किशोरी ने खुदखुशी का प्रयास तक कर दिया। अखिरकार किशोरी को पुलिस ने झारखंड से बरामद कर लिया।

जिला बाल संरक्षण विभाग की काउंसलर अपर्णा ने बच्चियों, किशोरियों को जागरूक करते हुए कहा है कि वह स्वयं जागरूक रहे। ताकि आने वाले समय में उन्हें परेशानियां न झेलनी पड़े।

यह था मामला

थाना सारन इलाके में रहने वाली एक किशोरी से एक युवक ने नाम बदलकर दोस्ती कर ली। युवक दिसंबर 2020 में किशोरी घर पहुंच गया और अकेला देखकर दुष्कर्म कर दिया। किशोरी ने डर से किसी को कुछ नहीं बताया। लेकिन युवक ने उसका जीना दुश्वार कर दिया और गत आठ दिसंबर को युवक एक ऑटो लेकर आया और दुष्कर्म की विड़ियों वायरल की धमकी देकर साथ चलने को कहने लगा। जिस पर किशोरी ऑटो में उसके साथ बैठ गई। ऑटों से आरोपी उसे दिल्ली मौजपुर अपने पिता के घर ले गया। वह उसे कमरे में ताला बंद करके रखने लगा। जहां युवती को पता चला कि आरोपी विशेष समुदाय से संबंधित है और फर्जी नाम रखा हुआ। पता चलने पर जहर खाकर मरने का प्रयास किया। जिस पर युवक के पिता ने उसे अपने भाई (चाचा) के घर झारखंड जाने को कहा। जहां युवक ने किशोरी से निकाह करने की योजना बनाई। जिस पर युवती द्वारा दोबारा जहर खाने से उसकी हालत नाजुक हो गई।

पुलिस को लगी भनक

वहीं किशोरी के परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी थी, जिस पर पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। पुलिस को पता चला कि युवक का पिता दिल्ली में है। उससे पूछताछ की तो पता चला की किशोरी झारखंड में है। जहां पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को एक मार्च को बरामद करते हुए फरीदाबाद लाकर परिजनों के हवाले कर दिया।

रहें सतर्क

काउंसलर अपर्णा ने कहा कि ऐसे मामले बहुत हो रहे है। इनसे बचाने के लिए युवती, किशोरियों और महिलाओं को सर्तक व जागरूक होना पड़ेगा। जब तक वह स्वयं जागरूक नहीं रहेंगी, तब तक वह सेफ नहीं है। उन्हें अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए जागरूक होना पड़ेगा और स्वयं का बचाव करना सिखना होगा।

पुलिस ने बच्चे को परिजनों तक पहुंचाया

फरीदाबाद। पुलिस चौकी संजय कॉलोनी प्रभारी उप निरीक्षक रामवीर सिंह की टीम ने 7 वर्षीय बच्चे को उनके परिजनों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

पुलिस टीम अपने थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी कि सोहना रोड पर एक 7 वर्षीय बच्चा लावारिस अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने बच्चे की सुरक्षा को देखते हुए उससे उसका नाम और परिजनों के बारे में पूछताछ की। बच्चे ने अपना नाम और परिजनों के बारे में तो बता दिया परंतु वह अपने घर का पता बताने में असमर्थ था।

महिला दिवस सम्मान समारोह में आग से अफरातफरी, हादसा टला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कन्वेनशन हॉल सेक्टर 12 फ़रीदाबाद में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा फ़रीदाबाद द्वारा महिला सम्मान समारोह आयोजित किया। लेकिन उसी दौरान हॉल के एक बिजली के पैनल अचानक आग लग गई। हालांकि आग पर तुरंत पा लिया गया। लेकिन हॉल में धुंआ बुरी तरह भर गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। थोड़ी देर बाद ही स्थिति काबू में आने के बाद कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाया जाने लगा।

महिला सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि महिला शक्ति अपरंपार है। महिला एवं पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। एक सफल पुरुष के पीछे एक महिला का हाथ होता है और एक सफल महिला के पीछे एक पुरुष का हाथ होता है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के राज्यमंत्री चौधरी कृष्णपाल गुर्जर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर स्थानीय कन्वेंशन हॉल में आज महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में वर्ष 2014 में पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ बेटी को आगे बढ़ाओ, बेटी को आगे बढाओ अभियान की शुरुआत करके महिलाओं के प्रति साकारात्मक सोच को क्रियान्वित करने काम किया था। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए महिला समूह बनाकर उन्हें स्वरोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हम महिलाओं को मां, बहन, पत्नी और बेटी के रुप में देखते हैं। महिलाएं करुणा का सागर होती हैं।

महिला दिवस को विधायक सीमा त्रिखा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा,मेयर सुमन बाला, राजबाला सरदाना,प्रवीण जोशी, रेनू भाटिया,प्रतिभा तिवारी, ममता राठौर, किरण चौधरी सहित कई गणमान्य महिलाओं ने सम्बोधित किया।

इस अवसर पर राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाली पार्षद नीतू भाटी, ललिता यादव, सोमलता भड़ाना, गीता रक्षवाल को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। फरीदाबाद की पंच, सरपंच व ज़िला परिषद की और एनजीओ के माध्यम से महिलाओं के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहनों को सम्मानित किया गया।

किन्नर समाज की संजना बाई जो बहुत से सामाजिक और धार्मिक कार्यों से जुड़ी हैं उनको भी सम्मानित किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई है।

कोरोना : 12 पॉजिटिव से आंकड़ा 46592

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार सामने आ रही है। जिले में रविवार को 12 पॉजिटिव सामने आए हैं। जिसमें सेक्टर-29, सेक्टर-39, एनएच-एक, सेक्टर-23, सेक्टर-88, सेक्टर-37, ग्रीन फिल्ड कालोनी, डबुआ कालोनी से 1-1 मरीज है।

वहीं सेक्टर-15 और 15 से 2-2 मरीज शामिल है। जिले का कुल आंकड़ा 46592 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ राहत की बात यह रही कि जिले में 9 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 98.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल जांच	: 547898
अब तक पॉजिटिव	: 46592
अब तक नेगेटिव	: 500057
रिपोर्ट आनी शेष	: 1249
रविवार को सैम्पल	: 912
ऑक्सीन पर है	: 2
अब तक मौत	: 418
अब तक ठीक	: 46077

संक्षिप्त समाचार

एमएसएमई सेक्टर का विकास और रोजगार बढ़ाने का लक्ष्य

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार का लक्ष्य एमएसएमई सेक्टर का विकास और रोजगार में बढ़ौतरी है और इस संबंध में विभिन्न योजनाओं द्वारा उद्योगहित में कार्य किया जा रहा है। एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक अनुराग अग्रवाल ने यहां पीएचडी चैम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन फरीदाबाद के साथ आयोजित एमएसएमई कन्क्लेव में उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने अपने उद्देश्य के अनुरूप औद्योगिक नीति-2020 तैयार की है ताकि विकास को और तीव्र गति प्रदान की जा सके। अग्रवाल ने बताया कि फरीदाबाद में सड़कों की दशा में सुधार के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर व कनैक्टिविटी के संबंध में नीति तैयार की गई है। इससे पूर्व अनुराग अग्रवाल व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिये प्रभावी पग उठाने का आग्रह किया। मल्होत्रा ने अग्रवाल से आग्रह किया कि वे कोर्ट केसिज तथा विभिन्न कारणों से लंबित प्रोजैक्टों को पूरा करने के लिये कदम उठाएं। आपने डीएलएफ तथा एनआईटी क्षेत्र में कॉमन इफलुएन्ट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने, नॉन कन्फर्मिंग एरिया में उद्योगों को नियमित करने, 70 प्रतिशत से अधिक उद्योग होने की स्थिति में औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने का आग्रह करते हुए जानकारी दी कि एक सर्वे के अनुसार 212029 उद्योगों में से 15246 यनिट नॉन कन्फर्मिंग क्षेत्र में कार्यरत हैं।

पहली बार डॉग लवर्ज की मीटिंग

फरीदाबाद। टाउन पार्क में रविवार शाम को फ़रीदाबाद में पहली बार डॉग लवर्ज ने मीटिंग का आयोजन किया। कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया। कई सॉसायटीज़ में स्ट्रीट व घरेलू डॉग्स के कारण रेज़िडेन्स में आपस मे बढ़ते हुए विवादों को देखते हुए यह फैसला किया गया कि समाज में इस तरह की घटनाएं ना हों व सामाजिक सौहार्द्र बना रहे। इसके लिए कारगर कदम उठाए जाएं। इस मुद्दे के साथ-साथ डॉग्स के टीकाकरण व समितियों के गठन के साथ साथ कई मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ। जिनको आने वाले दिनों में कार्यरूप दिया जाएगा व फ़रीदाबाद के और लोगों को भी इस मुहिम से जोड़ा जाएगा। अगली मीटिंग इसी माह की अंत में आईपी कॉलोनी क्षेत्र में होना तय किया गया। इस मीटिंग में उमा, कणिका, डाली भारद्वाज, शीना जुतशि, अनीता सभरवाल उनकी साथी, अभय, विंग कमांडर सतिंदर दुग्गल (रिटायर्ड) अधिवक्ता व अन्य शामिल हुए ।

विधायक ने सुनी समस्याएं

फरीदाबाद। आरडब्ल्यूए सेक्टर-7 डी (पश्चिम) के सभी निवासियों ने बड़े उत्साह के साथ विधायक, फरीदाबाद, नरेंद्र गुप्ता के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया। विधायक ने अपने स्वागत समारोह में बडी संख्या में एकत्रित आरडब्ल्यूए सदस्यों को सम्बोधित करते हुए- उनके द्वारा-योगशाला बनाने एवं पार्कों की कायाकल्प करने, रैनी वैल से ड्रिंकिंग वॉटर सप्लाई को दुरुस्त करने, सीवर लाइन को बदलने, विद्युत ट्रांसफार्मर के स्थान को बदलने आदि मांगों को सहर्ष स्वीकार करने की घोषणा की। स्वागत समारोह को आरडब्ल्यूए प्रधान डीसी चौधरी, पूर्व प्रधान बलबीर चौधरी, रणबीर चौधरी, केसी अग्रवाल, एन के गर्ग ने सम्बोधित किया। एचएन शर्मा, केडी मलिक, राजेश शर्मा, उत्पल चौधरी, शुभम गुप्ता, रमेश धमीजा, चंद्र किशोर मंगला, गोल्डी, अजीत नम्बरदार आदि अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अवसर पर शिरकत की।

ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में महिला दिवस पर हुआ शानदार कार्यक्रम

फरीदाबाद। महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए सेक्टर 79 स्थित ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में महिला दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में महिलाओं पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम किए गए। जिसमें शहर की महिलाओं ने हिस्सा लेकर सफल बनाया। इस दौरान ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में काफी संख्या में लोग उमड़े। कार्यक्रम में तमाम गतिविधियों का आयोजन हुआ। तंबोला सहित महिलाओं के बीच कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके बाद बैंड, डांस ट्राप और नुक्कड़ टीम ने समाज में महिलाओं के उत्थान व जागरूक करने का संदेश भी दिया। इस संदेश से उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की। वहीं एंकर श्वेता कपूर ने सभी गतिविधियों को संचालित किया. कार्यक्रम के अंत में गतिविधियों में शामिल महिलाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा ड्रैगन फ्लाई इफेक्ट बैंड, अस्मिता थिएटर के साथ फिर्स सोल, ब्रेव हार्ट, और स्ट्रांग माइंड' के संदेश के साथ एक सेल्फी बूथ स्थापित किया गया। कई महिलाएं फोटो और वीडियो क्लिक करते हुए दिख रही थीं। हरेक साल की तरह इस साल भी ओमेक्स ग्रुप ने महिला दिवस पर सशक्त महिला, सशक्त समाज की धारणा लेकर ओमेक्स वर्ल्ड स्ट्रीट में कार्यक्रम आयोजित किया। समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, और जिस तरह से महिलाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इससे समाज में महिलाओं के उत्थान और जागरूकता का संदेश जाएगा।

पार्षद ने पूर्व मंत्री विपुल गोयल से की मुलाकात

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष और नगर निगम के वार्ड नंबर 28 के पार्षद नरेश नंबरदार ने अपने मोर्चा के सभी सदस्य और पदाधिकारियों के साथ पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल से उनके निवास स्थान पर शिष्टाचार भेंट की और मार्गदर्शन लिया। इस अवसर पर गोयल ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए पार्षद नरेश नंबरदार को अनुसूचित मोर्चा का ज़िला अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है और ना ही कोई परिवारवाद कि राजनीती है, पार्टी सभी को मौका देती है। इसलिए खुदको छोटा बड़ा ना समझते हुए पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी का सबसे पहला कर्तव्य यही है कि जो भी योजना सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं उनका आम जनता तक लाभ पहुंचना, यही पार्टी के सच्चे सिपाही होने का कर्तव्य है। गोयल ने कहा कि आप सभी पार्टी के मजबूत स्तंभ है, इसलिए फरीदाबाद जिले के चुने हुए प्रतिनिधियों से लगातार संपर्क करते रह कर सभी आमजन की समस्याओं से प्रतिनिधियो को रूबरू करवा कर उनका समाधान करवाना भी सभी कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता होनी चाहिए।

भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस चलाएगी अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देश में निरंतर बढ़ रही महंगाई को लेकर अब कांग्रेसियों ने केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता अब घर-घर जाकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीति के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे।

इसी कड़ी में बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल के मोहना रोड स्थित कार्यालय पर एक कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से हरियाणा कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनम चौहान और कांग्रेस सेवादल महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष सुनीता शर्मा मौजूद रही। बैठक में पहुंचने पर कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं को बुक्के देकर उनका स्वागत किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने आगामी दिनों में रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के अलावा भाजपा सरकार में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को लेकर विचार विमर्श किया गया और आगे की रूपरेखा बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूनम चौहान और सुनीता शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि देश व प्रदेश में जहां एक ओर बेरोजगारी व महंगाई की समस्या अपनी चरमसीमा पर पहुंच चुकी है वहीं रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं, पिछले कुछ महीनों में ही रसोई गैस सिलेंडर के दाम 225 रुपये तक बढ़ाए जा चुके हैं, जिससे आम गृहणी के रसोई का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है।

बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन

फरीदाबाद। भाजपा शासन मे बढती मंहगाई, भ्रष्टाचार, बढती वेरोजगारी, चौपट कानून व साफ सफाई व्यवस्था तथा तीनों काले कृषि कानूनों के विरोध में आज युवा कांग्रेसी नेता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में एक विशाल प्रदर्शन बल्लभगढ शहर के मुख्य बाजार में किया गया।

इस प्रदर्शन में हरियाणा प्रदेश के पूर्व मंत्री तथा प्रदेश के तेजतर्रार कांग्रेसी नेता करण सिंह दलाल, पूर्व विधायक उदयभान, ललित नागर, पूर्व पार्षद जगन डागर सहित सैकडों की संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व बल्लभगढ की अनाज मंडी स्थिति जिला ब्राह्मण धर्मशाला में कांग्रेस के सभी कांगेसी नेता व हजारों की संख्या में कार्यकर्ता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में एकत्रित हुए तथा फिर जलूस के रुप में ब्राह्मण धर्मशाला से मुकेश कालोनी होते हुए मोहना रोड के गुप्ता होटल चौक से मुख्य बाजार में प्रवेश किया तथा महाराजा अग्रसैन चौक पर समाजवाद के प्रर्वतक महाराजा अग्रसैन की प्रतिमा पर माल्र्यापण कर मुख्य बाजार होते हुए बाबा भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्र्यापण कर किया गया।

'महिला वॉकथॉन' से महिला सशक्तीकरण का सन्देश दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेक्टर-30-33 में आईपी कॉलोनी रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन और क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल ने मिलकर एक 'महिला वॉकथॉन एवं हेल्थ अवेयरनेस टॉक' कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस खास कार्यक्रम की शुरुआत 'महिला वॉकथॉन' से की गई जिसे मुख्य अतिथि के रूप में क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल की स्त्री रोग विभाग की निदेशक डॉ. निशा कपूर ने हरी झंडी दिखाई। इस वॉकथॉन में 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया जिन्होंने लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी तय की। महिलाओं के लिए योग सेशन भी रखा गया। इस मौके पर म्यूजिकल रेस, लेमन रेस, रैंप वाक और अंताक्षरी जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किये गए। इस अवसर पर क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल से स्त्री रोग विभाग की निदेशक डॉ. निशा कपूर, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा गोयल, आईपी कॉलोनी के रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट जे.पी. भारद्वाज, जनरल सेक्रेटरी दीपक गोयल, खजांची अनुज गर्ग सहित सोसाइटी के अन्य लोग उपस्थित रहे।

क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल से स्त्री रोग विभाग की निदेशक डॉ. निशा कपूर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं में स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता लाना बहुत आवश्यक है। अगर महिला स्वयं स्वस्थ रहेगी तो वह अपने परिवार की भी अच्छे से देखभाल कर पायेगी। आज ज्यादातर समस्याएँ लाइफस्टाइल से जुडी होती हैं। अक्सर महिलाएं सोचती हैं कि पूरे परिवार के भोजन करने के बाद ही खाना खायेंगी।

श्रीराम जी को वन जाते हुए देख भावुक हुए श्रोता

फरीदाबाद। राजीव कालोनी हार्डवेयर चौक में चल रही श्री राम कथा सुनाते हुए महराज आचार्य सर्वेश पाण्डेय ने बताया नवागत बधू का स्वागत हुआ अयोध्या में आरती उतारी गई सभी माताएं सरयूकी पवित्र धारा में स्नान करने के लिए गई। शिव अभिषेक करते हुए प्रभु से वरदान मांग रहीं हैं-सबके ऊर अभिलाष अस कह हीं मनाई महेश। आप अक्षत युवराज पद रामहि देही नरेश। भगवान राम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही है।

मंथरा ने कैकई को भड़काया, कैकेई ने महाराज दशरथ से दो वरदान मांगे पहला भरत को राजगद्दी, दूसरा राम जी को 14 वर्ष का वनवास। जहां अयोध्या में खुशियों की लहर चल रही थी। वही राम जी को बन जाता हुआ देखकर श्रद्धालु भावुक हो गए। सब की आंखें नम हो गई। आचार्य सर्वेश पांडे ने बताया- छा गई है अवध में उदासी राम जी आज बन जा रहे हैं। रो रहे हैं अयोध्या के वासी राम सीता लखन जा रहे हैं।। कार्यक्रम में सीपी पांडे, सीएम त्रिपाठी, पप्पू त्रिपाठी, बिजेंद्र सिंह, दीपक पाठक, रामसूरत तिवारी, डीके सिंह, घनश्याम सिंह, जितेन्द्र गौतम, हरिगोबिंद आदि उपस्थित हुए ।

मंत्री ने महिलाओं को दिया हर डिपो में स्पेशल बस का तोहफा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महिला दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने महिलाओं को तोहफा दिया। उन्होंने कहा कि 8 मार्च से प्रदेश के हर डिपो से महिलाओं के लिए स्पेशल बसें चलेंगी। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने यह घोषणा स्थानीय गोल्ब क्लब मे सिटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित प्रेस मिलन समारोह में की। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा है कि 8 मार्च को महिला दिवस के मौके पर महिलाओं के लिए स्पेशल बस सेवा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन में घुसपैठिए घुसे हुए हैं। सरकार किसी के ऊपर कानूनों को थोपना नहीं चाहती। प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का पत्रकारों द्वारा भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के मौके पर स्पेशल बस सेवा महिलाओं के लिए शुरू की गई है और हम सबको जगत जननी महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने किसान आंदोलन पर बोलते हुए कहा कि किसान आंदोलन में घुसपैठिए घुसे हुए हैं । जो किसानों के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी और मनोहर किसानों के लिए बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं और इन कानूनों से किसानों का भला होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसी के ऊपर भी यह कानून थोप नहीं रही है। जिसको कानून अपनाना है वह अपनाए वरना पिछली व्यवस्था से भी अपना काम कर सकता है। किसी के ऊपर कोई जोर जबरदस्ती नहीं है। कैबिनेट मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा गोल्फ क्लब में फरीदाबाद सिटी प्रेस क्लब द्वारा आयोजित प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुँचे थे। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा का शहर के सीनियर पत्रकारों द्वारा जोरदार स्वागत किया। फरीदाबाद सिटी प्रेस क्लब द्वारा कार्यक्रम में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व सन्ध्या पर महिला पत्रकारों का भी कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा से स्वागत कर महिला पत्रकारों को सम्मानित करवाया गया। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने प्रेस क्लब को नीजी कोष से 21 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की।

सडक़ निर्माण की मांग को लेकर कल निकालेगें थ्रीव्हीलर रैली

फरीदाबाद। शहीद बाबा दीप सिंह चौक (प्याली) से हार्डवेयर चौक तक सडक़ निर्माण हेतु अनशन कारी बाबा राम केवल तथा क्षेत्रवासियों द्वारा चलाए जा रहे धरना रविवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। धरने को समर्थन देने तमाम समाजिक संगठन पहुंचे।

जिसमें एक बैठक कर निर्णय लिया गया कि सोमवार 8 मार्च को थ्री व्हीलर रैली निकाली जाएगी। यह रैली सुबह 11 बजे शुरू होकर शहीद बाबा दीप सिंह चौक(प्याली) से हार्डवेयर चौक निकाली जाएगी। इसके बाद आगामी रविवार 14 मार्च 2021 को क्षेत्रवासियों द्वारा शहीद बाबा दीप सिंह चौक पर भारी संख्या में एकत्र होने का और प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। इसी रोड पर दुर्घटना में मृतक सचिन शर्मा के परिजन भी समर्थन देने पहुंचेंगे। बाबा राम केवल ने कहा हमने नेताओं की कार्यप्रणाली को बड़े नजदीक से देखा है जिन प्रोजेक्टों पर अति शीघ्र कार्य करना होता है उनको बिना टेंडर बिना अनुमति के भी देशकाल परिस्थितियों को देखकर शुरू कर दिया जाता है।

एशियन कॉरपोरेट क्रिकेट लीग का फाइनल मैच एडिटर 11 ने जीता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एशियन कॉरपोरेट क्रिकेट लीग का फाइनल मैच लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में सर्वोदय हॉस्पिटल और एडिटर 11 की टीम के बीच खेला गया। सर्वोदय हॉस्पिटल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

एडिटर 11 के सामने अपने सभी विकेट गवाकर 94 रन का लक्ष्य रखा। सर्वोदय हॉस्पिटल के बल्लेबाज रामेश्वर राजपूत ने 23 रन और आशीष तोमर ने 20 रन बनाए। देवेंदर ने 15 रन बनाए और विशाल राजपूत ने 7 रन बनाए। एडिटर 11 के एस राणा और अंकित भार्गव ने 3-3 विकेट लिए। राजिंद्र बिष्ट ने 1 विकेट लिया। जवाब में एडिटर 11 की टीम ने अपना कोई भी विकेट गवाए आसानी से 94 रन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। एडिटर 11 के राजिंद्र बिष्ट ने 29 रन, अलोक ने 61 रन, बनाए। वहीं सर्वोदय अस्पताल के आशीष तोमर ने 2 ओवर में 15 रन दिए। महेश ने 2 ओवर में 28 रन दिए। देवेंद्र ने 1 ओवर में 18 रन दिए। प्रदीप और रामेश्वर ने भी 1-1 ओवर में 11 रन दिए। मैच के समापन पर मुख्यातिथि के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम पूर्व क्रिकेटर विजय यादव और अन्य गणमान्य लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे। मैन ऑफ़ दा मैच के एस राणा और बेस्ट बैट्समैन का खिताब रामेश्वर राजपूत और बेस्ट बॉलर का खिताब महेश को दिया गया।

राम मंदिर निर्माण

छुद्र राजनीति का हिस्सा नहीं

कुछ राजनेता राम मंदिर के नाम पर मतदाताओं को ललचा रहे हैं, पर मतदाताओं को ऐसी राजनीतिक से सतर्क रहना चाहिए। भगवान राम सबके हैं। करोड़ों लोगों के लिए वे उनके अस्तित्व का अंग और 'भारतवर्ष की आत्मा' हैं। हिंदी पट्टी में 'राम राम' अभिवादन का अंग है और भगवान राम की तरह कोई भी करोड़ों लोगों का हृदय नहीं स्पर्श करता है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मुख से भी अंतिम शब्द 'हे राम' निकले थे, जब नाथूराम गोडसे ने उनको तीन गोलिया मारी थीं। चाहे 'जय श्रीराम' हो या 'हे राम' या 'राम राम', इस नाम में कुछ भी विवादासपद नहीं है। लेकिन इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ लोग इस नाम का प्रयोग मतदाताओं के ध्रुवीकरण के लिए कर रहे हैं और यह कुछ समय पहले सांप्रदायिक विवादों के केन्द्र में था। इस बार अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के लिए दान प्राप्त करने के अभियान का प्रयोग चार राज्यों व एक केन्द्रशासित क्षेत्र में विधानसभा चुनावों से पहले विवादास्पद मुद्दे के रूप में हो रहा है। इस विवाद में नवीनतम तीर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने छोड़ा है। राज्य विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने दान प्राप्त करने के अभियान को चुंगी वसूली बता दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण के लिए दान न देने के कारण उनको धमकी दी गई। उन्होंने व्यंग्य से आरोप लगाया कि क्या भाजपा भगवान राम का प्रयोग उनके नाम में 'चुंगी' वसूली के लिए कर रही है? किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि नाना पटोले जैसे

शक्तिशाली नेता ऐसी बात करेंगे जिनकी पार्टी शिवसेना और रांकापा के साथ सत्ता में है। यह भी कल्पना से परे है कि व्यापक प्रभाव रखने वाले नेता को कोई दान प्राप्त करने के लिए 'धमकी' दे सकता है। इस प्रकार का आरोप छुद्र राजनीति है तथा इस बात का संकेत देता है कि कुछ लोग समाज में अशांति पैदा करना चाहते हैं। लगभग इसी तरह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री व जेडीएस नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने पिछले महीने राम मंदिर दान प्राप्त अभियान की छवि खराब करने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि दान प्राप्त करने वाले पैसा न देने वाले लोगों के घरों पर निशान लगा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यह कृत्य एडोल्फ हिटलर के शासनकाल में नाजियों के कृत्य जैसा है। राजनीतिक के दृष्टिकोण से देखें तो नाना पटोले का बयान कांग्रेस को कुछ लाभ दिलाने का प्रयास है जो विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यक वोटों पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल में वोटों के लिए इस्लामी संगठन इंडियन सेक्युलर फ्रंट के साथ गठबंधन हो या केरल यात्रा के समय राहुल गांधी के विवादास्पद बयान, सभी 'देश की सबसे पुरानी पार्टी' की विभाजनकारी राजनीति की ओर संकेत करते हैं। इस बीच दुनिया भर से भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। निश्चित रूप से भाजपा मंदिर निर्माण के नाम पर हिंदू मत प्राप्त करना चाहती है। लेकिन मतदाताओं के लिए यह उचित होगा कि वे अपने मतों का प्रयोग सावधानी से तथा न्यायोचित रूप से करें और केवल राजनेताओं की घोषणाओं पर निर्भर न हों। उनको भगवान के नाम पर वोट नहीं देने चाहिए क्योंकि धर्म को राजनीति से दूर रखना चाहिए। इसके बजाय जन कल्याण नीतियों, कार्य क्रमों और विकास को मतदाताओं के लिए प्राथमिकता बनाना चाहिए। याद रखें कि भगवान राम 'मर्यादा पुरुषोत्तम' हैं, पर अनेक राजनेताओं की कोई मर्यादा नहीं है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए बिडेन प्रशासन का एक महत्वाकांक्षी एजेंडा है लेकिन रास्ते में बाधाएं हैं।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक दि पायनियर के परामर्शकारी संपादक हैं)

ट्रम्प प्रशासन, पर्यावरण को बचाने की लड़ाई के लिए एक अनियंत्रित आपदा बनकर सामने आया था, जिसे जनता ने अपदस्थ कर दिया। हालांकि, इसके लिए स्वर्ग को धन्यवाद देना पर्याप्त नहीं होगा। बुद्धिमान नेतृत्व, निधियों का व्यापक आवंटन और पिछले चार वर्षों के दौरान हुई क्षति को पूर्ववत करने के लिए वैश्विक स्तर पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है जो उस भूमंडलीय तापन से निपटने के लिए आगे कदम बढ़ाने में सक्षम हो, जिससे मानव जाति का सफाया होने का खतरा है।

यहां दो सवाल उठते हैं। ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने के लिए राष्ट्रपति जो बिडेन की प्रतिबद्धता कितनी गहरी है? उनके प्रशासन को किस तरह की बाधाओं को पार करना होगा? पहला यह , उन्होंने घोषणा की है कि जलवायु परिवर्तन ग्रह के लिए एक संभावित खतरा है। उन्हें जलवायु परिवर्तन अग्रणी कहा गया है, जो मानते हैं कि लोगों के पास इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक नैतिक और आर्थिक अनिवार्यता है। उनके पास 2 ट्रिलियन डॉलर की स्वच्छ ऊर्जा योजना है, और अपने वर्तमान कार्यालय को संभालने से पहले बताते हुए रिकॉर्ड पर है कि, राष्ट्रपति के रूप में, वो यह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका ने 2050 तक 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था और शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल किया है। इस लक्ष्य का एक हिस्सा, वह 2035 तक अमेरिकी पावर ग्रिड कार्बन को तटस्थ बनाना चाहता है।

उनकी प्रतिबद्धता उनके ट्रैक रिकॉर्ड में दिखाई देती है। 1986 में, उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में पहले जलवायु विधेयकों में से एक को पेश किया। 1998 में, उन्होंने उष्णकटिबंधीय वन संरक्षण अधिनियम के अधिनियमन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने अमेरिका को ऋण राहत के बदले में उष्णकटिबंधीय जंगलों के संरक्षण के लिए विदेशी सरकारों के साथ समझौतों तक पहुंचने की अनुमति दी। अमेरिकी सीनेट विदेश संबंध समिति (2001-2003 और 2007-2009) के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर कई सुनवाई आयोजित की और इस मुद्दे पर कई गैर-बाध्यकारी प्रस्तावों के लिए समर्थन प्राप्त किया।

राष्ट्रपति के रूप में, वह जलवायु परिवर्तन को अपने प्रशासन का केंद्रीय मुद्दा बना रहे हैं और इसका मुकाबला करने के लिए दो-आयामी दृष्टिकोण का विषय है। पहला एक दुर्जेय प्रशासनिक बुनियादी ढाँचे की स्थापना है; दूसरा इसके सभी आयामों और इसके साथ सामना करने के लिए सक्षम और समर्पित लोगों की नियुक्ति में समस्या की अवधारणा है। वह पहले ही दूसरे के साथ प्रगति कर चुका है। नवंबर 2020 में, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लंबे समय बाद, उन्होंने जॉन केरी का नाम लिया, जो ओबामा प्रशासन में राज्य सचिव और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के एक प्रमुख वास्तुकार (दिसंबर 2015) थे, जलवायु के लिए उनके विशेष राष्ट्रपति दूत के रूप में। परिवर्तन। उन्होंने अपने जलवायु एजेंडे के कार्यान्वयन के समन्वय के लिए घरेलू जलवायु परिवर्तन नीति का एक व्हाइट हाउस कार्यालय स्थापित किया है। दरअसल, राष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने व्हाइट हाउस में इकट्ठे किए गए जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञों की सबसे बड़ी टीम को इकट्ठा किया है। अधिक, एनविल पर एक राष्ट्रीय जलवायु कार्य बल है जिसमें 21 सरकारी एजेंसी के नेता शामिल हैं, और एक पर्यावरणीय न्याय अंतर-एजेंसी परिषद है जो जलवायु परिवर्तन और वायु और जल प्रदूषण से उत्पन्न नस्लीय और आर्थिक असमानताओं को संबोधित करती है।

राष्ट्रपति बिडेन ने पहले ही कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कार्यालय में अपने पहले दिन, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते में अमेरिका की वापसी के लिए कागजी कार्रवाई पूरी हो गई थी। उसने मैक्सिको की खाड़ी में रिफाइनरियों में कनाडा के अल्बर्टा से तेल लाने के लिए कीस्टोन एक्सएल ऑयल पाइपलाइन के निर्माण के लिए टीसी एनर्जी कॉर्पोरेशन को दी गई अनुमति को रद्द कर दिया। ओबामा प्रशासन ने पर्यावरण को होने वाले गंभीर नुकसान के लिए 2015 में इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रम्प ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। इसके अलावा, व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, बिडेन आंतरिक विभाग को निर्देश दे रहे थे कि वे संघीय भूमि और पानी पर सभी तेल और गैस ड्रिलिंग पट्टों को रोकें और जहां तक संभव हो, मौजूदा ऊर्जा पट्टों की समीक्षा करें। कार्यों में उनके घरेलू जलवायु एजेंडे से संबंधित इन और अन्य उपायों के अलावा, उनका प्रशासन ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा पर्यावरण के लिए हानिकारक उपायों पर एक सख्त नज़र दे रहा है। उनमें से कई स्क्रैपिंग के लिए ऊपर होंगे।

राष्ट्रपति बिडेन ने पहले ही कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कार्यालय में अपने पहले दिन, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते में अमेरिका की वापसी के लिए कागजी कार्रवाई पूरी हो गई थी। उसने मैक्सिको की खाड़ी में रिफाइनरियों में कनाडा के अल्बर्टा से तेल लाने के लिए कीस्टोन एक्सएल ऑयल पाइपलाइन के निर्माण के लिए टीसी एनर्जी कॉर्पोरेशन को दी गई अनुमति को रद्द कर दिया। ओबामा प्रशासन ने पर्यावरण को होने वाले गंभीर नुकसान के लिए 2015 में इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रम्प ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। इसके अलावा, व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, बिडेन आंतरिक विभाग को निर्देश दे रहे थे कि वे संघीय भूमि और पानी पर सभी तेल और गैस ड्रिलिंग पट्टों को रोकें और जहां तक संभव हो, मौजूदा ऊर्जा पट्टों की समीक्षा करें। कार्यों में उनके घरेलू जलवायु एजेंडे से संबंधित इन और अन्य उपायों के अलावा, उनका प्रशासन ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा पर्यावरण के लिए हानिकारक उपायों पर एक सख्त प्रतिक्रिया दे रहा है। उनमें से कई खत्म किए जाने के लिए सूची में सबसे ऊपर होंगे।

जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दुनिया से विमुख होने की ट्रम्प प्रशासन की नीति के उलट, व्हाइट हाउस के एक बयान में कहा गया है कि पेरिस समझौतों के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में अमेरिका को वैश्विक नेतृत्व का अभ्यास प्रदान करना चाहिए। जाहिर है, जलवायु परिवर्तन का मुकाबला राष्ट्रपति बिडेन के साथ एक मिशन है, जो कि अमेरिकी कमांडों को भारी शक्ति और संसाधनों को देखते हुए प्रोत्साहित कर रहा है। फिर भी, लंबी बाधाएं रास्ते में रहती हैं। जीवाश्म ईंधन उद्योग की लॉबी ग्लोबल वार्मिंग के लिए ड्रिलिंग और तेल के उपयोग को प्रतिबंधित करने वाली उनकी नीतियों का जमकर विरोध करेगी, और अपनी योजनाओं को पटरी से उतारने के लिए सीनेटरों और प्रतिनिधियों को जुटाने की कोशिश करेगी।

दूसरा, उनके कदम कार्यकारी आदेशों के माध्यम से उठाए गए हैं। इन्हें भविष्य के राष्ट्रपति द्वारा संशोधित किया जा सकता है, जैसा कि वह ट्रम्प के उपायों के संबंध में कर रहे हैं। स्थायित्व के लिए उसे कानून की आवश्यकता होती है, जिसके लिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा के माध्यम से सावधानीपूर्वक नेविगेशन की आवश्यकता होगी जहां डेमोक्रेट के पास एक पतली बहुमत है। अंत में, उसे उस आलोचना का सफलतापूर्वक सामना करना होगा जो पर्यावरण की रक्षा के उपायों का मतलब होगा नौकरी का नुकसान। उन्होंने उत्तरार्ध का समर्थन करने वाले स्वच्छ ऊर्जा और अनुसंधान संगठनों का निर्माण करने वाले नए उद्योगों में नौकरियों की संभावनाओं पर संदेह किया है। लेकिन फिर रोजगार का वास्तव में पालन करना चाहिए।

गरीबों की अघोषित सामाजिक सुरक्षा

वैश्विक महामारी के समय सामाजिक क्षेत्र पर सबका ध्यान गया, पर इसने अतीत में भी राहत के अनेक कार्य किए हैं।

अनुराधा प्रसाद
(लेखिका इंडिया लीडर्स फार सोशल सेक्टर की निदेश हैं)

भारत सरकार द्वारा कोरोनावायरस वैश्विक महामारी पर लगाम लगाने के लिए 25 मार्च, 2020 को राष्ट्रव्यापी लाकडाउन घोषित करने के 12 घंटे के भीतर राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले हजारों प्रवासी मजदूरों के हृदय-विदारक दृश्य सामने आए। रोजगार छिन जाने एवं भूख और गरीबी का सकट सामने आने के कारण विभिन्न शहरों व गांवों से दूर जाकर नौकरी व मजदूरी करने वाले बड़ी संख्या में श्रमजीवी विवश होकर अपने घरों को वापस लौटने लगे।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अनुसार, लाकडाउन के दौरान 1.06 करोड़ से अधिक प्रवासी कामगार अपने घरों को लौटे। सरकार के समक्ष उनके लिए व्यवस्था करने की जबदग्स्त चुनौती सामने आ गई। उनकी यात्रा बहुत थकाने वाली तथा घातक थी क्योंकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 29,415 श्रमिक अपना जीवन खो बैठे। जहां समृद्ध नगरवासी घर पर काम करने की नई व्यवस्था से संघर्ष कर रहे थे, वहीं समाज का एक हिस्सा कोविड-19 के खतरे तथा भूख, बेरोजगारी और विस्थापन का शिकार था। इस मानवीय संकट में पहली सहायता भारत के सामाजिक क्षेत्र तथा सिविल सोसाइटी संगठनों-सीएसओ की ओर से आई। उन्होंने सुनिश्चित किया कि हाशियाकृत जनसंख्या, खासकर प्रवासी व दिहाड़ी मजदूर भूखे न रहें। इस प्रकार सीएसओ ने लाकडाउन के पहले चरण में 30.11 लाख भोजन बांटे। अनेक राज्यों में सिविल सोसाइटी ने सरकार से भी पहले प्रतिक्रिया की। यह ऐसे समय महत्वपूर्ण था जब लाकडाउन की घोषणा के कुछ दिन बाद तक लोगों की पहुंच सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक नहीं थी।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार रिपोर्ट 'कोविड-19 पैनडेमिक: सिविल सोसाइटी रिस्पांस एंड चैलेजेंस अहेड' के अनुसार, सीएसओ ने स्थानीय सरकारों की सहायता से सुदूर क्षेत्रों में अनाज बंटवाने व राहत सेवाओं में साझीदारी निभाई। तत्काल राहत के साथ ही सीएसओ ने कोविड-19 स्वास्थ्य व्यवहारों के बारे में जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मास्क और सेनीटाइजर्स बांटने के साथ सीएसओ ने सोशल डिस्टेंसिंग व स्वच्छता के बारे में जागरूकता भी पैदा की। बुंदेलखंड इनीशियेटिव फार वाटर एग्रीकल्चर एंड लाइवलीहुड्स जैसी पहलों ने स्वयंसहायता समूहों के माध्यम से संयुक्त कार्रवाई की, बुंदेलखंड में परंपरागत जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया ताकि पानी की कमी से निपटने के साथ ही हैंडपंपों व कुंओं पर भीड़ से बचा जा सके।

महिलाओं पर महामारी का ज्यादा प्रभाव पड़ा। उनके श्रमबल में 13 प्रतिशत कमी आई, जबकि पुरुषों में यह कमी 2 प्रतिशत थी। इससे उनकी गरीबी बढ़ी, स्वास्थ्य खराब हुआ तथा उनके प्रति घरेलू हिंसा का खतरा बढ़ा। राष्ट्रीय महिला आयोग ने पिछले साल मार्च-सितंबर में 13,410 जेंडर-आधारित हिंसा के मामले दर्ज किए जिनमें 4,350 घरेलू हिंसा के मामले थे। सामाजिक क्षेत्र ने हिंसा की महामारी के खिलाफ भी प्रतिक्रिया की। दिल्ली के एनजीओ शक्ति शालिनी जैसे संस्थानों ने चौबीसों घंटे की हेल्पलाइन शुरू की। असोसियेशन फार एडवोकेसी एंड लीगल इनीशियेटिव ने महिलाओं को शिकायतें दर्ज कराने तथा सेल्फ इम्प्लायेड वीमेन्स असोसियेशन ने लाकडाउन के कारण दीर्घकालीन रणनीति बनाने मे सहायता की। यह तीन चरणों वाली रणनीति थी जिसमें स्वास्थ्य सुरक्षा, आजीविका बहाली तथा सामाजिक सुरक्षा व खाद्य सुरक्षा शामिल थे।

सामाजिक क्षेत्र ने इस महामारी के दौरान लोगों का ध्यान काफी मात्रा में आकर्षित किया, लेकिन अतीत में भी उसने खामोशी से अनेक पहलें की थीं, चाहे वह अम्फान तूफान से सहायता हो या अभी हाल में उत्तराखंड बाढ़ के दौरान सहायता। इसे देखते हुए यदि भारत को विकास के ज्यादा समतापूर्ण रूप का टिकाऊ विकास लक्ष्य प्राप्त करना हो तो उसे सीएसओ की भूमिका अनदेखी नहीं करनी चाहिए। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के निवेश की आवश्यकता है जिसमें पैसा, जनता तथा उद्देश्य शामिल हैं। हमें कुशल व संवेदनशील नागरिकों की आवश्यकता है जो इस क्षेत्र में सार्थक योगदान कर सकें तथा फेसबुक पर 'डोनेट नाऊ' का बटन भी दबा सकें।

आप की बात

नीरव का प्रत्यर्पण

सरकार के इरादे अगर अटल हों तो समस्या कोई भी हो उसका निदान पाताल से भी संभव है। इसके अलावा बिरादरी में अपनी अहमियत हो तो सोने पर सुहागा। नीरव मोदी कांड में भी यही जाहिर हुआ है। आखिरकार भगोड़े हीरा कारोबारी का भारत प्रत्यारोपण तय हो गया है जहां ब्रिटेन से उसे लाकर बैंकिंग घोटाले की पाई पाई वसूली जा सकेगी। पंजाब नेशनल बैंक में करीब 11:30 हजार करोड़ का घोटाला करके लंदन जा बसे नीरव मोदी की भागदौड़ अब खत्म हो गई है। लंदन के वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट सैमुअल गुजी ने सबूतों को पर्याप्त मानते हुए दोनों देशों के बीच करार के तहत नीरव के प्रत्यारोपण को मंजूरी दे दी है। इतना ही नहीं भारतीय न्यायपालिका को निष्पक्ष भी करार दिया है जो बड़ी बात है। भारत सरकार अब मोदी से बैंकिंग घोटाले की पाई पाई मय हर्जाने के वसूलने की हकदार होगी। भारत की इस बड़ी जीत से माल्या जैसे घोटाले बाजों सहित अन्य दागदारों के दिमाग की बत्ती जल गई होगी। प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा भोगती व्यवस्था से सरकार को सबक लेने की जरूरत है ताकि भविष्य में न तो ऐसे घोटाले हो और ना ही दुनियां में कोर्ट कचहरी की दौड़ लगाना पड़े।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

महिला दिवस की सार्थकता

भारत देश संस्कृति सभ्यताओं का ऋषियों, मुनियों का वो देश है जो विश्व पटल पर सफलता का परचम लहरा रहा है। हमारे यंहा विगत वर्षों से दिनों की महत्ता के लिए कहि आयोजन होते है।उसी तारतम्य में 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। अनेको स्थानों पर प्रतियोगिता वेबिनार , नारी शक्ति की सुरक्षा , महत्व पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। खेर रचनात्मक गतिविधियों की आवश्यकता जरूर होना चाहिए ताकि जागरूकता कायम रह सके। परन्तु समझ से परे जब यह लगता है कि कोई भी दिन हो एक दिन बनकर सिमट कर रह जाता है। क्या अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक दिन ही सार्थकता हासिल करें। अन्य दिन फिर ढाक के तीन पात क्यो नजर आते है... ? इस भारत भूमि पर और विश्व की धरा पर नारी हर समय पूज्यनीय है। परन्तु विगत वर्षों से इनके साथ होने वाले अत्याचारों पर , इनके साथ होने वाली दरिन्दगी की घटनाओं पर अगर गौर करे तो नारी का सम्मान कहि न कही हमारी सभ्यता पर कुठाराघात करते नजर आता है। नाबालिगों के साथ शोषण और महिलाओं के साथ होने वाली अशोभनीय घटनाओं से हमे जागरूक होने की जरूरत है।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

एक देश, एक चुनाव

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में पंचायत से संसद तक चुनाव कराने में अरबो रुपये लगते हैं। जो धन विकास के कार्यो में लगना चाहिये। वह धन चुनावों में खर्च होता है। देश मे लम्बे समय तक चुनावी प्रक्रिया होती है। जिससे तमाम समस्याएं और अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है। प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्र एक चुनाव की बात किया था। चुनाव आयोग एक साथ संसद और विधानसभाओं में चुनाव करने को तैयार है। केंद्र सरकार को साहसिक कदम उठाते हुए एक साथ चुनाव करने के लिये कदम उठाना चाहिये।दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका में चुनाव कराने में दस हजार करोड़ रु व्यय वर्ष 2020 में व्यय हुये । जबकि भारत में वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा लगे। हर पांचवें वर्ष चुना कराने का व्यय दुगना हो जाता है। देश के करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने, बेरोजगारी की समस्या और असमानताओं से जूझता समाज। देश हित मे कम खर्चे में चुनाव कराना जरूरी है। सरकार को ई-वोटिंग पर ध्यान देना चाहिए।

– **कुलदीप त्रिवेदी**, उन्नाव

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

किसानों के भले के लिए किए गए सतत प्रयास राज्य में फलीभूत हो रहे हैं और उन्हें अब अपने उत्पादों का बेहतर बाजार मूल्य मिलने लगा है।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

क्या भगवान राम ने भाजपा को धन एकत्र करने का ठेका दिया है? भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर चंदा एकत्र करने वाले वे कौन होते हैं।

– **नाना पटोले**
महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष

जो पैसे की उगाही करने के लिए जाने जाते हैं वे भक्ति को नहीं समझ सकते। यदि आप में साहस है तो चलिए हम राम मंदिर पर चर्चा करें।

– **देवेंद्र फड़नवीस**
भाजपा नेता

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 8 मार्च, 2021

कोरोना का खतरा अभी टला नहीं: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि संक्रमण की दर में कमी के बावजूद कोरोना का खतरा अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कोविड.19 से बचाव व उपचार की प्रभावी व्यवस्था को बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक स्तर पर पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रविवार को अपने सरकारी आवास पर अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने टेस्टिंग कार्य पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश देते हुए फोकस टेस्टिंग किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग तथा सर्विलांस कार्य को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कोरोना वैक्सीनेशन कार्य में देश में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान होने पर संतोष व्यक्त

● कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग तथा सर्विलांस कार्य को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश

करते हुए कोविड टीकाकरण की कार्यवाही को पूरी गति से संचालित करने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य है कि प्रदेश 20 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन की डोज़ लगाने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने समस्त जिलाधिकारियों तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने जनपद में वैक्सीनेटर किए गए लोगों का डाटा नियमित रूप से प्रतिदिन शाम 5 बजे तक पोर्टल पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को कोविड वैक्सीनेशन कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि लक्षित आयु वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश द्वारा ई.संजीवनी एप के माध्यम से देश में सर्वाधिक ऑनलाइन कंसल्टेशन प्रदान किये जाने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने ई.संजीवनी एप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोगों को इसके माध्यम से ऑनलाइन चिकित्सीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के सम्बन्ध में निरन्तर जागरूक करते हुए मास्क के अनिवार्य उपयोग तथा सोशल डिस्टेंसिंग अपनाने के सम्बन्ध में जानकारी दी जाए। उन्होंने जागरूकता सृजन की कार्यवाही में विभिन्न संचार माध्यमों के साथ-साथ पब्लिक एड्रेस सिस्टम का भी व्यापक उपयोग किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव आरके तिवारी, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज एवं ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सीएम ने दी बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और समाज की प्रगति के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक है। हमारे इतिहास में अनेक महिलाओं के सन्दर्भ मिलते हैं जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से उपलब्धियों के उच्चतम आयाम स्थापित किये। वर्तमान समय में भी महिलाएं अपने विशिष्ट कार्यों से समाज को राह दिखा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं तथा बालिकाओं की सर्वांगीण प्रगति के लिए संकल्पित है। इस उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के लिए प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान संचालित किया जा रहा है।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर हजरतगंज स्थित लोक भवन में उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सेफसिटी परियोजना का दूसरा चरण आज से होगा शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महिलाओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए चल रही सेफ सिटी परियोजना के दूसरे चरण का लोकार्पण कल 8 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन गोमतीनगर स्थित इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में होगा। सेफ सिटी परियोजना के लिए 194 करोड़ में 60 प्रतिशत अनुदान केन्द्र व 40 प्रतिशत अनुदान राज्य सरकार की ओर से दिया जाता है।

महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए लखनऊ समेत देश के 8 महानगरों में सेफ सिटी परियोजना शुरू की गई है। सेफसिटी परियोजना के तहत पहले चरण में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में महिला सुरक्षा के लिए 100 पिंक बूथ बनाए जा रहे हैं। इसमें से 70 पिंक बूथ बनकर तैयार हो चुके हैं। महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों को 100 टू व्हीलर पिंक पेट्रोल व 10 फोर व्हीलर पिंक पेट्रोल दिए गए हैं। जिनसे व लगातार स्कूल, कॉलेज व बाजारों में गश्त कर रही हैं।

महिलाओं की सुविधाओं के लिए शहर के 74 स्थानों पर विशेष सुविधा युक्त पिंक टॉयलेट का निर्माण भी कराया जा रहा है, जिसमें से 18 पिंक टॉयलेट बनकर तैयार हो चुके हैं। सेफ सिटी परियोजना के तहत शहर के डार्क स्पाटस को चिन्हित कर वहां पर प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। अब तक 3625 डार्क स्पाटस चिन्हित किए गए हैं। इसमें से 660 पर प्रकाश की व्यवस्था की जा चुकी है जबकि 2965 स्थानों पर मार्च के अंत लाइट लगा दी जाएगी। इससे रात में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा।

सेफ सिटी परियोजना के अन्तर्गत संचालित वीमेन पावर लाइन 1090 भी महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। बेहतर परिणाम मिलने के बाद वीमेन पावर लाइन की क्षमता बढ़ाने का काम भी किया जा रहा है। इसके अलावा टेक्नोलॉजी को बढ़ाते हुए यूपी 112 से इंटीग्रेशन, साइबर फॉरेंसिक सुविधा, डाटा एनालिटिक केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं। हॉट स्पॉट पर सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, कंट्रोलरूम के जरिए निगरानी की जा रही है। सिटी बसों में पैनिक बटनए सीसीटीवी कैमरे व जीपीएल लगाने का काम भी दिसम्बर 2021 तक पूरा कर लिया जाएगा।

ये जिले भी सेफ सिटी परियोजना में

लखनऊ सेफसिटी परियोजना की तरह ही प्रदेश के अन्य 12 जिले गोरखपुर, वाराणसी, गोतमबुद्धनगर, मेरठ, आगरा, कानपुर नगर, प्रयागराज, अलीगढ़, बरेली, झांसी, मुरादाबाद व सहारनपुर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सेफ सिटी परियोजनाएं लागू किए जाने के लिए संबंधित मंडलों के मंडलायुक्त की अध्यक्षता में एक अधिकारिता समिति का गठन किया जाएगा।

अलीगढ़ के थाना इगलास के ग्राम गोरई में बनेगा नया पुलिस थाना

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ के थाना इगलास के ग्राम गोरई में नवीन पुलिस थाना गोरई तथा प्रतापगढ़ के थाना रानीगंज परिक्षेत्र में सुदूरवर्ती कसेरूआ में नवीन रिपोर्टिंग पुलिस चौकी कसेरूआ व लखनऊ ग्रामीण में महिला थाना की स्थापना किये जाने के निर्देश दिये है। यह निर्णय इस क्षेत्र में शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, अपराधों पर और अधिक प्रभावी तरीके से अंकुश लगाये जाने, महिलाओं एवं जन.सामान्य को और अधिक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। एसीएस गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश के अलीगढ़ के थाना-इगलास के ग्राम गोरई में नवीन पुलिस थाना गोरई तथा प्रतापगढ़ के थाना रानीगंज परिक्षेत्र में सुदूरवर्ती कसेरूआ में नवीन रिपोर्टिंग पुलिस चौकी कसेरूआ व लखनऊ ग्रामीण क्षेत्र में महिला थाना की स्थापना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये है। श्री अवस्थी ने बताया कि इन नवीन थानों, चौकी में जनशक्ति, पदों के सृजन आदि के संबंध में निर्देश पृथक से निर्गत किये जाएंगे। इससे अधिक से अधिक आबादी की पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त व सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

सेवा व रोजगार दोनों का माध्यम है जन औषधि योजना: स्वतंत्र देव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने बीजेपी लखनऊ महानगर द्वारा जन औषधि दिवस की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर गोल मार्केट महानगर स्थित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद रमापतिराम त्रिपाठी एवं उपस्थित लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव संबोधन को सुना गया। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने लाभार्थियों को दवा भी वितरित की और संबोधित करते हुए में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के 7500 जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया है। जन औषधि योजना सेवा व रोजगार दोनों का माध्यम है। गरीब से गरीब व्यक्ति भी इस योजना से सस्ती और अच्छी दवा प्राप्त करते हुए बीमारी का इलाज कराकर स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है। जनऔषधि केंद्रों पर

मिलने वाली दवाओं की कीमत बाजार से 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक कम होती है। जैसे कैंसर की बीमारी के इलाज में उपयोग होने वाली एक दवा जो बाजार में करीब साढ़े 6 हजार रुपए की मिलती है वो जनऔषधि केंद्रों पर सिर्फ साढ़े 8 सौ में उपलब्ध है। इससे पहले की तुलना में इलाज पर खर्च बहुत कम हो रहा है। उपस्थित सभी लाभार्थियों से यह आवाहन भी किया की ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इस योजना को पहुंचाने का कार्य किया जाए जिससे कि अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री जन औषधि योजना से लाभान्वित हो। कार्यक्रम में विधायक देवमणि द्विवेदी, जन औषधि केंद्र के संचालक विनय शुक्ला, सुनील शुक्ला, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, दिलीप श्रीवास्तव, राकेश सिंह, लाभार्थी व क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

राजभवन में महिला समृद्धि महोत्सव व प्रदर्शनी आज से

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पहल पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को राजभवन स्थित बड़ा लान में महिला समृद्धि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह महोत्सव 10 मार्च तक रहेगा। महोत्सव का आयोजन नाबार्ड तथा सहयोगी संस्थाओं किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय एवं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के सहयोग से हो रहा है।

राज्यपाल की तरफ से महिलाओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रात: 10 बजे तथा महिला स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी एवं बिक्री का शुभारम्भ अपरान्ह 3 बजे किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह तथा बाल विकास मंत्री स्वाती सिंह भी भाग लेंगे।। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुये राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के ग्रामीण क्षेत्रों से आयी स्वयं सहायता समूहों की महिलायें भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि

● 10 मार्च तक अपरान्ह 3 बजे से सायं 7 बजे तक आमजन के लिये खुली रहेगी

ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने के लिये उन्हें उनके कानूनी अधिकार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, कार्य स्थल पर लिंग भेद दूर कर समानता लाने के उपाय तथा स्वरोजगार के क्षेत्र में महिलाओं को जागरूकता विषयक जानकारी विभिन्न विषय विशेषज्ञों तथा विभिन्न लोक विधाओं जैसे पपेट, जादू, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से दी जायेगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राज्य के महिला समूहों, कृषक उत्पादक संगठनों, दस्तकारों हस्तशिल्प कारीगरों को विपणन हेतु मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी है, जिसका अवलोकन प्रतिदिन अपरान्ह 3 बजे से सायं 7 बजे शाम तक आम जन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में आने वाले आगन्तुकों को प्रवेश राजभवन के गेट नं 3 से दिया जायेगा तथा आगन्तुकों को अपने साथ फोटो युक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 259688 को मिला स्वास्थ्य लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े लोगों को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन पूरे प्रदेश में किया गया। मेले के दौरान 259688 लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिला।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला कोविड.19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुये पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक संचालित किया गया। आकस्मिकता की स्थिति में रक्त की आवश्यकता के दृष्टिगत स्वैच्छिक मतदान को बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लोगों से लाउडस्पीकर के माध्यम से यह अपील की गयी कि बुखार, खांसी, जुकाम की शिकायत होने पर तुरन्त जांच एवं इलाज हेतु नजदीकी मेरा कोविड केन्द्र से तुरन्त संपर्क कर सेवायें प्राप्त करें। कोविड.19 हेतु 40980 एण्टीजन टेस्ट किये गये, जिनमें 10 धनात्मक पाये गये।

आज 16वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेलें में कुल 259688 रोगी, पुरूष 96455, महिलायें 122041, बच्चे 41192 लाभान्वित हुए एवं 2908 गम्भीर रोगियों को उच्च चिकित्सालयों में उपचारार्थ संदर्भित किया गया तथा 20099 गोल्डेन कार्ड वितरित किये गये। इसके साथ कुल 9 रक्त शिविरों में 413 यूनिट रक्तदान किया गया। मेले में कुल 8421 चिकित्सक तथा 33265 पैरामेडिकल स्टाफ एवं 14788 आईसीडीएस स्टाफने अपनी सेवायें दीं। बता दे कि अब तक आयोजित कुल 16 मेलों में 5507345 रोगी लाभान्वित हुये। 111957 गम्भीर रोगियों को उच्च केन्द्रों पर संदर्भित किया गया तथा 424496 गोल्डेन कार्ड बने।

डायल 112 के जरिए 121509 महिलाओं तक पहुंचाई सहायता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रदेश पुलिस की आपात सेवा 112 ने 17 अक्तूबर 2020 से 28 फरवरी 2021 तक 121509 महिलाओं को सहायता पहुंचाई। वर्ष भर में 112 ने घरेलू हिंसा से पीड़ित 327833 महिलाओं तक मदद पहुंचाई गई। महिलाओं में सुरक्षा का भाव पैदा करने के लिए, पूरे प्रदेश 300 महिला पीआरवी तैनात की गई है। यूपी 112 के एडीजी असीम अरुण ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत घरेलू हिंसा पर अंकुश लगाने और महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध के लिए 112 द्वारा प्रदेश भर में 300 महिला पीआरवी चलाई जा रही हैं। इस पीआरवी पर महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है ताकि पीड़ित महिला बेझिझक अपनी बात महिला पुलिस कर्मियों को बता सकें। घरेलू हिंसा के मामलों में महिलाओं को 112 की तरफ से प्रबल प्रतिक्रिया दी जाती है। एडीजी ने बताया कि मिशन शक्ति के तहत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश भर की महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करना 112 का मुख्य उद्देश्य है।

100 शिक्षिकाओं को मिला प्रमोशन का तोहफा

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से राज्य सरकार ने राजकीय कॉलेजों में तैनात शिक्षिकाओं को प्रमोशन का तोहफा दिया है। प्रमोशन में शामिल 100 शिक्षिकाओं को राजकीय हाईस्कूलों में प्रधानाध्यापक और राजकीय इंटर कॉलेजों में उप प्रधानाचार्य के पद पर तैनाती दी गई है। उनकी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) करीब छह माह पहले हुई थी और उनसे विकल्प भी मांगे गए थे।

अपर शिक्षा निदेशक राजकीय अंजना गोयल ने 100 शिक्षिकाओं का पदस्थापन आदेश जारी कर दिया है। प्रवक्ता संवर्ग से पदोन्नति पाने वाली शिक्षिकाओं की संख्या 16 है और 84 स्नातक शिक्षक यानी एलटी ग्रेड संवर्ग की महिलाओं को सभी उन जिलों के राजकीय कालेजों में तैनाती दी गई है, जहां पद रिक्त चल रहे थे। इनमें सीतापुर, बुलंदशहर, महाराजगंज, अमरोहा, प्रयागराज, कौशांबी, वाराणसी, मेरठ, रामपुर, रायबरेली, मीरजापुर, बागपत, बरेली, भदोही, आजमगढ़, आगरा, गाजीपुर, झांसी, बांदा, जालौन, हमीरपुर, इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, ललितपुर, शाहजहांपुर, महराजगंज, बस्ती, कुशीनगर, अलीगढ़, हरदोई, बहराइच, प्रतापगढ़, सोनभद्र, अमेठी, संभल, मऊ, अयोध्या, चंदौली, सुलतानपुर, अमरोहा, बिजनौर आदि शामिल हैं। अपर निदेशक की तरफसे जारी निर्देश में कहा गया है कि शिक्षिकाएं वर्तमान पद के प्रभार से अवमुक्त होकर पदोन्नत पद पर अविलंब कार्यभार ग्रहण करें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले ईएमटी और पायलट किये गये सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा देकर आमजन को राहत देने वाले ईएमटी और पायलट को रविवार को सम्मानित किया गया। एम्बुलेंस सेवा प्रदाता कंपनी के लखनऊ के रीजनल मैनेजर विकास मणि त्रिपाठी ने बेहतर कार्य के साथ इमर्जेंसी में मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के लिए चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्होंने बताया कि जनवरी माह में बेस्ट केस के लिये आदेश कुमार और राहुल सिंह को चेक और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अश्विनी, राजपालए विनय श्रीवास्तव, राजीव, राजकुमार, रवी और हेल्पडेस्क की पूजा को उपहार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान प्रोग्राम मैनेजर इंद्रजीत सिंह व अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस बारे में जानकारी देते हुए विकास मणि ने बताया कि नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवाप्रदाता कम्पनी हमेशा से ही अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत करती रही है, एम्बुलेंस सेवा एक ऐसी सेवा है जो आपातकालीन सेवा में आती है, कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की मेडिकल इमर्जेंसी के समय सरकारी अस्पताल जाने के लिये 108 पर नंबर कॉल करके एम्बुलेंस सेवा प्राप्त कर सकता है।

परिषदीय विद्यालयों में आज लगेगी चौपाल सुरक्षा व स्वावलंबन पर होगी चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस इस साल प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान के तहत कुछ खास तरीके से मनाया जाएगा। स्कूलों में चौपाल लगाकर महिला स्वावलंबन और सुरक्षा की बात की जाएगी तो वहीं सरकार के निर्देश पर महिलाओं शहर की प्राचीन इमारतों की सैर नि:शुल्क कर सकेंगी। इसके अलावा महिला दिवस पर नारी सुरक्षा को लेकर शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन भी किए जाएंगे।

कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रत्येक स्कूल को एक हजार रूपए की राशि भी विभाग की ओर से जारी की गई है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला दिवस पर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों व कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इसमें बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों को भी बुलाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान महिला व बालिकाओं के सम्मान,

● महिला दिवस को मिशन शक्ति अभियान के तहत मनाएगी प्रदेश सरकार

सुरक्षा व स्वावलंबन की शपथ भी अभिभावकों को दिलाई जाएगी। स्कूलों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

घरेलू हिंसा व लिंग भेद पर होगी चर्चा

इस मौके पर स्कूलों में इस दौरान बच्चों की ओर से पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदर्शनी के जरिए बच्चें घरेलू हिंसा, बाल विवाह, लिंग भेद, बाल अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे। साथ ही विद्यालय में प्रोजेक्टर के जरिए फिल्म खुशी, स्वशक्ति, पहेली का प्रदर्शन भी किया जाएगा। चौपाल में पावर एंजिल द्वारा मुझे स्कूल अच्छा लगता है विषय पर वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में बालिकाओं को सेफटच-अनसेफटच जैसे विषय पर जानकारी भी दी जाएगी। सरकार की महिला हेल्पलाइनों की जानकारी भी अभिभावकों व बच्चों को दी जाएगी।

एतिहासिक इमारतों की महिलाएं करेंगी निशुल्क सैर

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। लखनऊ के एतिहासिक बड़ा इमामबाड़ा, भूल भुलैया, पिक्चर गैलरी, रूमी गेट व घंटाघर की सैर महिलाएं नि:शुल्क कर सकेंगी। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद हुसैनाबाद ट्रस्ट ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है।

लोकतंत्र में जनता की अदालत सर्वोपरि: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

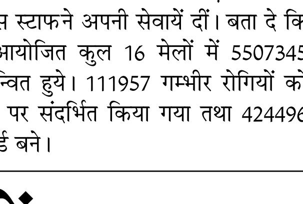

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकतंत्र में जनता अदालत सर्वोपरि होती है। सरकार का कर्तव्य लोककल्याण करना होता है। जब हजारों किसान कोई मांग उठा रहे हैं तो भाजपा सरकार को उसका समाधान करना चाहिए। लेकिन भाजपा सरकार ने तो किसानों की मनमर्जी के बगैर अपना कानून थोप दिया है। किसानों को आशंका है कि नए कृषि कानूनों से उसकी खेती छिन जाएगी और वह खेत का स्वामी न रहकर खेतिहर मजदूर बन जाएगा। केन्द्र सरकार किसानों को सुरक्षा देने के मामले में आश्वस्त करने में विफल रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की किसानों के प्रति हठधर्मिता के चलते अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी किसान आंदोलन की गूंज होने लगी है। कई देशों के समाजसेवियों ने भारत के किसान आंदोलन को अपना समर्थन दिया है।

किसान निर्भीकता के साथ आंदोलनरत है। इससे जाहिर है कि भारत का किसान आंदोलन अंतर्राष्ट्रीय बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार के हवा हवाई वादे का परिणाम पिछले 4 साल से किसान भुगत रहे हैं। हमीरपुर के राठ में कर्ज से परेशान किसान मजदूर ने जान दे दी। रायबरेली में कर्ज तले दबे किसान ने आत्महत्या की। भाजपा द्वारा कर्जमाफी का वादा अभी तक पूरा नहीं हो पाया है जिसके कारण अब तक प्रदेश में हजारों किसान अपनी जान गंवा चुके हैं। भाजपा जो कहती है करती नहीं इसलिए किसानों का भरोसा भाजपा से उठ गया है।

भाजपा किस तरह असली मुद्दों से लोगों को भटकाने का काम करती है इससे जाहिर है कि वह छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने के नाम पर एक जिला एक उत्पाद का बैनर टांग देती है लेकिन उत्पाद के विपणन की सुचारू व्यवस्था नहीं करती है। माटी कला बोर्ड का बोर्ड लगा दिया गया लेकिन एक नुमाइश के बाद उनको कोई पूछता तक नहीं है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने राजधानी में गुड़ महोत्सव का खूब प्रचार किया लेकिन जब गन्ना किसानों का बकाया देने का मौका आया तो सरकार ऊंघने लगी है। गन्ना किसानों को न एमएसपी मिली, न ही 14 दिन में गन्ने का भुगतान हुआ। बकाये पर ब्याज का तो सवाल ही नहीं। किसान की आय दुगनी होने का दूर-दूर तक सम्भावना नहीं। सच तो यह है कि किसान की जो आमदनी थी, भाजपा सरकार में वह भी खत्म हो गई।

स्वास्थ्य योजनाओं के कारण साल में 50 हजार करोड़ रुपए बचाने में कामयाब रहे गरीब और जरूरतमंदः मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने किफायती दवाएं उपलब्ध कराने और चिकित्सा उपकरणों की कीमत कम करने जैसे कदम उठाए जिसके कारण गरीब और जरूरतमंद लोग सालाना 50,000 करोड़ रुपए तक बचत करने में कामयाब रहे हैं। मोदी ने शिलांग में पूर्वोत्तर इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान में 7,500वां जन औषधि केंद्र वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि जन औषधि योजना के तहत देश भर में किफायती दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जन औषधि योजना के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए देश में एक मार्च से सात मार्च तक जन औषधि सप्ताह मनाया जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर डिजिटल माध्यम से कहा कि इससे पूर्वोत्तर के जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सहायता मिल रही है। मोदी ने कहा, आज 7500वें केंद्र का उद्घाटन किया जा रहा है और यह शिलांग में हो रहा है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि पूर्वोत्तर में जन स्वास्थ्य केंद्रों का कितनी तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि 7500वें केंद्र का लोकार्पण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि छह साल पहले तक भारत में सौ केंद्र भी नहीं थे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने दस हजार केंद्रों के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने शिमला, भोपाल, अहमदाबाद, मंगलुरु और दीव के मारुति नगर के उन लोगों से बात की जो इस योजना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, जन औषधि केंद्र चलाने वाले लोगों और इसके कुछ लाभार्थियों के साथ मैंने बातचीत की जिससे स्पष्ट हुआ कि यह योजना गरीबों और मध्य वर्ग के परिवारों के लिए बड़ी मददगार साबित हो रही है।

यह योजना सेवा और रोजगार दोनों का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से गरीब और मध्यवर्गीय परिवार के लोग दवाओं पर होने वाले प्रतिवर्ष 3,600 करोड़ रुपए की बचत कर पा रहे हैं। मोदी ने कहा कि इससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिल रहा है और एक हजार केंद्र महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जन औषधि अभियान के तहत अब तक इन केंद्रों के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक सेनिटरी नैपकिन बेचे जा चुके हैं और गर्भवती महिलाओं को पोषक चीजें दी जा रही हैं।

भोपाल में पथ संचलन में भाग लेते आरएसएस के कार्यकर्ता

पूर्व मुख्यमंत्री महंत की परंपरागत सीट जीत की संभावना को ध्यान में रखते हुए भाजपा को दी गईः अगप

गुवाहाटी। असम में भाजपा नीत सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल असम गण परिषद (अगप) ने रविवार को कहा कि इस बार बरहामपुर सीट वहां से जीत की संभावना को ध्यान में रखते हुए भगवा पार्टी को दी गई है। गौरतलब है कि नगांव जिला स्थित बरहामपुर विधानसभा क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत की परंपरागत सीट रही है। वह 1991 से लगातार छह बार इस सीट से निर्वाचित हुए हैं। अब यह सीट भाजपा के पास चली गई है, जिसने जीतू गोस्वामी को यहां से विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है।

अगप प्रमुख अतुल बोरा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, बरहामपुर सीट भाजपा को देने में कोई साजिश नहीं हुई है। हम किसी भी सीट पर जीत की संभावना पर विचार कर रहे हैं। हमें देखना होगा कि क्या राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) वह सीट जीतने जा रही है या नहीं। यह पूछे जाने पर कि क्या अगप संस्थापक महंत की इस बार बरहामपुर सीट से जीतने की संभावना नहीं है, बोरा ने कहा, चर्चा करने के बाद ही फैसला लिया गया है। अगप प्रमुख ने यह बताने से भी इनकार कर दिया कि भाजपा को यह सीट देने से पहले क्या महंत को विश्वास में लिया गया था।

यह पूछे जाने पर कि क्या संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) का महंत द्वारा खुला विरोध किया जाना ही उन्हें यह सीट नहीं मिलने की वजह है, तो बोरा ने कहा, यह कोई कारण नहीं था। उनका स्वास्थ्य भी एक मुद्दा है। बरहामपुर सीट भाजपा को दिए जाने की घोषणा के बाद महंत के समर्थकों ने प्रदर्शन किया और अगप-प्रोग्रेसिव को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया ने गति पकड़ ली। यह अगप से टूट कर अलग हुआ एक गुट है। महंत ने विपक्षी महागठबंधन में शामिल होने को लेकर गुवाहाटी में कांग्रेस नेतृत्व के साथ चर्चा की है।

कोलकाता पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी मामले में 60 लाख रुपए से अधिक की नकदी जब्त की

कोलकाता। कोलकाता पुलिस के एसटीएफ ने रविवार को यहां एक कार्यालय से 60 लाख रुपए से अधिक की बिना हिसाब की नकदी जब्त की। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान जिले से एक मार्च को गिरफ्तार किए गए एक मादक पदार्थ तस्कर से मिली जानकारी पर कार्वाई करते हुए एसटीएफ ने जोरसांको इलाके में एक व्यक्ति के कार्यालय पर छापा मारा और वहां से 60.97 लाख रुपए की नकदी बरामद की। बरामद नकदी को मादक पदार्थ तस्कर द्वारा हवाला के जरिए कार्यालय में भेजा गया था। हम कार्यालय के मालिक की तलाश कर रहे हैं। मादक पदार्थ की तस्करी में उसकी भूमिका होने का संदेह है। एसटीएफ ने गिरफ्तार किए गए व्यक्ति से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 25.09 करोड़ रुपए मूल्य की पांच किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की थी।

वसुंधरा राजे ने कहा, वह उस महिला की बेटी है जिनके खून में भाजपा और राष्ट्रवाद था

भाषा। जयपुर

राजस्थान की अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को विकास विरोधी करार देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को प्रदेश सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और कहा कि वह उस महिला की बेटी हैं जिनके खून में भाजपा और राष्ट्रवाद था। भरतपुर जिले के पूंछड़ी के लौठा में समर्थकों को संबोधित करते हुए वसुंधरा राजे ने कहा, आज मैं केवल यह कहना चाहती हूं कि मेरी मां ने दीपक जलाने और कमल को खिलाने का काम किया था। उन्होंने दीए की लौ को कभी कम नहीं होने दिया और कमल को कभी मुरझाने नहीं दिया। उनके खून में भाजपा और राष्ट्रवाद था। मैं उन्हीं की बेटी हूं।

उन्होंने दीपक का उल्लेख जनसंघ के संदर्भ में किया। पूर्व मुख्यमंत्री भरतपुर के कृष्णा सर्किट और सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के मंदिरों की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा पर है। वह रविवार को आदि बद्रीनाथ मंदिर जाएंगी और उसके बाद गोवर्धन परिक्रमा के पूंछड़ी के लौठा मंदिर सहित रास्ते में पड़ने वाले मंदिरों में पूजा अर्चना करेंगी।

वसुंधरा ने कहा कि उनका धार्मिक स्थलों से गहरा संबंध है इसलिए उन्होंने इन पवित्र स्थानों पर पूजा और प्रार्थना करने तथा जन्मदिन मनाने का फैसला किया है। उन्होंने आरोप लगाया, न केवल इस क्षेत्र में बल्कि पूरे राज्य में विकास के काम रूक गए हैं। दो हिस्सों में बंटी गहलोत सरकार को मिलकर उखाड़ने और रूके हुए विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का काम हम सब करेंगे।

पिछले कुछ दिनों से वसुंधरा के समर्थक हाई प्रोफाइल कार्यक्रम की व्यवस्था में लगे हुए हैं। रविवार को शुरू हुई उनकी इस धार्मिक यात्रा में कई पूर्व मंत्री और समर्थक विधायक मौजूद थे। इसी दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां भी वागड़ क्षेत्र के बांसवाडा, प्रतापगढ, और डूंगरपुर क्षेत्रों के दौरे पर है। पूनियां ने सोशल मीडिया पर रविवार को गहलोत सरकार के खिलाफ हल्ला बोल आंदोलन शुरू किया है। पार्टी नेताओं के अनुसार प्रदेश में वसुंधरा को दरकिनार किए जाने से वह नाराज हैं और पूनियां जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में विफल रहने के लिए पूर्वी क्षेत्र के कई नेताओं को बदलने की योजना बना रहे थे, इसके बाद चिंतित नेताओं ने अब पूर्व मुख्यमंत्री को और सक्रिय होने के लिए आग्रह किया है।

क्विक न्यूज

राजग के घटक दलों ने असम चुनाव में कायकर्ताओं से एकजुट होने का आह्वान किया

गुवाहाटी। असम में राजग के घटक दलों ने रविवार को कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव में भाजपा-एजीपी-यूपीपीएल गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए एक-दूसरे की सहायता करने की अपील की। असम में सीट बंटवारे और टिकट वितरण के बाद ऐसे नेताओं के समर्थक विरोध दर्ज करा रहे हैं, जिन्हें विधानसभा चुनाव में ताल ठोंकने का मौका नहीं मिल सका है। गुवाहाटी में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान तीनों दलों के अध्यक्षों ने स्वीकार किया कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ता थोड़े निराश हैं जोकि गठबंधन में सामान्य बात है। असम की भाजपा इकाई के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने कहा, हर दल के कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी के नेता उनके इलाके से चुनाव लड़ें। वे अपने दलों के अधिक से अधिक उम्मीदवारों के लिए टिकट भी चाहते हैं। एक गठबंधन में हमें आदान-प्रदान की समझ को स्वीकार करना पड़ता है। भाजपा नीत गठबंधन का लक्ष्य 126 सदर्स्ईय विधानसभा में से 100 से अधिक सीटें जीतने का है और इसे सहयोगी दलों असम गण परिषद और यूनाइटेड पीपल्स लिबरल पार्टी की मदद से ही प्राप्त किया जाएगा। मैं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे एजीपी का 26 सीटों और यूपीपीएल का आठ सीटों पर साथ दें। भाजपा कार्यकर्ताओं को एजीपी और यूपीपीएल को एक दल के रूप में देखना चाहिए और उनकी सहायता करनी चाहिए।

कुमारस्वामी ने पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रयास की आलोचना की

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाना राज्य के लिए मौत की दस्तक के समान होगा। कन्नड़ में किए गए श्रृंखलाबद्ध ट्वीट में जद(एस) के वरिष्ठ नेता ने ईंधन को जीएसटी के दायरे में लाने के प्रयासों पर विरोध जताया और मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा से अपील की कि ऐसा होने से रोकें क्योंकि इस निर्णय से राज्य के संसाधनों को हानि होगी। कुमारस्वामी ने कहा, केंद्र सरकार दाम कम करने की आस में पेट्रोलियम उत्पादों को चरणबद्ध तरीके से जीएसटी के दायरे में ला रही है। ईंधन के दामों में बढ़ोतरी के चलते जनता के गुस्से को देखते हुए ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाना राज्य के लिए मौत की दस्तक के समान होगा। पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक, पेट्रोलियम उत्पादों पर लगे उपकर राज्य के राजस्व का प्रमुख स्रोत हैं। आरोप लगाया कि जीएसटी के लागू होने के बाद केंद्र ने राज्यों को मुआवजा उपलब्ध नहीं कराया, जोकि राज्यों को दिया जाना था।

गोवा में अगले वर्ष होने वाले विस चुनाव में 20-25 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी शिवसेना : राउत

पणजी। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी गोवा में अगले वर्ष होने विधानसभा चुनाव में 20 से 25 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। राउत ने दावा किया कि प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर असंतोष है लेकिन विपक्ष इसका लाभ नहीं उठा पा रहा है और इसके कारण आप जैसे दलों को मौका मिल रहा है, जो गोवा में केवल चुनाव के वक्त ही नजर आते हैं। राउत ने कहा कि जो लोग गोवा में शिवसेना की ताकत पर सवाल खड़े कर रहे हैं, उन्हें राज्य में सहयोगियों की ताकत के बूते पर नहीं बल्कि अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहिए।

मनसुख हीरेन के परिवार को न्याय मिलना चाहिएः कांग्रेस

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने रविवार को कहा कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के बाहर मिले विस्फोटकों से लदे वाहन के मालिक मनसुख हीरेन के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिलना चाहिए। दक्षिण मुंबई में अंबानी के बहुमंजिला आवास एंटीलिया के पास 25 फरवरी को जिलेटिन की 20 छड़ों के साथ एक स्कॉर्पियो कार पाई गई थी। पुलिस ने कहा था कि वाहन को एयरोली-मुलुंड पुल के पास से आठ फरवरी को चुराया गया। हीरेन (46) ठाणे में एक खाड़ी के किनारे शुक्रवार सुबह मृत पाए गए थे। मामले की जांच महाराष्ट्र का आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) कर रहा है।

पुरवा वर्धमान में सीआरपीएफ के जवान एक ट्रेन में सवार होकर जाते हुए।

सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर होना जरूरीः बेबी रानी

हरिद्वार। सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने को बेहद जरूरी बताते हुए उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने रविवार को कहा कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिलाएं वास्तव में सशक्त होती हैं। अर्न्ताष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर सभी महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल बेबी रानी ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को कौशल विकास के माध्यम से आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना बहुत आवश्यक है।

उन्होंने कहा, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिलाएं वास्तव में सशक्त होती हैं तथा वे अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकती हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लैंगिक समानता और आर्थिक स्वावलंबन अत्यंत आवश्यक है। यहां राजभवन से जारी अपने संदेश में, उत्तराखण्ड की महिलाओं को अत्यंत परिश्रमी एवं साहसी बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में यहां की मातृशक्ति का अमूल्य योगदान है।

उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन, जैविक कृषि, पर्यटन आदि प्रत्एक क्षेत्र में महिलाओं द्वारा उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है और यहां की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। महिला सशक्तीकरण के लिए उन्होंने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत बताई और कहा कि इसके लिए सरकार के साथ ही समाज को भी मिलजुल कर प्रयास करने होंगे।

ममता ने हेमंत सोरेन से तृणमूल कांग्रेस के लिए प्रचार करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया है कि वह उनके लिए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचार करें और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) भाजपा की चुनावी संभावनाओं को बाधित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जल्द ही इस पर निर्णय लेगा। यह बात झामुमो के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को कही। यह घटनाक्रम महत्व रखता है क्योंकि झारखंड में झामुमो और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है और सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली पार्टी कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ वाम और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ मिलकर गठबंधन किया है।

राजद, समाजवादी पार्टी और शिवसेना के बाद बनर्जी ने पिछले हफ्ते कहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए टीएमसी को झामुमो और राकांपा का समर्थन मिला है। झामुमो के एक वरिष्ठ नेता ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के साथ संवाद होता रहता है। यह हमारी मांग थी कि पं. बंगाल, बिहार और ओडिशा के कुछ क्षेत्रों को झारखंड का हिस्सा बनाया जाना चाहिए था क्योंकि वे राज्य के लिए आंदोलन का हिस्सा थे, लेकिन 2000 में जो सीमा बनाई गई थी, उसमें कुछ क्षेत्रों को छोड़ दिया गया था।

परिणामस्वरूप, आप देखेंगे कि पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में, अधिकांश लोग झारखंड के हैं। इसलिए, हमारा वहां प्रभाव है। झामुमो नेता ने कहा कि टीएमसी प्रमुख ने झारखंड के मुख्यमंत्री से उनके लिए प्रचार करने को कहा है। नेता ने कहा कि पार्टी द्वारा जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। नेता ने कहा, हालांकि यह लक्ष्य तय है कि भाजपा को वहां पीछे धकेलना है और इस बात को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया जाएगा। झामुमो नेता ने साथ ही ईंधन की उंची कीमतों, कृषि कानून और किसानों के साथ व्यवहार जैसे विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया।

स्वतंत्रता सेनानियों की तलाकशुदा बेटियों की पेंशन पर केन्द्र सरकार से मांगा जवाब

भाषा। नई दिल्ली

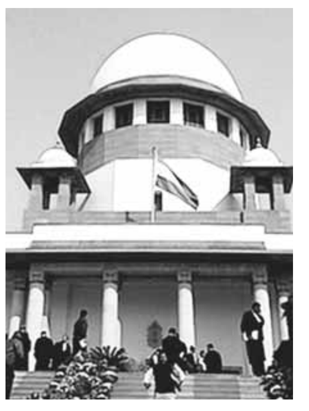

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा है कि अगर स्वतंत्रता सेनानियों की अविवाहित या विधवा बेटियों के अलावा उनकी तलाकशुदा बेटियों को भी परिवार पेंशन दी जाती है तो कितना वित्तीय बोझ आएगा। न्यायमूर्ति यू. यू. ललित और न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ की पीठ ने यह सवाल तब किया जब केंद्र ने इससे कहा कि अगर अदालत ने स्वतंत्रता सेनानियों की अविवाहित या विधवा बेटियों के अलावा तलाकशुदा बेटियों को भी परिवार पेंशन देने की अनुमति दी तो इस पर वित्तीय बोझ पड़ेगा और नए विवाद शुरू हो जाएंगे।

पीठ ने टिप्पणी की, कितना वित्तीय बोझ पड़ेगा? तलाकशुदा बेटियों का मामला बहुत कम है और इस प्रकार न्यूनतम बोझ आएगा। देश में तलाकशुदा बेटियों की संख्या बहुत ही कम है। शीर्ष अदालत इस मसले पर सुनवाई कर रही थी कि क्या तलाकशुदा बेटियां उसी तरह अपने स्वतंत्रता सेनानी पिता के परिवार पेंशन की हकदार हैं जिस तरह से अविवाहित या विधवा बेटियां होती हैं। इस मामले में दो अलग-अलग उच्च न्यायालयों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए हैं। हिमाचल प्रदेश की निवासी तुलसी देवी (57) ने यह मामला शीर्ष अदालत के संज्ञान में लाया है जिन्होंने पिछले वर्ष उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती दी जिसने इस आधार पर उन्हें स्वतंत्रता सेनानी परिवार पेंशन देने की याचिका खारिज कर दी कि नियमों में ऐसा प्रावधान नहीं है। सुनवाई के दौरान देवी की तरफ से पेश हुए वकील दुष्यंत पाराशर ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी की तलाकशुदा बेटी को विधवा या अविवाहित बेटी की तरह माना जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल के पिता ने देश के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया और आय का स्रोत नहीं होने के कारण वह सुगम जीवन नहीं व्यतीत कर पा रही हैं। केंद्र की तरफ से पेश हुईं अतिरिक्त सोलीसीटर जनरल माधवी दीवान ने कहा कि अगर परिवार पेंशन की अनुमति दी जाती है तो इससे वित्तीय बोझ बढ़ेगा और नए विवाद शुरू हो जाएंगे। उन्होंने इस मुद्दे पर और दस्तावेज पेश करने के लिए समय मांगा।

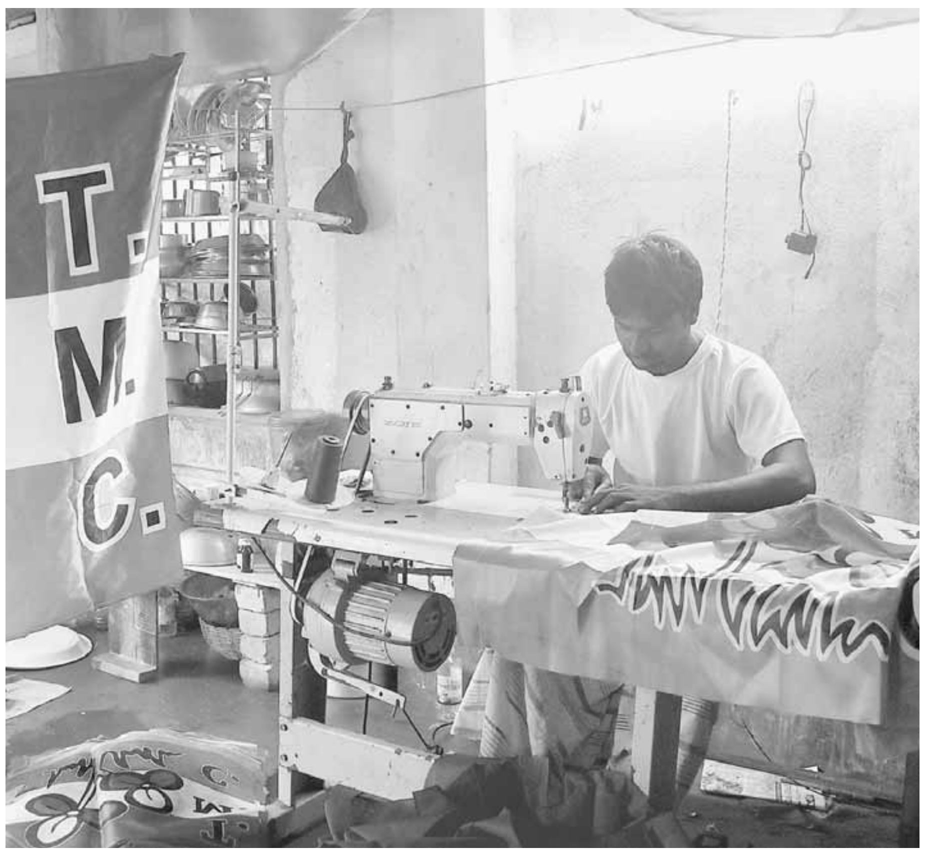

हावड़ा में टीएमसी पार्टी के झण्डों की सिलाई करते हुए दर्जी।

हार्दिक पटेल ने दिखाए बागी तेवर

कहा, गुजरात कांग्रेस ने चुनावों में मुझे कोई काम नहीं दिया, एक भी सीट पर राय नहीं ली

भाषा। नई दिल्ली

गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की करारी शिकस्त के बाद बागी तेवर दिखाते हुए रविवार को प्रदेश इकाई की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए और दावा किया कि इन चुनावों में उन्हें कोई काम नहीं दिया गया और एक भी सीट पर टिकट को लेकर उनकी राय नहीं ली गई। उन्होंने हालांकि, भविष्य में कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को भी खारिज किया और कहा कि वह कांग्रेस में बने रहेंगे और पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे निभाएंगे। पटेल ने पीटीआई -भाषा के साथ एक साक्षात्कार में गुजरात को लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की समझ को लेकर भी सवाल किया और कहा कि राज्य में उनकी पार्टी विपक्ष के तौर पर संघर्ष करने में विफल रही है तथा कांग्रेस को फिर से मजबूत बनाने के लिए आलाकमान को गुजरात को समझना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विधायकों को संगठन के काम से अलग रखना होगा।

कभी पाटीदार आरक्षण आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे पटेल ने ए टिप्पणियां उस वक्त की हैं जब कुछ दिनों पहले ही गुजरात में नगर निगम, नगरपालिका, जिला एवं तालुका पंचायत के चुनावों में कांग्रेस को भाजपा के मुकाबले करारी हार का सामना करना पड़ा। पार्टी सूरत नगर निगम में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। भाजपा ने नगरपालिका, जिला एवं तालुका पंचायतों की 8,470 सीटों में से 6,236 सीटें जीतकर कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। कांग्रेस केवल 1,805 सीटें ही जीत पाई। पार्टी की हार के कारणों के बारे में पूछे जाने पर हार्दिक पटेल ने कहा, हम लोग जनता का विश्वास हासिल करने में विफल रहे हैं। विपक्ष के तौर पर हमें जो संघर्ष करना चाहिए था उसमें हम नाकाम रहे। जनता को लगता है कि विपक्ष में रहकर कांग्रेस को जो काम करना चाहिए था वो उसने नहीं किया। इस कारण कई जगहों पर आम आदमी पार्टी को वोट मिल गया। उन्होंने कहा, सूरत में हमारे आंदोलन के साथियों ने सिर्फ दो टिकट मांगे थे। पार्टी ने वो भी नहीं दिया। इन दो सीटों के चक्कर में हमारी 36 सीटें चली गईं।

उल्लेखनीय है पिछले निकाय चुनाव में सूरत के पाटीदार बहुल इलाकों में कांग्रेस ने 30 से अधिक सीटें जीतीं थीं। किसी नेता का नाम लिए बगैर पटेल ने दावा किया, मैं सिर्फ कार्यकारी अध्यक्ष हूं और टिकट बंटवारे में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। मुझे बुलाया तक नहीं गया... मुझे यही बताया गया कि कार्यकारी अध्यक्ष की कोई भूमिका नहीं होती है। फिर भी मैंने अपने बल-बूते पर कई सभाएं कीं। मुझे प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से कोई कार्यक्रम और काम नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जब आप लोगों के बीच नहीं जाएंगे, अपने घोषणापत्र की बातें नहीं पहुंचाएंगे तो कैसे होगा? अहमदाबाद जैसे शहर में हमारा कोई बड़ा बैनर नहीं लगा था। लोगों को लगता है कि चुनाव में कांग्रेस है ही नहीं। गुजरात में जनता भाजपा को पसंद नहीं करती, लेकिन हम लोग जनता को विश्वास नहीं दिला पा रहे हैं कि हम उनके साथ खड़े हैं। पटेल के मुताबिक, स्थानीय निकाय के चुनाव की तैयारियां तीन महीने से चल रही थी। तीन महीनों में मुझे एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको यह काम करना है। पांच हजार से अधिक सीटों पर टिकटों का बंटवारा हुआ, लेकिन एक सीट पर भी मुझसे नहीं पूछा गया कि क्या करना चाहिए, यहां तक कि पाटीदार बहुल क्षेत्रों में भी मेरी राय नहीं ली गई। प्रदेश अध्यक्ष पद से अमित चावड़ा और नेता प्रतिपक्ष पद से परेश धनानी के इस्तीफे के बारे में पूछे जाने पर पटेल ने कहा, अगर मैं भी अध्यक्ष होता तो जिम्मेदारी लेता। उन लोगों ने इस्तीफा दिया है, लेकिन जिम्मेदारी सबकी है। अब सबको मेहनत करनी पड़ेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, संगठन को मजबूत बनाने के साथ ही विधायकों को संगठन से अलग रखना पड़ेगा। विधायक अपने अपने क्षेत्र में काम करें।

भाजपा में संगठन की ताकत देखिए। क्या भाजपा का कोई विधायक या सांसद अपने अध्यक्ष को टिकट को लेकर सलाह देता है? यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस आलाकमान ने समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए, पटेल ने कहा, उनको (आलाकमान) गुजरात को समझना पड़ेगा, गुजरात को महत्व देना पड़ेगा। हम 30 साल से प्रदेश की सत्ता में नहीं हैं। गुजरात को नहीं समझेंगे तो हमारे जैसे युवा कार्यकर्ता निराश हो जाएंगे। पार्टी दिन-ब-दिन गिरती जा रही है और कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

कुंभ में हर स्नान के बाद अधिकारियों कर्मचारियों को करानी होगी कोविड जांच

भाषा। हरिद्वार

हरिद्वार कुंभ में महाशिवरात्रि के अवसर पर 11 मार्च को होने वाले पहले शाही स्नान तथा उसके बाद होने वाले हर स्नान के बाद ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से कोविड-19 की जांच करानी होगी। पहले शाही स्नान के लिए यहां आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी सी रविशंकर ने कहा कि प्रत्एक स्नान के पांच दिन बाद कुंभ डयूटी में लगे कर्मचारियों और अधिकारियों को कोविड-19 की आरटीपीसीआर जांच करानी होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्वाई की जाएगी। मेला पुलिस, जिला प्रशासन व मेला प्रशासन की इस संयुक्त बैठक में जिलाधिकारी ने हर सेक्टर में विभागों के अफसरों और सेक्टर मजिस्ट्रेट को क्विक रिस्पांस टीम बनाने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्वाई की जा सके। उन्होंने कहा कि स्नान के दौरान कोरोना जांच के लिए 70 से अधिक टीमें लगाई जाएंगी जो श्रद्धालुओं की थर्मल स्क्रीनिंग के साथ-साथ कोरोना की जांच भी करेगी। हालांकि अभी तक कुंभ की अधिसूचना जारी नहीं हुई है लेकिन कोविड-19 के मद्देनजर पहला शाही स्नान कुंभ मेला प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं माना जा रहा है। बैठक में मेला पुलिस महानिरीक्षक संजय गुंज्याल ने कहा कि मेला नियंत्रण कक्ष में एक वॉर रूम बनाया जाए जिसमे हर विभाग का एक-एक सक्षम अधिकारी स्नान के दौरान मौजूद रहे ताकि किसी भी विभाग से जुडी समस्या के सामने आने पर तत्काल उसका निराकरण हो सके।

गोडसे यात्रा पर बोले दिग्विजय, नफरत के सौदागर हैं भाजपा, संघ और हिंदू महासभा के कुछ तत्व

भाषा। इंदौर

महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के संपूर्ण जीवन चरित्र से जुड़े तथ्यों को जनता के सामने लाने के मकसद से अखिल भारत हिंदू महासभा की 14 मार्च को प्रस्तावित यात्रा की कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने रविवार को कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि महासभा, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ तत्व नफरत के सौदागर हैं।

गोडसे यात्रा को लेकर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू महासभा के कुछ तत्व भारत वर्ष की सर्वधर्म समभाव की परंपरा, संस्कार और संस्कृति के विरोधी हैं। ए (तत्व) नफरत के सौदागर हैं और नफरत फैला कर हिंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि इन तत्वों की कथित तौर पर वही विचारधारा है जिस विचारधारा के चलते नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्व की हत्या की थी, इसलिए वह गोड़से को लेकर हिंदू महासभा की प्रस्तावित यात्रा की निंदा करते हैं।

हिंदू महासभा के नेताओं ने प्रस्तावित कार्यक्रम के हवाले से बताया कि गोडसे के संपूर्ण जीवन चरित्र से जुड़े तथ्यों को जनता के सामने लाने के उद्देश्य से निकाली जाने वाली यह यात्रा 14 मार्च को ग्वालियर से वाहन रैली के रूप में शुरू होकर दिल्ली पहुंचेगी और इसमें महासभा की 17 राज्यों की इकाइयों के प्रमुख शामिल होंगे। बहरहाल, इन दिनों स्वयं कांग्रेस को ग्वालियर नगर निगम के पार्षद बाबूलाल चौरसिया को पार्टी में वापस लेने पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है जो पिछले चुनावों में हिंदू महासभा से जुड़कर पार्षद बने थे और गोडसे की अर्धप्रतिमा की स्थापना में कथित तौर पर शामिल रहे थे। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस में चौरसिया की वापसी को मीडिया निरर्थक तौर पर बढ़ा-चढ़ाकरै पेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि चौरसिया ने हिंदू महासभा में रहने के दौरान गोड़से के पक्ष में जो बयानबाजी की थी, हम उसकी निंदा करते हैं। वैसे इस बयानबाजी को लेकर उन्होंने पहले ही माफी मांग ली है। केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ सिंह की अगुवाई में सूबे में जगह-जगह किसान महापंचायतों का आयोजन किया जा रहा है।

लेकिन अब तक इनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ को शामिल होते नहीं देखा गया है। इस बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि ये किसान महापंचायतें गैर राजनीतिक हैं। इनमें कमलनाथ की ओर से उनके वे प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं जो किसान संगठनों से जुड़े हैं।

कांग्रेस की 40 उम्मीदवारों की पहली सूची में आधे नए चेहरे

भाषा। गुवाहाटी

असम चुनाव

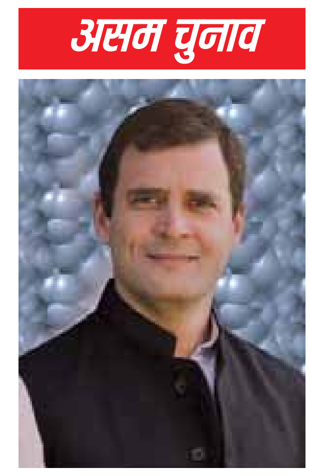

असम में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने जिन 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, उनमें से आधे प्रत्याशी नए हैं। प्रदेश के टीटाबोर विधानसभा सीट पर उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप देने से पहले पार्टी पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत तरुण गोगोई के परिवार से सलाह-मशविरा करेगी। इस सीट से गोगोई लगातार चार बार विधायक निर्वाचित हुए थे।

प्रदेश में 27 मार्च को पहले चरण में 47 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। कांग्रेस ने शनिवार रात उनमें से 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। पार्टी की पहली सूची में 20 नए चेहरे हैं और छह मौजूदा विधायक हैं। इनमें कांग्रेस विधायक दल के नता देबब्रत सैकिया का नाम भी शामिल है, जो नजीरा से उम्मीदवार बनाए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नजर प्रतिष्ठित टीटाबोर सीट पर है जबकि कांग्रेस इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखना चाहती है। प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके तरुण गोगोई इस सीट से विधायक थे। पिछले साल 23 नवंबर को कोविड के बाद की जटिलताओं के चलते उनका निधन हो गया था।

टीटाबोर के अलावा तिनसुकिया, ढकुआखाना, बेहाली, ढिंग एवं बोकाखत सीटों पर तथा एआईयूडीएफ के खाते वाली नौबोइचा सीट पर अभी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा बाकी है। कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने बताया कि इन सीटों के बारे में जल्दी ही निर्णय लिया जाएगा। इनमें से कुछ सीटें गठबंधन के सहयोगी दल को दी जाएंगी। सैकिया के अलावा, जिन विधायकों को फिर से टिकट दिया गया है, उनमें समागुरी से रकीबुल हुसैन, रूपोहीहाट से मो. नुरुल हुदा, मरियानी से रूपज्योति कुर्मी, सरूपथार से रोजलीना तिर्की और दुमदुमा से दोमा दुर्गा भूमिज शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य रिपुन बोरा गोहपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, जहां उनकी पत्नी मोनिका बोरा को भाजपा उम्मीदवार ने करीब 30 हजार मतों से पराजित किया था। पार्टी ने चार महिलाओं समेत उन 12 उम्मीदवारों को भी टिकट दिए हैं जो 2016 के विधानसभा चुनावों में कम अंतर से हार गए थे। इनमें जोरहाट से राणा गोस्वामी, थाउरा से सुशांत बरगोहाईं, माहमारा से सूरज दिहिंगिया, बिहपुरिया से भूपेन कुमार बोरा, सूतिया से प्राणेश्वर बसुमतारी, दुलियाजान से ध्रुब गोगोई और टिगखांग से एतुवा मुंडा शामिल हैं। माजुली सीट पर, पार्टी ने रानोज कुमार पेगु को फिर से टिकट दिया है जिन्होंने 2001 से लगातार तीन बार इसका प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन 2016 के चुनावों में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल से 18,000 मतों से हार गए थे। चार महिलाओं को पार्टी ने फिर से उन्हीं विधानसभा सीटों से टिकट दिए हैं जिन पर पिछले चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इन उम्मीदवारों में नाहरकटिया से प्रणती फुकन, खुमटाई से बिस्मिता गोगोई, टियोक से पल्लब गोगोई और आमगुरी से अंगकिता दत्ता शामिल हैं।

पार्टी ने हाल में कांग्रेस में शामिल हुए भाजपा के पूर्व नेता और तेजपुर से सांसद राम प्रसाद सरमा को बरसोला सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। असम में कांग्रेस नीत महागठबंधन में एआईयूडीएफ, बीपीएफ, माकपा, भाकपा और आंचलिक गण मोर्चा शामिल हैं। प्रदेश की 126 सदस्ईय विधानसभा सीटों के लिए तीन चरणों में - 27 मार्च, एक और छह अप्रैल को मतदान कराए जाएंगे।

भारत में कोविड-19 महामारी खात्मे की ओर बढ़ रही है : हर्षवर्धन

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि भारत में कोविड-19 महामारी खात्मे की ओर बढ़ रही है और कोविड-19 टीकाकरण अभियान को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को टीके से जुड़े विज्ञान पर भरोसा और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके प्रियजनों को समय पर टीके लग जाएं। हर्षवर्धन ने रविवार को धर्मशिला नारायण अस्पताल के सहयोग से आयोजित दिल्ली चिकित्सा संघ (डीएमए) के 62वें वार्षिक दिल्ली राज्य चिकित्सा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में अब तक कोविड-19 के दो करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं और टीकाकरण दर बढ़कर प्रतिदिन 15 लाख हो गई है। उन्होंने कहा, दूसरे देशों के मुकाबले हमने कोविड-19 टीकों की तेजी से आपूर्ति की है, जो सुरक्षित हैं और उनकी प्रभावकारिता साबित हो चुकी है।

रेलवे स्टेशन पर सफाईकर्मी ने शौचालय के नल से पेयजल टंकी में भरा पानी, स्टेशन मास्टर निलंबित

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में गरोठ रेलवे स्टेशन पर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी द्वारा शौचालय के नल से प्लास्टिक पाइप जोड़कर पेयजल टंकी में पानी भरने के मामले में वहां के स्टेशन मास्टर को निलंबित कर दिया गया है। रेवले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। गरोठ रेलवे स्टेशन दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर स्थित है और यह स्टेशन कोटा रेल मंडल में आता है। कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अजय कुमार पाल ने बताया कि एक मार्च को गरोठ रेलवे स्टेशन पर निजी कंपनी में कार्यरत सफाईकर्मी ने शौचालय के नल से प्लास्टिक पाइप जोड़ दिया।

जम्मू में अवैध रूप से रह रहे 168 रोहिंग्याओं को भेजा जेल

जम्मू। जम्मू में अवैध रूप से रह रहे 168 रोहिंग्याओं को जेल भेज दिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को एक अभियान चलाकर यहां रह रहे रोहिंग्याओं के बायोमीट्रिक और अन्य विवरण एकत्र किए थे। आधिकारिक दस्तावेज के बिना शहर में रह रहे विदेशियों की पहचान करने के लिए यह अभियान चलाया गया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, कम से कम 168 अवैध प्रवासी रोहिंग्याओं को हीरानगर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि म्यांमा से आए रोहिंग्या मुस्लिमों के सत्यापन की प्रकिया, यहां एमएएम स्टेडियम में कड़ी सुरक्षा के बीच की गई। उन्होंने बताया कि विदेशियों का सत्यापन करने की प्रक्रिया जारी है। सरकारी आकंड़ों के मुताबिक रोहिंग्या मुस्लिमों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत 13,700 विदेशी जम्मू और सांबा जिलों में रह रहे हैं जहां 2008 से 2016 के बीच इनकी जनसंख्या में छह हजार से अधिक की वृद्धि हुई।

भाजपा कोर ग्रुप की अचानक हुई बैठक ने प्रदेश में बढ़ाया सियासी तापमान

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड भाजपा की कोर ग्रुप की अचानक हुई बैठक और उसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में पार्टी उपाध्यक्ष और राज्य प्रभारी दुष्यंत गौतम की उपस्थिति ने राज्य सरकार में कुछ बड़े परिवर्तन की अटकलों को हवा देकर प्रदेश का सियासी तापमान बढ़ा दिया है। अलग-अलग चली बैठकों के बाद दोनों केंद्रीय नेता दिल्ली लौट गए। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रमन सिंह और दुष्यंत गौतम विधायकों व सांसदों से हुई बातचीत के बारे में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

प्रदेश इकाई की कोर ग्रुप की यह बैठक पहले से प्रस्तावित नहीं थी और यह ऐसे समय बुलाई गई जब प्रदेश की नई ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में राज्य विधानसभा का महत्वपूर्ण बजट सत्र चल रहा था। बैठक की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को गैरसैंण से तुरंत देहरादून वापस आना पड़ा। आनन-फानन में बजट पारित करा कर सत्र भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया और भाजपा विधायकों को भी गैरसैंण से तत्काल देहरादून बुला लिया गया। दो घंटे से भी ज्यादा समय तक चली कोर ग्रुप की बैठक में राज्य सभा सांसद नरेश बंसल, टिहरी से लोकसभा सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, नैनीताल से लोकसभा सांसद अजय भट्ट, प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक सहित राज्य संगठन के भी अहम नेता मौजूद रहे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि रमन सिंह ने कोर ग्रुप की बैठक में मौजूद हर सदस्य से अलगअलग बातचीत की।

बाद में रमन सिंह मुख्यमंत्री के सरकारी आवास में भी गए जहां पार्टी के करीब 40 विधायक मौजूद थे। कोर ग्रुप की बैठक के बाद सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय भी गए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को भी कोर ग्रुप की बैठक में सम्मिलित होना था लेकिन किसी कारणवश वह नहीं पहुंच पाए। हालांकि, रमन सिंह के दिल्ली लौटने से पहले यहां जौलीग्रांट हवाई अडडे पर निशंक ने उनसे मुलाकात की। इतनी तेजी से घटे घटनाक्रम ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को हवा दे दी। ऐसी सुगबुगाहट है कि केंद्रीय नेतृत्व रावत के विकल्पों पर विचार कर रहा है। एक विधायक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षको ने उनसे रावत के विकल्प के बारे में भी पूछा।

प्रदेश भाजपा के सूत्रों ने बताया कि रावत की कार्यप्रणली और शासन में उनकी बात ना सुने जाने की केंद्रीय नेतृत्व से शिकायत की गई थी। पर्यवेक्षकों ने इस पर भी विधायकों से रायशुमारी की है। दिल्ली में पार्टी के सूत्रों ने बताया कि चूंकि पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव चल रहे हैं ऐसे में पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व इस पर भी विचार करेगा कि उत्तराखंड में नेतृत्व परिवर्तन से किस तरह का असर पड़ेगा। लेकिन सूत्रों ने ए भी कहा कि 10 मार्च को रावत से जुड़े एक कथित भ्रष्ठाचार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। अचानक केंद्रीय पर्यवेक्षकों के देहरादून पहुंचने और विधायकों से रायशुमारी किए जाने के संबंध में पूछे जाने पर बंशीधर भगत ने कहा, 18 मार्च को प्रदेश सरकार के चार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 70 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करने के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की कोई संभावना नहीं है और पार्टी विधायकों में कहीं कोई मनमुटाव नहीं है।

इस बीच, मुख्यमंत्री ने रविवार को गैरसैंण पार्टी के समस्त जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की और 18 मार्च को आयोजित होने वाले सरकार के चार साल बातें कम-काम ज्यादा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया।रावत उत्तराखंड के नौवें मुख्यमंत्री हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली भारी सफलता के बाद पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य की कमान रावत को सौंपने का फैसला किया था। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 75 में से 57 सीटों पर अपना कब्जा जमाया था। रावत राज्य में भाजपा के पांचवें मुख्यमंत्री हैं।

देशमुख ने नक्सल-रोधी अभियान के लिए कमांडो इकाई की सराहना की

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने रविवार को नक्सलियों की हथियार बनाने की इकाई को नष्ट करने के अभियान को लेकर गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो इकाई की सराहना की। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे इलाके में यह अभियान चार-पांच मार्च को चलाया गया जोकि करीब 48 घंटे चला। पुलिस ने बताया था कि गढ़चिरौली के भामरागढ़ तालुका के कोपारशी के जंगलों में चार-पांच मार्च को अभियान चलाया गया था और इस दौरान, छत्तीसगढ़ की सीमा के करीब पांच किलोमीटर अंदर माड इलाके में नक्सलियों की हथियार निर्माण इकाई को नष्ट कर दिया गया था। देशमुख ने कहा कि अच्छी रणनीति एवं बल प्रयोग के चलते जवानों को सफलता मिल सकी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान से बड़े स्तर पर नक्सलियों की गतिविधियों को कम करने में सहायता मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने छात्रों के लिए बस स्टैंड को स्ट्रीट लाइब्रेरी में बदला

भाषा। अनंतनाग

एक अनूठे पहल के तहत भारतीय सेना ने दक्षिण कश्मीर के एक गांव में आसपास के इलाकों के छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च अध्ययन की तैयारी के लिए एक जर्जर बस स्टैंड को स्ट्रीट लाइब्रेरी में तब्दील कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि सेना की 18 राष्ट्रीय राइफल्स ने फरवरी के अंतिम सप्ताह में पुस्तकालय की स्थापना की, जिसने रानीपुरा, चिट्टीसिंगपुरा, केजरीवल और देवीपोरा गांवों के छात्रों के बीच उत्साह पैदा किया है। उच्च कक्षाओं के छात्रों को पुस्तकों में तल्लीन होते हुए देखकर, प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों ने भी 18 आरआर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित झा से निवेदन किया कि उनके लिए कहानी की कुछ पुस्तकें भी रखी जाए। 18 आरआर विक्टर फोर्स के अंतर्गत आता है जो दक्षिण और मध्य कश्मीर की सुरक्षा का जिम्मा संभालता है। अधिकारियों ने कहा कि सुखद आश्चर्य की बात है कि लेफ्टिनेंट कर्नल झा ने तुरंत सामाजिक संदेश देने वाली कुछ कॉमिक्स और कुछ ज्ञानवर्धक किताबों का आदेश दिया।

स्ट्रीट लाइब्रेरी सुबह जल्दी खुल जाती है और जल्द ही बच्चे यहां पुस्तकों के लिए जुटने लगते हैं। राष्ट्रीय राइफल्स के दो-सेक्टर मुख्यालय ने कई किताबें दान की हैं। अनंतनाग जिले के देवीपोरा-चिट्टीसिंगपुरा चौक पर स्थित बस स्टैंड अब वास्तव में ज्ञान का केंद्र बन गया है, जहां अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च अध्ययन के लिए आने वाले युवाओं को देखा जाता है। सेना की इकाई ने बुक्स ऑफ इंडिया सोसाइटी के साथ भी करार किया है, जो इसके लिए कुछ पुस्तकों की आपूर्ति करने पर सहमत हुई है।

पेज 1 का शेष

मिथुन भाजपा...

लिए काम करना चाहते थे और भाजपा ने उन्हें अपनी आकांक्षा पूरी करने के लिए एक मंच दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बंगाली होने पर गर्व है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा जीवन में कुछ बड़ा करना चाहता था, लेकिन कभी भी इतनी बड़ी रैली का हिस्सा बनने का सपना नहीं देखा था, जिसे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी द्वारा संबोधित किया जाना है। मैं हमारे समाज के गरीब वर्गों के लिए काम करना चाहता था और वह इच्छा अब पूरी होगी। चक्रवर्ती ने इस मौके पर अपनी एक फिल्म का एक संवाद भी बोले और कहा, अमी जोल्धोराओ नोई, बीले बोराओ नोई ... अमि इक्ता कोबरा, ईक चोबोल-ई छोबी (मुझे एक हानिरहित सांप समझने की गलती न करें, मैं एक कोबरा हूं, लोगों को एक बार में डंसकर मार भी सकता हूं)। विजयवर्गीय ने शनिवार शाम यहां चक्रवर्ती के निवास पर मुलाकात के बाद घोषणा की थी कि वह रैली में शामिल होंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले महीने मुंबई में अभिनेता के आवास पर उनसे मुलाकात की थी। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें शुरू हो गई थीं। तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य रह चुके अभिनेता ने सारदा पोंजी घोटाले में नाम आने के बाद 2016 में उच्च सदन की सदस्यता छोड़ दी थी। उन्होंने हालांकि इसके लिए स्वास्थ्य ठीक नहीं होने का हवाला दिया था। चक्रवर्ती ने मृणाल सेन की 1976 में आई फिल्म मृगया में एक आदिवासी तीरंदाज की भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला था। चक्रवर्ती कोलकाता के प्रतिष्ठित स्कॉटिश चर्च कॉलेज के छात्र रहे हैं, जहां से सुभाष चंद्र बोस, नेपाल के प्रथम प्रधानमंत्री बी पी कोइराला और असम के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बार्दोलोई ने भी पढ़ाई की थी।

सीबीआई ने...

बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से पार करा सकें। सीबीआई ने उस समय देश भर के 34 स्थानों पर छापेमारी की थी और बीएसएफकमांडेंट सतीश कुमार तथा पशु तस्कर मोहम्मद इनामुल हक को गिरफ्तार किया था। हक फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। तस्कर बॉर्डर पर तैनात बीएसएफजवानों को रिष्वत देकर अपने मवेशियों को भारत से बांग्लादेष ले गए थे। आरोपी बीएसएफकमांडेंट पश्चिम बंगाल में दिसंबर 2015 से अप्रैल 2017 के बीच तैनात रहा था। एफआईआर के मुताबिक आरोपी कमांडेंट ने कथित रूप से बांग्लादेश ले जाई जा रही 20,000 गायों को सीमा पर ही रोककर जब्त कर लिया था, लेकिन जिन वाहनों में ये गायें ले जायी जा रही थीं, उन्हें सीज नहीं किया था। सीबीआई ने इस साल फरवरी में सात लोगों के खिलाफ मामले में आरोप पत्र दायर किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता बिनय मिश्रा के भाई बिजय मिश्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है। बिनय को पार्टी के सांसद और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का करीबी बताया जा रहा है।

जनवरी के...

की जांच शनिवार को की गई। देश में पिछले 24 घंटे में जिन 100 लोगों की मौत हुई, उनमें से 47 मरीज महाराष्ट्र के थे। केरल में 16 और पंजाब में 12 मरीजों की मौत हुई है। देश में संक्रमण से अब तक कुल 1,57,756 लोगों की मौत हुई है। महाराष्ट्र में 52,440, तमिलनाडु में 12,517, कर्नाटक में 12,359, दिल्ली में 10,919, पश्चिम बंगाल में 10,277, उत्तर प्रदेश में 8,729 और आंध्र प्रदेश में 7,173 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि जिन मरीजों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से अधिक मरीज अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट में कहा कि उसके आकडों का मिलान आईसीएमआर से किया जा रहा है।

कांग्रेस का...

लड़ेगी। दोनों दल मिलकर काम करेंगे और राज्य में बड़ी जीत हासिल करेंगे। समझौते के बाद हुए फोटो सेषन के दौरान अलागिरी और राव के चेहरे पर छायी उदासी बता रही थी कि कांग्रेस को डीएमके के साथ सीट बंटवारे में वह हासिल नहीं हो पाया जिसकी वह तलबगार थी। कांग्रेस 2016 के विधानसभा चुनाव में 41 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, इसी आधार पर वह इस बार डीएमके से 40 सीटें मांग रही थी। 1967 तक राज्य में अकेले दम सत्ता चलाने और देश को के कामराज, एन सत्यमूर्ति, सी राजगोपालाचारी, आर वेंकटरमण और सी सुब्रमण्यन जैसी महान हस्तियां देने वाली कांग्रेस अब सहयोगी की भूमिका में आ गई है और द्रमुक के नेताओं की दया पर निर्भर हो गई है। द्रमुक खुले तौर पर कम स्ट्राइक रेट का हवाला देकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को अधिक सीटें देने से अंत तक इंकार करती रही और आखिर अपनी बात मनवाने में कामयाब रही। कांग्रेस के लिए एकमात्र सांत्वना की बात यह रही कि उसे कन्याकुमारी लोकसभा सीट मिल गई, जहां 6 अप्रैल को उपचुनाव होगा। यहां कांग्रेस के मौजूदा सांसद एच. वसंत कुमार की कोविड-19 के चलते मौत होने से यह सीट खाली हो गई थी। ऐसी संभावना है कि कांग्रेस अपनी इस परंपरागत सीट से स्व. वसंत कुमार के पुत्रों में से एक को चुनाव मैदान में उतार सकती है। कांग्रेस नेता गुंडू राव ने कहा कि दोनों दलों के बीच ऐसा समझौता हुआ है कि भाजपा की जीत का कोई अवसर नहीं छोड़ा है। हम इस गठबंधन में जीत के लिए नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा को जिंदा रखने के लिए हैं। डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में पहली बार वाइको के नेतृत्व वाले एमडीएमके को शामिल किया गया है। एमके स्टालिन के बढ़ते महत्व के सामने चुनौती बनकर खड़े होने वाले वाइको को डीएमके से निकाल दिया गया था। इसके बाद वाइको ने 1984 में एमडीएमके का गठन किया गया था। अब गठबंधन में एमडीएमके के आने को अशुभ माना जा रहा है, क्योंकि अतीत में वह मोर्चा सभी विधानसभा चुनाव हार गया, जिसमें वाइको की पार्टी रही।

सीमा पर...

लिए कुछ मायने में महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। उन्होंने कहा, उच्च स्तर के कैमरों के साथ, इस उपग्रह से भारतीय जमीन और महासागरों, विशेष रूप से इसकी सीमाओं की निरंतर निगरानी की जा सकेगी। यह प्राकृतिक आपदाओं और किसी भी अल्पकालिक घटनाओं की त्वरित निगरानी में मदद करेगा। इसरो ने कहा कि जीसैट-1 का वजन 2,268 किलोग्राम है और यह एक अत्याधुनिक पर्यवेक्षण उपग्रह है। इसरो ने 28 फरवरी को अपनी वाणिज्यिक इकाई न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनसिल) के प्रथम समर्पित मिशन के तहत रविवार को ब्राजील के अमेजोनिया-। और 18 अन्य उपग्रहों का पीएसएलवी (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) सी-51 के जरिए यहां श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से सफल प्रक्षेपण किया था। इन 18 उपग्रहों में से पांच उपग्रह छात्रों द्वारा निर्मित हैं। अंतरिक्ष विभाग में सचिव और इसरो के अध्यक्ष के सिवन ने पिछले सप्ताह पीटीआई-भाषा से कहा था कि जिन तकनीकी मुद्दों के कारण जीसैट-। मिशन को स्थगित कर दिया था, उसका समाधान हो गया है। कोविड-19 के कारण लगाए लॉकडाउन की वजह से सामान्य कामकाज प्रभावित होने से इसके प्रक्षेपण में और विलंब हुआ।

संसद के...

डिजिटल मुद्रा नियमन विधेयक शामिल हैं। बजट सत्र का दूसरा चरण ऐसे समय हो रहा है जब सभी सियासी दलों का ध्यान पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों पर है। इन राज्यों में मार्च-अप्रैल में चुनाव होने हैं। अनुमान है कि चुनाव प्रचार की खातिर कई क्षेत्रीय दलों के वरिष्ठ नेता सदन की बैठकों से अनुपस्थित रहेंगे। बजट सत्र का पहला चरण 29 जनवरी को शुरू हुआ था जिसमें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण का कांग्रेस समेत 20 से अधिक विपक्षी दलों ने केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर बहिष्कार किया था। केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश किया गया था।

स्वर्णिम जीत से विनेश ने फिर हासिल की नंबर एक रैंकिंग

● बजरंग फाइनल में

भाषा। रोम

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए माटियो पैलिकोन रैंकिंग कुश्ती सीरीज में जीत दर्ज करके लगातार दूसरे सप्ताह दूसरा स्वर्ण पदक जीता और 53 किग्रा वजन वर्ग में फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल की जबकि बजरंग पूनिया ने रविवार को यहां पुरूष 65 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता 26 वर्षीय विनेश तोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय महिला पहलवान है। उन्होंने 53 किग्रा के फाइनल में कनाडा की डायना मैरी हेलन वीकर को 4-0 से हराया। विनेश ने अपने सभी अंक पहले पीरियड में हासिल किए और दूसरे पीरियड में अपनी बढ़त बरकरार रखकर स्वर्ण पदक जीता। विनेश ने पिछले सप्ताह कीव में स्वर्ण पदक जीता था और इससे उन्हें यह विश्वास हो गया होगा कि ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियां सही चल रही हैं। इस भारतीय पहलवान ने प्रतियोगिता में विश्व की नंबर तीन पहलवान के रूप में प्रवेश किया और 14 अंक हासिल करके फिर से नंबर एक बन गई। कनाडा की पहलवान टूर्नामेंट से पहले 40वें नंबर पर थी लेकिन अब वह विनेश के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। विनेश ने टूर्नामेंट में एक भी अंक नहीं गंवाया। उन्होंने तीन में से अपने दो मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वी को चित किया। सरिता मोर ने शनिवार को 57 किग्रा में रजत पदक जीता था। बजरंग ने पहले तुर्की के पूर्व कैडेट विश्व चैम्पियन सेलिम कोजान को 7-0 से हराया। कोजान ने कई हमले किए लेकिन भारतीय पहलवान ने अच्छा बचाव किया। सेमीफाइनल में बजरंग को अमेरिका के जोसफ क्रिस्टोफर मैक केना से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह 6-3 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। बजरंग के लेग डिफेंस में काफी सुधार दिखा, पर फिर भी अमेरिकी पहलवान ने उनके दाएं पैर को तीन बार पकड़ लिया। हालांकि बजरंग ने इस पकड़ पर मैक केना को अंक नहीं जुटाने दिए। भारतीय पहलवान ने पटखनी देकर अंक जुटाए और 4-2 से बढ़त हासिल कर ली। मैक केना ने दूसरे पीरियड में स्कोर के अंतर को 3-4 कर दिया पर बजरंग ने दो अंक जुटाकर जीत हासिल की। अब उनका सामना मंगोलिया के तुल्गा तुमुर ओचिर से होगा जिन्होंने 65 किग्रा के दूसरे सेमीफाइनल में भारत के रोहित को 4-0 से हराया। रोहित अब कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे। वहीं 74 किग्रा के क्वार्टरफाइनल में नरसिंह पंचम यादव ने इटली के फिनिजियो पर तकनीकी श्रेष्ठता से आसान जीत दर्ज की लेकिन सेमीफाइनल में वह 2012 ओलंपिक चैम्पियन और चार बार के विश्व चैम्पियन जोर्डन अर्नस्ट बुरोघ से हार गए। नरसिंह भी कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

सिंधु को स्विस ओपन के एकतरफा फाइनल में मारिन ने हराया

बासेल। विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु को स्विस ओपन के फाइनल में रविवार को यहां ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कैरोलिना मारिन ने एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी। पच्चीस साल की भारतीय खिलाड़ी के पास मारिन की फुर्ती और सटीक खेल का कोई जवाब नहीं था। स्पेन की इस खिलाड़ी ने सिंधु को सिर्फ 35 मिनट में 21-12, 21-5 से मात दी। सिंधु की यह मारिन के खिलाफ लगातार तीसरी हार है। मारिन ने इससे पहले थाईलैंड में आयोजित दोनों सुपर 1000 स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया था। वह एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में उपविजेता रही थी। इस जीत से विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज मारिन ने साल का अपना तीसरा खिताब उठाया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज सिंधु पिछले 18 महीने में अपना पहला फाइनल मुकाबला खेल रही थी। इस मैच से पहले विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ 13 मैचों में उन्होंने पांच में जीत दर्ज की थी। सिंधु ने पिछले चार मैचों में एक भी गेम नहीं गंवाया था लेकिन वह मारिन के खिलाफ दबाव में इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। मारिन ने रियो ओलंपिक (2016) के फाइनल में भी सिंधु को हराया था। सिंधु अब 17 से 21 मार्च तक 8,50,000 डॉलर इनामी ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

आईपीएल नौ अप्रैल से खाली स्टेडियमों में

● फाइनल 30 मई को अहमदाबाद में

भाषा। नई दिल्ली

दुनिया के सबसे आकर्षक टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन इस साल देश के छह शहरों में नौ अप्रैल से 30 मई के बीच किया जाएगा, जिसमें कोई भी टीम अपने घरेलू मैदान पर मैच नहीं खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को यह घोषणा की। कोविड-19 के कारण पिछले साल आईपीएल का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में करना पड़ा था और इस तरह से अब 2019 के बाद इस टूर्नामेंट की भारत में वापसी होगी। मुंबई में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बावजूद उसे एक मेजबान स्थल के रूप में चुना गया है। टूर्नामेंट कम से कम शुरुआती चरण में खाली स्टेडियमों में खेला जाएगा।

ओजस्वी ट्रेड्स इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस लिमिटेड

केएच. नंबर 300, गोपी राम बिल्डिंग, सुल्तानपुर ग्राम, नई दिल्ली-110030
फोन नंबर : 09810836602, फैक्स नंबर : 0124-4699333
सीआईएन : एल67120डीएल1990पीएलसी042059
वेबसाइट: www.ojswi.in; ई-मेल आईडी : corporate.ojswi@gmail.com

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु पृथक्कृत अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में, सिवाय प्रति शेयर अर्जन)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30.06.2020 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 30.06.2019 अलेखापरीक्षित	वर्ष समाप्त 31.03.2020 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	10.11	70.68	282.77
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	(27.10)	(32.69)	(402.71)
3	शुद्ध लाभ/(हानि), कर पूर्व (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(27.10)	(32.69)	(402.71)
4	शुद्ध लाभ/(हानि), कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(31.19)	(32.69)	(402.71)
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	(31.19)	(32.69)	(402.71)
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रति शेयर)	675	675	675
7	संचेय (पुनर्मूल्यन संचेय छोड़कर)	-	-	(422.88)
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/-प्रत्येक का) (जारी तथा बंद प्रचालनों हेतु) - (क) मूल (ख) तनुकृत	(0.46) (0.46)	(0.48) (0.48)	(5.97) (5.97)

नोट्सः-

(1) 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त परिणाम निदेशक मंडल द्वारा उनकी 02 मार्च, 2021 को सम्पन्न बैठक में पुनरीक्षित एवं अनुमोदित किए गए हैं। कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा उपरोक्त परिणामों का "सीमित पुनरीक्षण" किया गया है।

(2) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेन्ज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एमएसईआई) में प्रस्तुत किए गए तिमाही परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। उक्त तिमाही परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेन्ज वेबसाइट www.msei.in तथा कम्पनी की वेबसाइट www.ojswi.in पर उपलब्ध है।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल
हस्ता./-
संदीप गर्ग
निदेशक
(डीआईएन : 00021295)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 06 मार्च, 2021

एफडीआई चार गुना होकर 24.4 अरब डॉलर पर

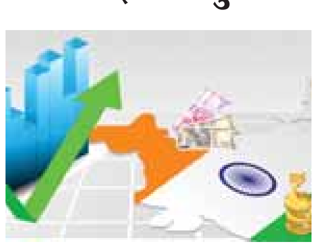

पहले नौ माह में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर क्षेत्र में

भाषा। नई दिल्ली

देश के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष 2020-21 के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह करीब चार गुना होकर 24.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इस क्षेत्र में 6.4 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया था। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में इस क्षेत्र को 7.7 अरब डॉलर का विदेशी निवेश मिला था। विशेषज्ञों ने कहा कि महामारी की वजह से घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) की वजह से डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज हुई है और कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल बढ़ा है। इससे कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर क्षेत्रों के लिए व्यापक संभावनाएं पैदा हुई हैं।

भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजार में निवेश फरवरी में 31 प्रतिशत घटा

मुंबई। भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों में निवेश फरवरी में 31 प्रतिशत घटकर 1.85 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू कंपनियों ने फरवरी में अपनी विदेशी अनुषंगियों और संयुक्त उपक्रमों में 2.66 अरब डॉलर का निवेश किया था। रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय कंपनियों के विदेशी बाजारों में कुल निवेश में 1.36 अरब डॉलर ऋण के रूप में में दिए गए। 29.73 करोड़ डॉलर का निवेश इक्विटी के रूप में हुआ और शेष 18.38 करोड़ रुपए गारंटी के रूप में दिए गए।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.94 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1.94 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,034.51 करोड़ रुपए बढ़कर 13,81,078.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 41,040.98 करोड़ रुपए बढ़कर 11,12,304.75 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक का 28,011.19 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 3,81,092.82 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 16,388.16 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 5,17,325.3 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 27,114.19 करोड़ रुपए बढ़कर 5,60,601.26 करोड़ रुपए पर और आईसीआईसीआई बैंक का 8,424.22 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,21,503.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

सरकार का एलआईसी की अधिकृत पूंजी 25,000 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। सरकार ने जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की अधिकृत पूंजी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव किया है, जिससे अगले वित्त वर्ष में कंपनी की सूचीबद्धता में मदद मिलेगी। फिलहाल 29 करोड़ पॉलिसियों के साथ जीवन बीमा कंपनी की चुकता पूंजी 100 करोड़ रुपए है। एलआईसी की शुरुआत 1956 में पांच करोड़ रुपए की शुरुआती पूंजी के साथ हुई थी। एलआईसी का संपत्ति आधार 31,96,214.81 करोड़ है। जीवन बीमा अधिनियम, 1956 में प्रस्तावित संशोधन के अनुसार एलआईसी की अधिकृत पूंजी को बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपए किया जाएगा। इसे 10 रुपए प्रत्एक के 2,500 करोड़ शेयरों में बांटा जाएगा। वित्त विधेयक, 2021 के तहत प्रस्तावित इस संशोधन से सूचीबद्धता प्रतिबद्धताओं के अनुसार बोर्ड का गठन स्वतंत्र निदेशकों के साथ किया जाएगा।

नीता ने महिलाओं के लिए पेश किया सोशल मीडिया मंच

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता मुकेश अंबानी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से रविवार को एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हर सर्किल पेश किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि हर सर्किल को महिलाओं से जुड़ी सामग्रियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह अपनी तरह का पहला डिजिटल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य महिलाओं का सशक्तिकरण और वैश्विक स्तर पर महिलाओं के उत्थान के लिए काम करना है।

कार्यालय जिला पंचायत ऊधमसिंहनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

जिला पंचायत उधमसिंह नगर में निर्माण कार्यों के लिए इस कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से शासन से प्राप्त अनुदान राज्य वित्त आयोग मद के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यों की निविदा दिनॉक **23.03.2021** को दिन में पूर्वाहन **11.30** बजे से **1:30** बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो जिला पंचायत उधमसिंहनगर के सभागार में दिनॉक **23.03.2021** को अपरान्ह **2:00** बजे टैण्डर खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा प्रपत्र दिनांक **22.03.2021** को प्रातः **10.00** बजे से अपराहन **04.00** बजे तक जिला पंचायत कार्यालय ऊधमसिंहनगर से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क0 सं0	योजना का नाम	वि0ख0 का नाम	स्वीकृत धनराशि	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करनें की अवधि
1	ग्राम सभा बरा में इन्टर कालेज से कन्या जूनियर हाईस्कूल तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	7.50	15000.00	800+ GST	90दिन
2	ग्राम सभा बरा में राष्ट्रीय मार्ग 74 से ओमपाल की दुकान तक सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	7.00	14000.00	700+ GST	90दिन
3	ग्राम सभा बरा में आर्शवाद पैलेस के पास सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	5.50	11000.00	600+ GST	90दिन
4	ग्राम सभा बरी में सेवाराम के घर के सामने सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	3.00	6000.00	300+ GST	90दिन
5	ग्राम सभा बरी के बरी फार्म में दलजीत सिंह के घर के पास सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	3.50	7000.00	400+ GST	90दिन
6	ग्राम सभा बरी के बरी फार्म में जसवीर सिंह के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन
7	ग्राम सभा फिरोजपुर के अम्बेडकरनगर में शिवकुमार के घर से रामभवन के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	8.50	17000.00	900+ GST	180दिन
8	ग्राम सभा फिरोजपुर के अलीनगर में शाकिर शाह के मकान से नहर तक दोनों ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	6.00	12000.00	600+ GST	90दिन
9	ग्राम सभा फिरोजपुर के अलीनगर में लाल खॉं के घर से अली हुसैन के घर तक सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	9.00	18000.00	900+ GST	90दिन
10	ग्राम सभा फिरोजपुर के अलीनगर में मिसर खॉं के घर से नवी शेर के घर तक सी०सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	5.80	11600.00	600+ GST	90दिन
11	ग्राम सभा फिरोजपुर के अलीनगर में शहदौरा लिंक रोड से अलीनगर नहर की पुलिया तक डामरीकरण कार्य	रूद्रपुर	9.00	18000.00	900+ GST	90दिन
12	ग्राम सभा शहदौरा के इमामनगर में बाबू एवं जीशान के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	4.00	8000.00	400+ GST	90दिन
13	ग्राम सभा शहदौरा में तहसील खॉं के घर पास एवं शाकिर अली, मुनब्बर, मो0 अली एवं शहादत आदि के घरों के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	4.50	9000.00	500+ GST	90दिन
14	ग्राम सभा शहदौरा में मेन रोड से वुकलर, रहीश अहमद एवं मस्जिद के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
15	ग्राम सभा शहदौरा के इमामनगर में रंजीत सिंह एवं जोगेश सिंह के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
16	ग्राम सभा इमामनगर में लईक अहमद के घर से अली अहमद एवं मकसूद के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	6.50	13000.00	700+ GST	90दिन
17	ग्राम सभा इमामनगर में बुद्या के घर के पास एवं शराफत एवं कनिजन के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
18	ग्राम सभा दोपहरिया में भमसेन के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन
19	ग्राम सभा शहदौरा के इमामनगर में छेदालाल के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
20	ग्राम सभा शहदौरा के इमामनगर में मकसूद के घर से रामचन्द्र के घर तक सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	3.50	7.000	400+ GST	90दिन
21	ग्राम सभा शहदौरा के इमामनगर में छोटे के घर से यासीन के घर तक सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	4.20	84000.00	400+ GST	90दिन
22	ग्राम सभा शहदौरा के इमामनगर में शहीद अहमद की चक्की के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
23	ग्राम सभा शहदौरा के सिडकूल कालोनी में शक्ति फामर्म लिंक मार्ग से नवी अहमद मास्टर के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	9.50	19000.00	1000+ GST	90दिन
24	ग्राम सभा बरी के बरी फार्म में बलविंदर सिंह के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	3.00	6000.00	300+ GST	90दिन
25	जनपद ऊधमसिंहनगर के विभिन्न विकास खण्डों के विभिन्न ग्रामों में इण्डिया मार्का हैण्ड पम्प एवं प्रैशर हैण्ड पम्प स्थापना कार्य	रूद्रपुर सितारगंज गदरपुर	5.00	10000.00	500+ GST	90दिन
26	ग्राम सभा कर्ठरा में हिकमत अली के घर से मन्दिर तक सी0सी0 मार्ग एवं एक ओर नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	6.70	13400.00	700+ GST	90दिन
27	ग्राम सभा कर्ठरा में आफताब के घर के सामने सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन
28	ग्राम सभा फिरोजपुर के अलीनगर में वली खॉं के घर से स्कूल तक नाली निर्माण कार्य	रूद्रपुर	6.00	12000.00	600+ GST	90दिन
29	ग्राम सभा फिरोजपुर में रिफाकत के घर से प्राईमरी स्कूल होते हुए अहसान के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	8.50	17000.00	900+ GST	90दिन
30	ग्राम सभा शहदौरा में अफसर खॉं के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
31	ग्राम सभा शहदौरा के सिडकुल कालोनी में अनवर खॉ के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन
32	ग्रामसभा अजीतपुर में चुन्नीलाल, रतिराम एवं तारावती आदि के घरों के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	5.00	10000.00	500+ GST	90दिन
33	ग्राम सभा अजीतपुर में मोहनलाल, भोलेराम एवं सेवाराम आदि के घरों के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.50	5000.00	300+ GST	90दिन
34	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में पंचायत भवन के उत्तर-पूर्व कोने में प्रशासनिक अधिकारी के कक्ष के पीछे तक मिट्टी भराई व सी0सी0 टाइल्स का निर्माण कार्य	रूद्रपुर	9.00	18000.00	900+ GST	90दिन
35	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में अपर मुख्य अधिकारी कक्ष के पीछे मिट्टी भरान व सी0सी0 टाइल्स का निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन
36	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में मा0 अध्यक्ष जी के कक्ष से अभियंता कक्ष के पीछे प्रांगण में सी0सी0 टाइल्स का निर्माण कार्य	रूद्रपुर	8.50	17000.00	900+ GST	90दिन
37	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में अभियंता कक्ष के पूरब की साइड में बाउंड्रीवाल तक प्रांगण में सी0सी0 टाइल्स का निर्माण कार्य	गदरपुर	8.00	16000.00	800+ GST	90दिन
38	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में मा0 अध्यक्ष जी विश्राम गृह के पूर्व में प्रांगण में मिट्टी भरान एवं सी0सी0 टाइल्स का निर्माण कार्य	गदरपुर	8.00	16000.00	800+ GST	90दिन
39	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में कर्मचारी आवास के समीप मिट्टी भरान एवं सीसी टाइल्स का निर्माण कार्य	रूद्रपुर	7.00	14000.00	700+ GST	90दिन
40	कार्यालय जिला पंचायत उधमसिंहनगर के कार्यालय परिसर में मा0 अध्यक्ष जी के विश्रामगृह के पास से कर्मचारी आवास तक सी0सी0 मार्ग निर्माण एवं कार्यालय प्रांगण में मिटटी भरान कार्य	रूद्रपुर	9.00	18000.00	900+ GST	90दिन
41	ग्राम बरा चौकी के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	रूद्रपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन
42	ग्राम बरा में पूर्व में निर्मित बारात घर का मरम्मत एवं पुताई का कार्य	रूद्रपुर	5.00	10000.00	500+ GST	90दिन
43	ग्राम गौरीखेड़ा में मेन रोड से अस्पताल तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	सितारगंज	5.00	10000.00	500+ GST	90दिन
44	ग्राम गौरीखेड़ा में अस्पताल से कॉलोनी की ओर सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	सितारगंज	7.00	14000.00	700+ GST	90दिन
45	ग्रामसभा बरी के बरी फार्म में पाईन हिल स्कूल मोड़ से बलवंत सिंह के घर तक डामरीकरण कार्य	सितारगंज	8.50	17000.00	900+ GST	90दिन
46	ग्रामसभा बरी के बरी फार्म में कयामत सिंह के घर से साधू सिंह के खेत तक डामरीकरण निर्माण कार्य	सितारगंज	8.00	16000.00	800+ GST	90दिन
47	ग्राम खेमपुर में मेन रोड से हैप्पी के घर तक सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	बाजपुर	9.00	18000.00	900+ GST	90दिन
48	ग्राम मढैया हट्टू में बुक्सा जनजाति बस्ती में सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	बाजपुर	9.00	18000.00	900+ GST	90दिन
49	ग्राम खुशहालपुर में वीर सिंह के घर के पास सी0सी0 मार्ग निर्माण कार्य	बाजपुर	2.00	4000.00	200+ GST	90दिन

निविदा की शर्तें-

1. निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100.00 का नॉन ज्यूडिशियल स्टॉम्प पेपर वैद्यता की शर्तों के साथ जिसके उपर एक रू0 के रसीदी टिकट के साथ ठेकेदार का हस्ताक्षर युक्त संग्लन होगा चाहिए। निविदा प्रपत्र तथा अन्य संलग्न अभिलेखों पर ठेकेदार के मूल हस्ताक्षर अनिवार्यतः होने चाहिए।
2. निविदा के साथ धरोहर धनराशि राष्टीय बचत पत्र/एफ0डी0आर0 के रूप में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत उधमसिंहनगर के पदनाम से बन्धक करते हुए संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. सफल निविदादाओं को अनुबन्ध गठित करने से पूर्व धरोहर धनराशि को सम्मिलित करते हुए 10प्रतिशत की धनराशि राष्टीय बचत पत्र/एफ0डी0आर0 के रूप में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत उधमसिंह नगर के पदनाम से बन्धक कर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
4. मैनुवल फार्म संख्या 76/जी0पी0डब्लू0-9जो लागू हो की समस्त शर्तें निविदा में मान्य होगी।
5. निविदादाता को प्रत्येक कार्य की धरोहर धनराशि पृथक-पृथक एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा ।
6. अध्यक्ष जिला पंचायत उधमसिंह नगर/अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
7. उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य शर्तें जिला पंचायत कार्यालय मे किसी भी कार्य दिवस मे देखी जा सकती है।

पत्रांक 6003/विज्ञप्ति/2020-21
दिनांक 06.03.2021

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत ऊधम सिंह नगर

चीन-भारत को सीमा मुद्दे हल करने का माहौल बनाना चाहिए: वांग

भाषा। बीजिंग

चीनी विदेश मंत्री वांग ई ने रविवार को कहा कि चीन और भारत को सीमा मुद्दे के हल के लिए एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाना और आपस में संदेह करना छोड़ देना चाहिए तथा द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार कर अनुकूल माहौल बनाना चाहिए।

वांग ने चीन और भारत के बीच संबंध के लिए सीमा विवाद के पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं होने का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश मित्र एवं साझेदार हैं, लेकिन उन्हें एक दूसरे पर संदेह करना छोड़ देना चाहिए। उन्होंने पिछले साल मई में पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध होने के बाद से भारत-चीन संबंधों की मौजूदा स्थिति पर अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा कि यह जरूरी है कि दोनों देश अपने विवादों का निपटारा करें और द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करें। उन्होंने कहा, सीमा विवाद, इतिहास की देन है, यह चीन-भारत संबंध के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं है। वांग ने चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के वार्षिक सत्र से अलग संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह जरूरी है कि दोनों पक्ष विवादों का उपयुक्त निपटारा करें और साथ ही सहयोग बढ़ाएं, ताकि मुद्दों के हल के लिए अनुकूल स्थिति बन सके। हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच 10 दौर की सैन्य स्तर की वार्ता के बाद पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों से सैनिकों के हाल ही में पीछे हटने के विषय पर कुछ नहीं कहा। विदेश मंत्री जयशंकर के साथ टेलीफोन पर 75 मिनट तक हुई बातचीत के बाद सीमा मुद्दे पर वांग की यह टिप्पणी आई है। वहीं, शुक्रवार को भारतीय राजदूत विक्रम मिस्री ने चीन के उप विदेश मंत्री लुओ झाओहुई से मुलाकात की थी और पूर्वी लद्दाख के सभी इलाकों से सैनिकों की वापसी प्रकिया पूरी करने की अपील की थी।

वांग ने अपनी टिप्पणी में कहा कि विश्व यह उम्मीद करता है कि चीन और भारत, दोनों देश विकासशील देशों के साझा हितों की रक्षा करें और विश्व में बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करें। चीन के विदेश मंत्री ने कहा, कई अहम मुद्दों पर, हमारे रुख समान हैं या करीबी हैं और समान राष्ट्रीय वास्तविकताओं के चलते ऐसा है, इसलिए चीन और भारत एक दूसरे के मित्र एवं साझेदार हैं, ना कि खतरा या प्रतिद्वंद्वी हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों को सफल होने के लिए एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने के बजाय एक- दूसरे की मदद करनी चाहिए। हमें एक-दूसरे पर संदेह करने के बजाय सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने पूर्वी लद्दाख गतिरोध का सीधे तौर पर जिक्र किए बगैर कहा, सीमावर्ती क्षेत्र में पिछले साल जो कुछ सही या गलत हुआ, वह स्पष्ट है...। वांग ने कहा, हम सीमा विवाद वार्ता एवं परामर्श के जरिए हल करने को प्रतिबद्ध हैं। साथ ही, हम अपने संप्रभु अधिकारों की भी रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।

चीन ने बाइडन प्रशासन को चेतावनी दी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने रविवार को अमेरिका के बाइडन प्रशासन को चेतावनी दी कि वह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ताईवान का समर्थन करने के खतरनाक चलन को वापस लें। चीन, ताईवान को अपना क्षेत्र मानता है। वांग ने चीन संसद की रस्मी सालाना बैठक के दौरान संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 1949 में मुख्य भूमि से अलग हुए ताईवान पर चीन का दावा अलंघनीय लाल रेखा है। अमेरिका का वैसे तो ताईवान की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के साथ आधिकारिक संबंध नहीं है, लेकिन उसके साथ उसका प्रगाढ़ अनौपरचारिक रिश्ता है। जनवरी में अपना कार्यकाल पूरा करके अमेरिकी राष्ट्रपति पद से हटे ट्रंप ने ताईवान के समर्थन में वहां कैबिनेट अधिकारियों को भेज कर चीन को क्षुब्ध कर दिया था। वांग ने कहा, ताईवान मुद्दे पर चीन सरकार के सामने समझौते या रियायत की कोई गुजाइंश नहीं है। हम नए अमेरिकी प्रशासन से ताईवान मुद्दे से जुड़ी गंभीर संवेदनशीलता को पूरी तरह समझने की अपील करते हैं। वैसे तो वांग ने इस संबंध में कोई संकेत नहीं दिया कि अमेरिका यदि अपना रूख नहीं बदलता है तो चीन क्या कर सकता है, लेकिन सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि ताईवान औपचारिक स्वतंत्रता की घोषणा करता है या मुख्य भूमि से जुड़ने की वार्ता में देरी करता है तो चीन उस पर आक्रमण कर सकता है।

ओली और प्रचंड की पुरानी पार्टियों का एकीकरण रद

भाषा। काठमांडू

नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएएमल) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के 2018 में हुए विलय को रविवार को रद्द कर दिया। इन पार्टियों का नेतृत्व क्रमश: प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल प्रचंड कर रहे थे, जिनका (दोनों पार्टियों का) मई 2018 में आपस में विलय कर एकीकृत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किया गया था। यह घटनाक्रम,2017 के आम चुनावों में दोनों पार्टियों के गठबंधन को मिली जीत के बाद हुआ था। काठमांडू पोस्ट की खबर के मुताबिक रविवार को न्यायमूर्ति कुमार रेगमी और न्यायमूर्ति बाम कुमार श्रेष्ठ की पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) पर वैध अधिकार रिषीराम कत्तेल को सौंप दिया, जिन्होंने ओली और प्रचंड नीत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के गठन से पहले चुनाव आयोग में पार्टी का पंजीकरण अपने नाम पर कराया था। रिषीराम ने एनसीपी का मई 2018 में ओली और प्रचंड के तहत पंजीकरण करने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग में ऐसी स्थिति में किसी नई पार्टी का पंजीकरण नहीं हो सकता, जब उसी नाम से कोई पार्टी पहले से पंजीकृत हो। समाचार पत्र ने रिषीराम के वकील दंडपाणि पौडेल को उद्धृत करते हुए कहा, उच्चतम न्यायालय ने हमारे पक्ष में फैसला सुनाया है। हम मुकदमा जीत गए। समाचार पत्र के मुताबिक न्यायालय ने कहा कि सीपीएन-यूएएमल और सीपीएन को विलय पूर्व स्थिति में लौटना होगा और यदि उन्हें आपस में विलय करना है तो उन्हें राजनीतिक दल अधिनियम के तहत आयोग में आवेदन देना चाहिए।

म्यांमा की सैन्य सरकार पर प्रतिबंध लगाने को बढ़ रहा दबाव

भाषा। बैंकाक

म्यांमा में एक फरवरी को हुए सैन्य तख्तापलट के विरोध में बढ़ते जनाक्रोश पर की जा रही हिंसक कार्वाई के बाद से अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव बढ़ रहा है कि वह म्यांमा की सैन्य सरकार पर और अधिक प्रतिबंध लगाए। इसके साथ ही कई देश इस बारे में भी विचार कर रहे हैं कि वैश्विक निंदा के आदी हो चुके म्यांमा के सैन्य अधिकारियों को किस प्रकार हटाया जाए। महामारी के कारण पहले से ही आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है ऐसे में उन्हें नुकसान पहुंचाए बिना म्यांमा की सैन्य सरकार को अपदस्थ करने की चुनौती और बढ़ गई है। फिर भी, कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों का मानना है कि दमनकारी सरकार के संसाधनों और उसे मिलने वाले धन के स्रोत में कटौती कर दबाव बनाया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र के विशेष राजनयिक क्रिस्टीन एस. बर्गनर ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद से आग्रह किया था कि सैन्य सरकार के विरुद्ध कार्वाई की जाए। बर्गनर ने कहा था, सामूहिक कार्वाई अनिवार्य है। हम म्यांमा की सेना को कितनी छूट दे सकते हैं? संयुक्त राष्ट्र द्वारा समन्वित कार्वाई करना कठिन है क्योंकि सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य रूस और चीन इस पर वीटो कर सकते हैं। इसके साथ ही म्यांमा के पड़ोसी देश, उसके सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और निवेश के स्रोत वाले देश प्रतिबंधों के खिलाफ हैं। शांतिपूर्ण कार्वाई के भी कुछ प्रयास किए गए हैं जिसके तहत अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा ने म्यांमा की सेना, उनके परिजनों और सैन्य सरकार के अन्य वरिष्ठ नेताओं पर प्रतिबंध और कड़े कर दिए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि म्यांमां सेंट्रल बैंक में रखी एक अरब डॉलर से अधिक की राशि को निकालने के म्यांमा की सेना के प्रयासों को अवरुद्ध कर दिया गया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र के विशेष अधिकारी थॉमस एंड्रयूज ने पिछले सप्ताह एक रिपोर्ट में कहा था कि सैन्य सरकार के ज्यादातर आर्थिक हितों पर कोई फर्क नहीं पड़ता। कुछ देशों ने म्यांमा को दी जाने वाली सहायता पर भी रोक लगा दी है और विश्व बैंक ने कहा है कि उसने भी वित्तपोषण रोक दिया है तथा सहायता कार्यक्रमों की समीक्षा की जा रही है।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की

यांगून। म्यांमा में पिछले महीने हुए सैन्य तख्तापलट का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने देश की पूर्व राजधानी बागान में रविवार को गोलीबारी की जिसमें कई लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए आंखों देखा हाल और वीडियो के जरिए यह जानकारी सामने आई है। बागान में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की कार्वाई में पांच लोग घायल हुए हैं। मौके से गोलियां भी एकत्र की गईं। बागान को देश के शीर्ष पर्यटक केन्द्रों में से एक के रूप में जाना जाता है, लेकिन सेना के तख्तापलट के खिलाफ यहां बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार म्यांमा के कई शहरों और नगरों में हर रोज प्रदर्शन हो रहे हैं और सुरक्षा बल जवाबी कार्वाई करते हुए बल प्रयोग और गिरफ्तारियां भी कर रहे हैं। कार्यालय के अनुसार 28 फरवरी को 18 प्रदर्शनकारी और बुधवार को 38 प्रदर्शनकारी मारे गए थे। राजनीतिक कैदियों के लिए स्वतंत्र सहायता संघ ने दावा किया कि।,500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार रविवार को यांगून और मांडले के दो सबसे बड़े शहरों सहित, अन्य जगहों पर भी विरोध प्रदर्शन हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए कथित तौर पर बल का उपयोग किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।

म्यांमा में तख्ता पलट के विरोध में बैकॉक में म्यांमा के नागरिकों ने किया प्रदर्शन

इराक के मोसल में पोप ने युद्ध पीड़ितों के लिए प्रार्थना की

नेपाल के प्रधानमंत्री ने लगवाया कोविशील्ड टीका

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने रविवार को कोविशील्ड टीके की खुराक ली। नेपाल में टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की जा रही है, जिसके तहत 65 साल की उम्र से अधिक के लोगों को टीका दिया जाएगा। ओली और उनकी पत्नी राधिका शाक्य ने रविवार की सुबह त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में कोविशील्ड टीका लगवाया। यह टीका ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने मिलकर विकसित किया है और भारत स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इसका उत्पादन कर रही है। टीका लेने के बाद ओली ने देश के वरिष्ठ नागरिकों से टीका लगवाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री स्वास्थ्य मंत्री हृदएश त्रिपाठी तथा विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली ने भी रविवार को टीका लगवाया।

प्रतिबंध हटाने के बाद ईरान कदम उठाने को तैयार: रूहानी

एपी। तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने रविवार को कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ लगे आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बाद उनका देश विश्व शक्तियों के साथ 2015 में हुए परमाणु समझौते के उपायों के तहत कदम उठाने के लिए तैयार है।आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन कोवेनी के साथ एक बैठक में रूहानी ने कहा, अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाए जाने और दबाव की नीति छोड़े जाने के बाद ईरान परमाणु समझौते पर आधारित क्षतिपूर्ति उपायों को तुरंत शुरू करने और अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा के लिए तैयार है। रूहानी ने ऐतिहासिक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले यूरोपीय देशों की आलोचना की और इसे समझौते के लिए उनकी प्रतिबद्धताओं पर उनकी निष्क्रियता करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान एकमात्र ऐसा देश है जिसने समझौते की अपनी प्रतिबद्धताओं को कायम रखा।2018 में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी परमाणु समझौते से अमेरिका को एकतरफा रूप से अलग कर लिया था। उक्त समझौते में तेहरान ने आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले अपने यूरेनियम संवर्धन को सीमित करने पर सहमति व्यक्त की थी। जब अमेरिका ने कुछ प्रतिबंधों को फिर से लागू किया और अन्य प्रतिबंध भी लगाए तो ईरान ने परमाणु विकास को लेकर समझौते की सीमाओं को धीरे-धीरे छोड़ दिया। परमाणु समझौते के कार्यान्वयन में आयरलैंड गणराज्य की भूमिका मध्यस्थ की है।कोवेनी ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समझौते से हटना एक गलती थी। उन्होंने कहा कि नया अमेरिकी प्रशासन समझौते पर लौटने के लिए दृढ़ हैं।

चीन तीव्र गति बुलेट ट्रेन से तिब्बत को जोड़ेगा

बीजिंग (भाषा)। चीन इस साल जुलाई से पहले अरूणाचल प्रदेश से लगने वाली भारतीय सीमा के नजदीक तिब्बत तक बुलेट ट्रेनों का संचालन करेगा, जो सभी प्रांतों तक हाई-स्पीड ट्रेन सेवाओं की एक शुरूआत है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

चीन की सरकारी रेलवे ग्रुप कंपनी लिमिटेड के बोर्ड के अध्यक्ष लू डोंगफू ने सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ से कहा कि 435 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर आंतरिक दहन और बिजली से चलने वाली हाई-स्पीड फक्सिंग ट्रेन चलाई जाएगी। प्रांतीय राजधानी ल्हासा और पूर्वी तिब्बत के निंगची के बीच रेलवे लाइन का निर्माण 2014 में शुरू हो गया था। यह तिब्बत का पहला ऐसा रेल मार्ग है जहां बिजली से ट्रेन चलेगी और इस पर मार्ग पर जून 2021 में परिचालन शुरू होना है। खबर में कहा गया है कि रेल पटरी बिछाने का काम 2020 में पूरा हो चुका है।

कोरोना से महिलाओं की आय, स्वास्थ्य, सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा: भाटिया

भाषा। न्यूयार्क

संयुक्त राष्ट्र महिला आयोग (यूएन वूमेन) में भारतीय मूल की शीर्ष अधिकारी अनिता भाटिया ने कहा है कि कोविड-19 महामारी ने महिलाओं की आय, स्वास्थ्य और सुरक्षा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले भाटिया ने कहा कि अब उनके सामने एक समस्या यह है कि देखभाल को लेकर बढ़ी जिम्मेदारी के कारण उनके लिए कार्यस्थल पर फिर से लौटना असंभव सा हो गया है।वैश्विक संस्था की महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता पर केंद्रित एजेंसी यूएन वूमेन में असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल और उप कार्यकारी निदेशक भाटिया ने शनिवार को पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, महामारी के एक वर्ष में हम इन चीजों का वास्तविक प्रभाव देख रहे हैं। लेकिन एक बात महामारी के माध्यम से स्पष्ट हो गई है जो शुरुआत में इतनी स्पष्ट नहीं थी कि महिलाओं पर देखभाल का बोझ बढ़ा है। भाटिया ने कहा कि महिलाओं पर महामारी का प्रभाव पुरुषों के मुकाबले असंगत रहा है और वैश्विक स्वास्थ्य संकट के कारण महिलाओं की आय, स्वास्थ्य और सुरक्षा नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महामारी से पहले महिलाएं पुरुषों की तुलना में तीन गुना अधिक देखभाल के काम, बिना वेतन के कर रही थीं लेकिन अब यह काम और बढ़ गया है क्योंकि महिलाओं को अपने घर का काम करना पड़ रहा है, बच्चों को उनके गृहकार्यों में मदद करनी पड़ रही है और यह सुनिश्चित करना पड़ रहा है कि भोजन उनकी मेज पर हो। भाटिया ने कहा, नई समस्या जो अब हम देख रहे हैं, महामारी के एक वर्ष में, न केवल महिलाओं ने नौकरी गंवाई हैं बल्कि अब अर्थव्यवस्थाओं के खुलने के बाद भी आप महिलाओं को उसी समान संख्या में फिर से नौकरी करते हुए नहीं देख पा रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि अगर यह सिलसिला जारी रहा तो देशों में उत्पादकता में गिरावट देखी जाएगी क्योंकि आधी आबादी काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में गिरावट के बाद जीडीपी में गिरावट होगी। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि सरकारों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार करने और नकदी अंतरण योजना के बारे में सोचना होगा। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी महिलाओं को बाल देखभाल की सुविधा और सुविधाजनक काम के घंटे उपलब्ध कराने के बारे में सोचना होगा। भाटिया ने कहा कि सरकारों को डिजिटल संरचना और कौशल में निवेश जारी रखना होगा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को सुनिश्चित करना होगा जिससे महिलाओं पर देखभाल का बोझ कम हो सके। उन्होंने कहा, यह केवल सार्वजनिक क्षेत्र के लिए नहीं है बल्कि निजी क्षेत्र के लिए भी है क्योंकि ऐसा सिर्फ केवल सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता है।

पाक नौसेना के दो कर्मी मारे गए

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के तटीय जिले ग्वादर में अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा सुरक्षाबलों के एक वाहन पर किए गए हमले में नौसेना के दो कर्मी मारे गए और एक अन्य घायल हो गया। पाकिस्तानी नौसेना का वाहन शनिवार को उस समय अंधाधुंध गोलीबारी की चपेट में आया जब वह गंज से ग्वादर जिले में जेवनी जा रहा था।एक अधिकारी ने कहा कि इस गोलीबारी में पाकिस्तानी नौसेना के दो कर्मी मारे गए और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।इस हमले में मारे गए नौसैनिकों की पहचान नाविक सोहेल और नाई का काम करने वाले नोमान के रूप में की गई है। घायल की पहचान रजा के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ग्वादर के सहायक आयुक्त कैप्टन (सेवानिवृत्त) अतहर अब्बास ने कहा कि जिस इलाके में हमला हुआ है, वहां घेराबंदी कर दी गई है लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पाकिस्तान के रोहरी में ट्रेन की दुर्घटना के बाद मौजूद बचाव दल के लोग

जानें अपने काम को

डॉ. रामकृष्णन रमन कहते हैं कि बिक्री और विपणन के क्षेत्र में एमबीए का शुरूआती दौर आमतौर पर अनुसंधान में समय लगाता है और संभावित ग्राहकों की सूची तैयार होती है ग्राहक की संक्षिप्त जानकारी प्रदान होती है, प्रस्तुतीकरण और बिक्री साहित्य तैयार होती है

एक प्रमुख भारतीय बी स्कूल से एमबीए की डिग्री अर्जित करने योग्य अनेक आकर्षक अवसर प्रदान कर सकती है। कई लोगों के मन में यह सवाल हो सकता है कि बिजनेस स्कूल के बाद एमबीए स्नातक स्पष्टतया काम क्या करते हैं? यह काफी हद तक उस विशेषज्ञता के क्षेत्र व उस संगठन पर निर्भर करता है जिसे वे चुनते हैं और जिसमें वे शामिल होते हैं। कुछ संगठन यह सुनिश्चित करते हैं कि एमबीए स्नातकों को सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में अनुभव होना चाहिए।वे उन्हें विपणन, वित्त, संचालन मानव संसाधन और यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक छोटा कार्यकाल देते हैं। ऐसे अन्य लोग हैं जो उन्हें कार्यकारी सहायक भूमिकाएँ भी देते हैं, और उन्हें संगठन के शीर्ष नेतृत्व के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त करते हैं। ऐसे भी लोग हैं जो उन्हें व्यवसाय के मुख्य कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करने का मौका देते हैं। छह महीने की शुरुआती अवधि संगठनात्मक राजनीति की कंपनी की कार्य परिवेश को समझने में बीत जाती है।

प्रारंभिक वर्षों के दौरान बिक्री और विपणन में एमबीए कर्ता आम तौर पर अनुसंधान में समय बिताते हैं और संभावित ग्राहकों की सूची निर्मित करते हैं, ग्राहक की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हैं, प्रस्तुतियाँ और बिक्री साहित्य तैयार करते हैं। वे ग्राहक संबंधों को विकसित करने और मौजूदा खातों को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। वे नए ग्राहकों का मूल्यांकन करने और रिकॉर्ड बनाए रखने में सहायता करते हैं। वे अनुभवी बिक्री और विपणन पेशेवरों के साथ भी काम करते हैं, बैठकों में भाग लेते हैं, और अन्य नेटवर्किंग गतिविधियों में भाग लेते हैं। एक एमबीए वित्त बजट को विकसित करने और समीक्षा करने की प्रक्रिया में सहायता करता है।

वे वित्त प्रभाग को सटीक नकदी-प्रवाह संभावना भी प्रदान करते हैं। वे मासिक बजट पर काम करते हैं और निर्णय लेने में अनुभवी वित्त अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं। वे सामान्य लेजर प्रबंधन, बैलेंस शीट के सामंजस्य में मदद करते हैं। विभिन्न आंतरिक हितधारकों पर ध्यान देते हैं, विशिष्ट खातों के लिए मासिक शेड्यूल तैयार करते हैं और व्यय और लेखा समायोजन के लिए मासिक हिसाब किताब प्रक्रिया में सहायता करते हैं और प्रीपेड खर्चों का प्रबंधन भी करते हैं। कुछ संगठन एमबीए वित्त स्नातकों को वैधानिक वित्तीय तैयार करने में सहायता करते हैं, खातों और अनुसूचियों के लिए नोट्स बनाते हैं। बाहरी और आंतरिक ऑडिट का समायोजन करते हैं। ऑडिट प्रश्नों का उत्तर देते हैं। वे उन्हें खर्च और बैलेंस शीट विश्लेषण पर लेखा प्रबंधक / वित्त निदेशक का समर्थन करने, आंतरिक नियंत्रणों का अनुपालन करने और लेखांकन कार्यों के लिए आंतरिक नियंत्रणों का अनुपालन करने में भी मदद करते हैं।

> ऑपरेशन्स में एमबीए करने वाले से उम्मीद होती है कि वो एक तेजतर्रार माहौल में काम करने के साथ-साथ दबाव में काम करने की क्षमता रखता है खासकर जब वे उन क्लाइंट के साथ होते हैं जो ऑपरेशन भूमिकाओं का सामना करते हैं।

एक एमबीए ऑपरेशंस वाले व्यक्ति से ग्राहक केंद्रित- सेवा पहले वाली मानसिकता की उम्मीद की जाती है। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे तेजी से आंकड़ों को समझें और सभी स्तरों के हितधारकों के लिए समय पर संकल्प और समाधान तैयार करें। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं का आकलन करने और वृद्धि के लिए कमरे का मूल्यांकन करने में सक्रिय रहें।

ऑपरेशन्स में एमबीए करने वाले से उम्मीद होती है, कि वो एक तेज-तर्रार माहौल में काम करने के साथ-साथ दबाव में काम करने की क्षमता रखता है, खासकर जब वे उन क्लाइंट के साथ होते हैं जो ऑपरेशन भूमिकाओं का सामना करते हैं। मानव संसाधन (एचआर) में विशेषज्ञता प्राप्त एमबीए, एचआर बिजनेस पार्टनर और एचआर ऑपरेशंस टीमों के साथ-साथ स्थानीय प्रबंधन टीम को व्यवसाय के लिए सामान्य एचआर सहायता प्रदान करने के लिए काम करता है। एक जनरलिस्ट उत्कृष्टता केंद्र के साथ काम करता है और अन्य कर्मचारियों के बीच ऑनबोर्डिंग, एचआर प्रोग्राम समर्थन, ऑफबोर्डिंग सहित कर्मचारियों के प्रबंधन और प्रशासन के लिए जिम्मेदार होता है।

विशेषज्ञता के बावजूद एमबीए स्नातकों से संगठन के आंतरिक और बाहरी ग्राहकों के लिए प्रभावशाली प्रस्तुति बनाने और उन्हें प्रस्तुत करने की उम्मीद की जाती है। उनसे सॉफ्टवेयर और डेटा प्रबंधन टूल का उपयोग करने में भी माहिर होने की उम्मीद रहती है, जो उनके रिपोर्टिंग प्रबंधकों को बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

-लेखक - सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफबिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम) के निदेशक हैं ।

उपयोगी बने रहने के नुस्खे

अनुज गोयल का कहना है कि निर्माण लागत की बुनियादी गणना, प्रशंसा का अनुमान और बिल्डिंग कोड का बुनियादी ज्ञान बहुत काम में आता है।

यदि आप अपने बचपन के दौरान इमारतों और गगनचुंबी इमारतों से मंत्रमुग्ध रहे हैं, तो रियल एस्टेट क्षेत्र में इसका कैरियर एक पुरस्कार योग्य विकल्प हो सकता है। प्रॉपर्टी मार्केट में आगे बढ़ने के लिए रिलेशनशिप मैनेजर से लेकर डायरेक्ट सेल्स एक्जीक्यूटिव की कई भूमिकाएँ होती हैं। हालांकि, हर दूसरे काम की तरह, आपको रियल एस्टेट उद्योग में सफल और प्रासंगिक बने रहने के लिए योग्यता की शर्तों से लैस होना चाहिए।

निर्माण लागत की बुनियादी गणना, प्रशंसा का अनुमान, स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क से संबंधित नियमों का ज्ञान और भवन कोड का बुनियादी ज्ञान आदि योग्यताएं, एक अचल संपत्ति प्रबंधक के बहुत काम आते हैं। रियल एस्टेट फर्म में नौकरी के लिए आवश्यक पाँच महत्वपूर्ण योग्यताओं की सूची इस प्रकार है :

संचार कौशल: यदि आप रियल एस्टेट क्षेत्र में करियर की शुरुआत कर रहे हैं, तो संभावित खरीदारों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ने के लिए तैयार रहें। उत्कृष्ट संचार कौशल नौकरी का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। अधिकारियों को सरल शब्दों में परियोजना की विशेषताओं को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।

जैसा कि रियल एस्टेट निवेश एक गहन लागत युक्त प्रस्ताव है, ऐसे में व्यक्ति को फायदों व नुकसानों के साथ-साथ अनुमानित ई -रिटर्न-ऑन-इन्वेस्टमेंट '(आरओआई) को स्पष्ट रूप से समझने में सक्षम होना चाहिए। आप इन योग्यताओं को धीरे-धीरे, एक दर्पण के सामने अभ्यास करके व अपनी भाव भंगिमा के संबंध मे दोस्तों से प्रतिक्रिया लेकर, विकसित कर सकते हैं।

ध्यान से सुनना- प्रभावी बोलने के कौशल के साथ-साथ ध्यान से सुनना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ग्राहक की सटीक आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुनना आवश्यक है। इसके बाद ही आप उसे दिए गए बजट और प्रारूपों में विकल्प सुझा पाएंगे।

ग्राहक के साथ उत्साही, सहानुभूतिपूर्ण और ईमानदार होना अपने आप में आपकी रुचि को उकसाएगा। आप ऑनलाइन पॉडकास्ट सुनकर और उनमें से नोट्स बनाकर सक्रिय श्रवण योग्यता भी **विकसित कर सकते हैं।**

लेन-देन योग्यताएं: अंततोगत्वा यह एक व्यापार है। आपको ग्राहकों को यह समझाने में सक्षम होना चाहिए कि वे सही विकल्प निर्मित कर रहे हैं। हालांकि, चूंकि रियल एस्टेट निवेश जेब के फैसले पर भारी होता है, इसलिए बहुत सारे सवालों के लिए तैयार रहें।

विस्तृत विवरण के साथ पूर्णतया तैयार रहें और प्रभावी ढंग से संवाद करें। ग्राहकों को उनके सभी प्रश्नों से संतुष्ट करना और ईमानदार होना आपको सही दिशा में ले जाएगा। प्रभावी ढंग से बातचीत करना सीखें। फालोअप करना प्रक्रिया का एक हिस्सा है, और आपको एक लाभदायक राह पर बने रहने के लिए इसमें निरंतर सक्रिय होना चाहिए।

तकनीक-सक्षम हों : टेक-सेवी होना एक साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ होना नहीं होता है। यह आवश्यक कंप्यूटर कौशल से संबंधित है -जैसे कि प्रस्तुति बनाना, एक्सेल शीट और सोशल मीडिया का उपयोग करना। तकनीक के साथ सहज होने से काफी समय बचता है और आपको अपने ग्राहकों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलती है।

सामाजिक संकेत और स्थानीय बोली: हर आय वर्ग और पृष्ठभूमि के लोगों का सामना करने के लिए तैयार रहें। किसी अंतरराष्ट्रीय ग्राहक से मिलते समय, आपको पर्याप्त सक्षम ढंग से खुद को प्रस्तुत करना चाहिए। एक देशी ग्राहक के साथ काम करते समय, आपको कुछ स्थानीय बातों को शामिल करना होगा और तदनुसार उनकी सेवा करनी होगी। स्थानीय बोलियों, सामाजिक प्रवृत्तियों और सौदे को अंतिम रूप देने के लिए इसका उपयोग करने संबंधी ज्ञान बेहद उपयोगी होगा।

- लेखक गोयल गंगा डेवलपमेंट के प्रबंध निदेशक हैं।

साइबर सुरक्षा पेशेवरों की बढ़ रही है मांग

डॉ. संजीव कुमार शर्मा कहते हैं कि डिजिटलीकरण की प्रगति ने साइबर विकल्प के समाधान में वृद्धि की है, जिससे आकर्षक विकल्प बढ़ रहे हैं।

कोविड-19-युग में विश्व अर्थव्यवस्था और समाज अब सप्लाई चैन, संचार प्रौद्योगिकी और यात्रा से जुड़े हुए हैं। उपकरणों, यंत्रों, वाहनों और बुनियादी ढांचे की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है जो कि अत्यधिक परस्पर जुड़े दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। डिजिटलीकरण सेवाओं की मांग में वृद्धि बेहतर उपभोक्ता अनुभव प्राप्ति में सक्षम होने हेतु इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरणों का एक नेटवर्क निर्मित करती है, लेकिन यह साइबर हमलों की घटनाओं में वृद्धि को भी खुराक देती है।

डॉ. संजीव कुमार शर्मा
डीन अकादमिक, संस्कृत विश्वविद्यालय

साइबर सुरक्षा नौकरियां आज छात्रों के लिए सर्वाधिक मांग वाली नौकरियों में से एक हैं। यह मांग किसी भी अन्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र की तुलना में बेजोड़ है। दुनिया भर की कंपनियों को साइबर-हमलों के लिए लगातार निशाना बनाया गया है। इस परिदृश्य ने सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने के इच्छुक पेशेवरों के लिए बड़े पैमाने पर अवसर दिए हैं।

साइबर सुरक्षा आज रोजगार के प्रमुख स्रोत और आकर्षक कैरियर विकल्प के रूप में कार्य करती है। पहला कदम है बुनियादी साइबर सुरक्षा कौशल हासिल करना, इसके बाद व्यक्तिगत रुचि और बाजार की मांग के आधार पर एक विशिष्ट कार्यक्षेत्र चुनना है। एक सफल कैरियर के लिए, छात्रों को गहन प्रशिक्षण प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और सुरक्षा में विशिष्ट प्रमाणपत्र प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

मिआईटी द्वारा अगस्त 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत को लगभग सात लाख साइबर हमलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में भारत तीसरा और साइबर हमलों के सबसे बड़े पीड़ितों में से एक था, यह इसे और भी अधिक प्रासंगिक व अत्यावश्यक बना देता है।

हाल के वर्षों में सरकारी और निजी संस्थानों ने साइबर सुरक्षा पर विशेष और अनोखे पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है। समय-समय पर दूरस्थ शिक्षा से लेकर प्रमाणन, डिप्लोमा और डिग्री कार्यक्रमों के विभिन्न प्रावधानों के साथ ऑनलाइन मोड में, इन पाठ्यक्रमों ने छात्रों के साथ-साथ कैरियर पेशेवरों में भी बहुत लोकप्रियता पाई है।

पेशेवरों को ऐसी तकनीकें प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जो संवेदनशील जानकारी को संरक्षित करते हुए व्यावसायिक संचालन को आगे बढ़ाने में मदद करती हैं। एक कोर्स के रूप में साइबर सुरक्षा की हालिया वृद्धि के बावजूद हमारे देश में विश्वविद्यालय, कॉलेज और संस्थान बहुत ज्यादा संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। भारत में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग 10,000 पेशेवरों से भी कम है। विश्व में ॒ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी के रूप में भारत डिजिटल फुटप्रिंट्स के विस्तार के साथ खुद को टिकाए हुए है।

इसलिए, यह समय आ गया है कि अपने सभी सहयोगी उप-विषयों के साथ एक विशेष अनुशासन के रूप में साइबर सुरक्षा हमारे विश्वविद्यालय प्रणालियों समेत, बाहर भी पढ़ाए जा रहे किसी भी आईटी पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बन जाए।

प्रौद्योगिकी में नवाचारों और रुझानों का डिजिटल सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। डिजिटलीकरण की हालिया उन्नति और चीजों पर इंटरनेट ने साइबर स्पेस समाधान में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हम आगे बढ़ रहे हैं और एक डिजिटल और स्मार्ट दुनिया का निर्माण कर रहे हैं जो कमजोर साइबर सुरक्षा और औसत दर्जे के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ती है। प्रौद्योगिकी में प्रासंगिक डिग्री के अलावा, छात्रों को उन्नत साइबर सुरक्षा अवधारणाओं, व्यापक साइबर सुरक्षा कार्य अनुभव, उद्योग प्रमाणपत्रों के बारे में बुनियादी ज्ञान होना चाहिए। नियामक नीतियों का ज्ञान आमतौर पर साइबर सुरक्षा में कैरियर बनाने के लिए आवश्यक होता है। साइबर हमलों में वृद्धि उन सभी पृष्ठभूमि के पेशेवरों के लिए अवसरों को बढ़ा रही है जो साइबर सुरक्षा में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं। यहां तक कि मानविकी के लोग साइबरसिटी में करियर बना सकते हैं।

माइंड इट

शिक्षा और कौशल में तालमेल पर टिका है रोजगार का खेल

हाल ही में एक संसदीय रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा-19 महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के कारण, भारतीय मोटर वाहन उद्योग को प्रति दिन 2,300 करोड़ रूपयों का नुकसान हुआ है और इस क्षेत्र में अनुमानित नौकरी का नुकसान लगभग 3.45 लाख रहा। रिपोर्ट स्पष्ट रूप से इंगित करती है कि अभी भी हम युवाओं को शिक्षा और नौकरी की अपेक्षा के बीच एक बेतालमेल वाली स्थिति प्रदान करते हैं।

यदि हम अगले केंद्रीय बजट में संरचित सुधारों और पहल की पहल नहीं करते हैं, तो यह अंतर और अधिक चौड़ा होता जाएगा। आत्मनिर्भरता 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने का सपना पूरी तरह से अपने नागरिकों की शिक्षा और कौशल स्तर पर निर्भर करता है।

डिजिटल सेटअप के अनुकूल होने के लिए कार्यबल को प्रशिक्षित करना

कोविड 19 टीकों के आगमन और चिकित्सा उद्योग में सॉफ्ट.पॉवर के रूप में भारत के उभरने के साथ, कंपनियां वर्ष 2021 को आशाओं से भरपूर मान रही हैं। वे इस डिजिटल युग में अपनी प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने के लिए उन्नत तकनीकों के महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर, प्रसारित करके और सीखकर नए सहजता के लिए धीर-धीरे और निरंतर रूप से खुद को ढाल रही हैं। इस मोड़ पर,

सार्वजनिक और निजी साझेदारी सरकारी कौशल कार्यक्रमों के साथ मिलकर कार्यक्रम में बड़ी रूपांतरण या पुनर्कौशल कार्यक्रमों को लाने में मदद कर सकती है।

इसके अलावा, स्कूलों - कॉलेजों में अकादमिक पाठ्यक्रम को महामारी के बाद के दौर की मौजूदा वास्तविकताओं के साथ चलने के लिए पुनगर्ठित किया जाना चाहिए। यह देखना चिंताजनक है कि भारत अपने बड़े प्रतिभा भंडार के लिए प्रसिद्ध होने के बावजूद कुशलता के मामले में उद्योग की आवश्यकताओं के साथ तालमेल नहीं बना पा रहा है जिसके कारण योग्यता बेमेल होने के कारण अधिकांश स्नातक बेरोजगार हैं। शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय को उद्योग मानकों के अनुसार एक नए पाठ्यक्रम और कौशल कार्यक्रमों के साथ उभरने पर काम करना चाहिए।

नए रोजगार अवसर नए कौशल की मांग करते हैं

कंपनी के नए रूपांतरण के साथ ढलने के लिए, मौजूदा और नए कर्मचारियों को निरंतर कौशल, पुनर्कौशल और योग्यता निखार की आवश्यकता है। नई नौकरी की आवश्यकताएं आईओटी, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स, 3 डी प्रिंटिंग, एआई, मशीन और डीप लर्निंग, एनालिटिक्स, वर्चुअल कोऑपरेशन, ऑटोमोटिव डिजाइन और कम्प्यूटेशनल सोच सहित क्षेत्रों के एक प्रकार के ज्ञान की मांग करेगी। इन कार्यबलों के क्षमता निर्माण के लिए बहुत सारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

यहां तक कि वर्तमान समय भी युवाओं व उनके माता-पिता की मानसिकता में पूर्ण परिवर्तन की मांग करता है। एक इंजीनियरिंग छात्र का लक्ष्य नौकरी पाना होना चाहिए, महज डिग्री पाना नहीं वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनना होना चाहिए। एक बार जब यह मानसिकता सेट हो जाती है, तो कोई प्रश्न नहीं उठता कि भारत विनिर्माण का गढ़ बनने में नेतृत्व कर सकता है, और वह कुशल प्रतिभाओं का आपूर्तिकर्ता बन सकता है।

संगठनों में लगातार चलने वाले कार्यक्रम

सर्वेक्षणों से पता चला है कि कंपनियों ने सफल पुनर्कौशल कार्यक्रम शुरू किए हैं, और इनमें वे भी हैं जो तकनीकी व्यवधानों के कारण होने वाले कौशल अंतराल को बेहतर ढंग से संबोधित करने या प्रासंगिक और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए नए व्यापार मॉडल या रणनीतियों को लागू करने में सक्षम थीं। यहाँ सीखने वाली बात यह है कि बस पुनर्कौशल कार्यक्रमों पर शुरूआत करने से संभावित भविष्य की भूमिका में आड़े आने वाली समस्याओं व संभावितत समस्याओं के प्रति संगठनों को बेहतर ढंग से तैयार किया जाता है। लगातार योग्यता कार्यक्रमों की आवश्यकता है और उन्हें अल्पावधि के लिए नहीं होना चाहिए। कंपनियों को यह समझने की आवश्यकता है कि वे जो भी प्रतिभाएँ तैयार कर रही हैं या फिर से तैयार कर रही हैं, उनका उपयोग भी उनकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

लेखक अंकित श्यामसुख, सीईओ, आईसीए एडु कौशल हैं